भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

का

निष्कर्ष बजट

2012-13

विषय-सूची

अध्याय सं.	विषय	पृष्ठ सं.
I.	निष्पादन सारांश	I-III
	प्रस्तावना	1-8
	1. कार्य	1
	2. कार्यक्रम	1-2
	3. संगठन	2
	4. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम	2-8
	5. मंत्रालय का रिजल्ट फ्रेमवर्क डाक्यूमेंट (आरफडी) 2012-13	8
II.	निष्कर्ष बजट (2012-2013 - प्रमुख स्कीमें	9-26
III.	सुधार उपाय और नीतिगत पहल	27-47
	1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण	27-29
	2 नई राष्ट्रीय इस्पात नीति	29
	3 इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल	29-45
	4 पर्यावरण प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण	45-46
	5 सुरक्षा उपाय	46-47
	6 आंकड़ों के संग्रहण और जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए संस्थागत ढ़ांचा	48
	7 नीतिगत पहलों से निष्कर्ष बजट की संगतता	48
IV.	पिछले निष्पादन की समीक्षा-निष्कर्ष बजट 2011-12	49-61
V.	वित्तीय समीक्षा	62-74
	1. वर्ष 2012-2013 में निधि की कुल आवश्यकता	62
	2. वास्तविक व्यय -2009-10 से 2011-12 (दिसम्बर, 2011 तक)	62
	3. गैर-योजना व्यय	63-64
	4. योजना व्यय	64
	5. आर एंड डी स्कीम का सार	65
	6. वर्ष 2012-13 (बजट अनुमान) के वार्षिक योजना परिव्यय	65-69
	7. 11वीं पंचवर्षीय योजना 2007-2012 परिव्यय (अनुमोदित) और वास्तविक खर्च, निर्धारित लक्ष्य	69-70
	8. 11वीं पंचवर्षीय योजना में सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) परिव्यय का वर्ष-वार विश्लेषण	70-72
	9. 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) के वर्ष 2010-11 और 2011-12 (दिसंबर, 2011 तक) के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय	72-73
	10. बकाया समुपयोजन प्रमाण पत्रों की स्थिति	73
VI.	इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों का वास्तविक एवं वित्तीय कार्य निष्पादन	74-85

निष्पादन सारांश

इस्पात मंत्रालय के निष्पादन बजट मंत्रालय की विशिष्ट भूमिका और उद्देश्यों की पूर्ति हेतु तैयार किए गए कार्यक्रमों, परियोजनाओं और गतिविधियों तथा इस्पात मंत्रालय तथा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के निष्कर्ष पर प्रकाश डालता है। इस दस्तावेज में पिछले वर्षों के लिए वास्तविक और वित्तीय लक्ष्यों, उपलब्धियों और चालू वर्ष 2012-2013 के लिए अनुमानों का विवरण भी दिया गया है।

अध्याय-I में इस्पात मंत्रालय के संगठनात्मक ढांचे और उद्देश्यों, मुख्य कार्यक्रमों के वर्गीकरण और इनसे सम्बद्ध कार्यान्वयन एजेंसियों की संक्षिप्त जानकारी दी गई है। इस अध्याय में वर्ष 2011-2012 के लिए मंत्रालय के रिजल्ट फ्रेमवर्क डाक्यूमेंट (आर एफ डी) का कार्यान्वयन भी शामिल है जो कैबिनेट सचिवालय की वेबसाइट (www.performance.gov.in) पर उपलब्ध है।

अध्याय-II में मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के संबंध में परिव्यय तथा निष्कर्षों/लक्ष्यों का विवरण दिया गया है। चूंकि सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाएं/परियोजनाएं बहुत अधिक हैं तथा प्रकृति में भिन्न-भिन्न हैं और अधिकांशत: उनके दिन-प्रतिदिन के प्रचालनों से संबंधित हैं, अत: 50 करोड़ रूपए और इससे अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली केवल प्रमुख योजनाओं को ही इस विवरण में शामिल किया गया है। वर्ष 2012-2013 के लिए ऐसी 51 प्रमुख योजनाओं, को निष्कर्ष बजट में शामिल किया गया है। ये 48 योजनागत योजनाओं को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (13 योजनाएं), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (22 योजनाएं), केआईओसीएल (7 योजनाएं) और एनएमडीसी लि. (4 योजनाएं) और मैंगनीज ओर इंडिया लि. (2 योजनाएं) द्वारा क्रमश: कार्यान्वित किया जा रहा है और इन योजनाओं पर होने वाले पूरे व्यय की पूर्ति संबंधित उपक्रमों के आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से की जाएगी। लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए 3 योजनाओ को योजना बजटीय सहायता से कार्यान्वित की जा रही हैं। इन 51 प्रमुख योजनाओं के संबंध में अनुमानित/मंजूर लागत, वर्ष 2012-2013 के लिए परिव्यय, प्रक्रियाओं/टाइमलाइन्स, जोखिम घटकों, अनुमानित वास्तविक उत्पादन तथा अनुमानित निष्कर्ष इस विवरण में दिए गए हैं।

अध्याय-III में इस्पात मंत्रालय द्वारा किए गए सुधारात्मक उपायों और नीतिपरक पहलों का विवरण दिया गया है। इस अध्याय में सरकार द्वारा भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र के

विकास के लिए उदारीकरण के बाद किए गए महत्वपूर्ण नीतिपरक उपायों का ब्यौरा दिया गया है। इस संबंध में इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई एक महत्वूपर्ण नीतिपरक पहल राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2005 की घोषणा है। राष्ट्रीय इस्पात नीति का दीर्घकालिक लक्ष्य घरेलू इस्पात उद्योग को विविधीकृत इस्पात मांग को पूरा करने वाला विश्वस्तरीय मानकों का आधुनिक तथा क्षमतावान इस्पात उद्योग बनाना है। इस नीति में न केवल लागत, गुणवत्ता तथा उत्पाद मिश्र की दृष्टि से अपितु दक्षता तथा उत्पादकता के वैश्विक मानकों की दृष्टि से भी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने पर जोर दिया गया है। इस अध्याय में उन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है जिनके संबंध में भारत को लोहा और इस्पात क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए सहायक उपाय किए जाने/नीतियां बनाए जाने की जरूरत है।

अध्याय-IV में इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट, 2011-2012 में दर्शाए गए अनुमानित निष्कर्षों/लक्ष्यों के संबंध में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की 50 करोड़ रूपए अथवा इससे अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत वाली प्रमुख योजनाओं तथा परियोजनाओं के निष्पादन की समीक्षा की गई है। निष्कर्ष बजट 2011-2012 में शामिल 40 प्रमुख योजना स्कीमों के संबंध में अनुमोदित परिव्यय तथा अनुमानित निष्कर्षों की तुलना में किए गए वास्तविक व्यय और योजनाओं की वास्तविक उपलब्धियों को देखते हुए इन योजनाओं के अभिप्रेत निष्कर्ष की तुलना में वास्तविक उपलब्धियों (31 दिसम्बर, 2011 तक) को दर्शाया गया है। योजनाएं सेल, आरआईएनएल, एनएमडीसी लिमिडेड, केआईओसीएल लिमिटेड, मॉयल और एक स्कीम इस्पात मंत्रालय से संबंधित हैं।

अध्याय-V में इस्पात मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों और इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/संगठनों के वित्तीय परिव्यय तथा वित्तीय आवश्यकताओं का ब्यौरा दिया गया है। बजट अनुमान 2011-12 में 117.71 करोड़ रूपए तथा संशोधित अनुमान 2011-12 में 241.89 करोड़ रूपए के बजटीय प्रावधान (कुल) की तुलना में बजट अनुमान 2012-2013 में इस्पात मंत्रालय के लिए मांग संख्या-92 के तहत 121.89 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। बजट अनुमान 2011-12 में मंत्रालय के 21102.71 करोड़ रूपए के वार्षिक योजना परिव्यय (आई एंड ईबीआर: 21062.71 करोड़ रूपए तथा योजना बजटीय सहायता: 40.00 करोड़ रूपए) को बढ़ाकर बजट अनुमान 2012-2013 में 21802.00 करोड़ रूपए (आई एंड ईबीआर: 21756.00 करोड़ रूपए तथा योजना बजटीय सहायता: 46.00 करोड़ रूपए) कर दिया गया है। सेल के इस्पात संयंत्रों अर्थात भिलाई इस्पात संयंत्र (4717 करोड़ रूपए), राउरकेला इस्पात संयंत्र (3400 करोड़ रूपए), इस्को इस्पात संयंत्र (2615 करोड़ रूपए), दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (1215 करोड़ रूपए), बोकारो इस्पात संयंत्र (1980 करोड़ रूपए) सेलम इस्पात संयंत्र (75 करोड़ रूपए) के विस्तार के लिए और आरआईएनएल, विजाग इस्पात संयंत्र के क्षमता विस्तार के लिए 800 करोड़ रूपए के

परिव्यय सहित 2012-2013 के लिए पर्याप्त योजना परिव्यय रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2012-13 सहित हाल ही के वर्षों (2011-12) में बजट अनुमान/संशोधित अनुमान की तुलना में व्यय के समग्र रुख के संबंध में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा बकाया उपयोग प्रमाण पत्रों तथा उनके पास व्यय नहीं किए गए शेष की स्थिति भी इस अध्याय में दर्शाई गई है।

अध्याय-VI में इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के पिछले 3 वर्षों और वित्तीय वर्ष 2011-12 (31 दिसम्बर, 2011 तक) के वास्तविक तथा वित्तीय निष्पादन और 2012-2013 (बजट अनुमान) के लिए अनुमानों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाई गई है।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की प्रमुख योजनाओं/परियोजनाओं के लिए निधियों की व्यवस्था अधिकांशत: उनके आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से की जा रही है और संबंधित सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की आंतरिक तकनीकी समिति द्वारा इनका वास्तविक और वित्तीय तौर पर नियमित रूप से प्रबोधन किया जा रहा है। निदेशक मंडल द्वारा इन योजनाओं/परियोजनाओं की आवधिक रूप से समीक्षा के अलावा मंत्रालय द्वारा इनकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जाती है। प्रबोधन तथा मूल्यांकन तंत्र यह सुनिश्चित करने के लिए है कि योजनाओं/परियोजनाओं की वास्तविक उपलब्धियां निष्कर्ष बजट 2012-2013 में अनुमानित निष्कर्षों से मेल खाती हों।

अध्याय - I

प्रस्तावना

1. **कार्य**

इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:

(क) लोहा और इस्पात तथा फैरो-मिश्र के उत्पादन, वितरण, आयात और निर्यात से संबंधित नीतियां बनाना;

(ख) लोहा और इस्पात उत्पादन सुविधाओं की स्थापना के लिए आयोजना, विकास और सुविधा प्रदान करना।

(ग) सरकारी क्षेत्र में लौह अयस्क खानों तथा लोहा और इस्पात उद्योग के उपयोग में आने वाली अन्य लौह अयस्क खानों का विकास; और

(घ) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और उनकी सहायक कंपनियों के निष्पादन का निरीक्षण करना।

2. **कार्यक्रम**

2.1 इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्यक्रम निम्नलिखित हैं :-

(i) लोहा और इस्पात उद्योग

(क) उत्पादन, आयात और निर्यात;
(ख) शुल्क तथा मूल्य निर्धारण;
(ग) अनुसंधान तथा प्रशिक्षण;
(घ) निर्माण कार्य; और
(ड.) तकनीकी तथा परामर्शी सेवाएं

(ii) खान और खनिज:

(क) लौह अयस्क;
(ख) मैंगनीज अयस्क; और
(ग) क्रोमाइट अयस्क

2.2 इस्पात मंत्रालय - इस्पात उद्योग के विकास के लिए मददकर्ता

इस्पात मंत्रालय से भारत में इस्पात क्षेत्र के सुव्यवस्थित एवं एकीकृत उत्थान के लिए निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। इस्पात एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होने के कारण सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि के स्तर को प्राप्त करने के लिए इस्पात क्षेत्र का सतत् उत्थान पूर्वापेक्षित है। इस्पात उद्योग का अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के साथ अग्रगामी एवं पश्चगामी सम्बन्ध हैं अत: इसकी अपनी स्वयं की विकास पद्धति अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों विशेषकर अवसंरचना विकास, रियल एस्टेट्स, ऑटो मोबाइल/ऑटो कम्पोनेट्स इत्यादि से प्रभावित होती है। घरेलू इस्पात क्षेत्र जिस माहौल में काम करता है उसके लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा एक प्रोत्साहन की भूमिका विशेषतया एक सुविधादाता की भूमिका निभाने की अपेक्षा की जाती है ताकि कच्चे माल की उपलब्धता, अवसंरचना विकास जैसी अड़चनों को दूर किया जा सके तथा सरकार के अन्य संबंधित मंत्रालयों और विभागों से विचार-विमर्श कर उपयुक्त नीति बनाना तथा उनका क्रियान्वयन शामिल है।

3. संगठन

इस्पात मंत्रालय का नेतृत्व केन्द्रीय इस्पात मंत्री द्वारा किया जाता है। इनकी सहायता के लिए एक सचिव, भारत सरकार, एक विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार, एक मुख्य लेखा नियंत्रक, चार संयुक्त सचिव, एक आर्थिक सलाहकार, तीन निदेशक, चार उप सचिव तथा अन्य अधिकारी एवं सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं। लोहा और इस्पात उद्योग से संबंधित मामलों को तकनीकी दृष्टि से देखने के लिए अलग से एक तकनीकी स्कंध है जिसके प्रभारी औद्योगिक सलाहकार हैं, जो भारत सरकार के वरिष्ठ निदेशक स्तर के हैं।

क्षेत्र के नियंत्रणमुक्त बनने से पहले इस्पात मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय नामत: विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात का कार्यालय था, जो कोलकत्ता में स्थित था। व्यय सुधार आयोग की सिफारिशों के आधार पर विकास आयुक्त लोहा और इस्पात का कार्यालय तथा इसके चार क्षेत्रीय कार्यालयों को दिनांक 23.5.2003 से बंद करने का प्रशासनिक निर्णय लिया गया था। आंकड़े संग्रहण का कार्य जो संयुक्त संयंत्र समिति (जे पी सी) को सौंपा गया है, को छोड़कर विकास आयुक्त लोहा और इस्पात के शेष कार्य मंत्रालय द्वारा किए जा रहे हैं।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कोई सांविधिक अथवा स्वायत्त निकाय नहीं है।

4. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम

4.1 इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में सरकारी क्षेत्र के निम्नलिखित उपक्रम हैं:-

(1) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), नई दिल्ली
(2) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल), विशाखापट्टनम
(3) एन एम डी सी लिमिटेड, हैदराबाद
(4) मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल), नागपुर
(5) केआईओसीएल लिमिटेड, बंगलौर
(6) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एच एस सी एल), कोलकाता
(7) मेकान लिमिटेड, रांची
(8) एम एस टी सी लिमिटेड, कोलकाता
(9) फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल), भिलाई (एम एस टी सी लि. की सहायक कंपनी)

(1) **स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल)** (इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 में पंजीकृत कार्यालय) के समग्र नियंत्रणाधीन निम्नलिखित इकाइयां हैं:-

(1) बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो (झारखंड)
(2) भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई (छत्तीसगढ़)
(3) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
(4) राउरकेला इस्पात संयंत्र, राउरकेला (उड़ीसा)
(5) मिश्र इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
(6) सेलम इस्पात संयंत्र, सेलम (तमिलनाडु)
(7) इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर (पूर्व में सेल की एक सहायक कंपनी इस्को का 16.2.2006 को सेल में विलय हो गया और इसे इस्को स्टील प्लांट नाम दिया गया है)।
(8) विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र, भद्रावती (कर्नाटक)
(9) केन्द्रीय विपणन संगठन, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
(10) लोहा और इस्पात अनुसंधान तथा विकास केन्द्र, रांची (झारखंड)
(11) कच्चा माल प्रभाग, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
(12) इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र, रांची (झारखंड) और
(13) निगमित कार्यालय, नई दिल्ली
(14) सेल रिफ्रेक्टरी यूनिट (इस्पात मंत्रालय के अधीन पूर्व पी एस यू, पूर्व में भारत रिफ्रेक्टरी लिमिटेड का 01.04.2007 से सेल के साथ विलय कर दिया गया था।

(15) पूर्व महाराष्ट्र इलेक्ट्रोमैल्ट्स लिमिटेड (एम ई एल) का विलय होने के बाद चॉंदपुर महाराष्ट्र में स्थित चन्द्रपुर फैरो अलाय प्लांट अब 01.04.2010 से सेल का एक यूनिट बन गया है।

इसके अतिरिक्त, सेल ने मैसर्स बर्न स्टैंडर्ड कम्पनी लिमिटेड के सेलम रिफ्रेक्टरी यूनिट, जो भारी उद्योग विभाग के अधीन है, को मिलाने के लिए 24 अगस्त, 2011 को एक नई सहायक कम्पनी शामिल की है। एक महत्वपूर्ण कच्चे माल अर्थात डैड बर्न्ट मैग्नेटाइट (रिफ्रेक्टरी ब्रिक के उत्पादन में प्रयुक्त) का उत्पादन सेल रिफ्रेक्टरी कम्पनी लिमिटेड (एस आर सी एल) में किया जा रहा है।

सेल ने अपनी हॉट मैटल उत्पादन क्षमता को अपनी विस्तार एवं आधुनिकीकरण के वर्तमान चरण-1 के अंतर्गत 13.82 मिलियिन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 23.46 मिलियन टन तक बढ़ाने की योजना की है जिसके वित्तीय वर्ष 2012-13 में पूरा होने की आशा है।

(2) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल) (पंजीकृत कार्यालय "ए" ब्लॉक, विशाखापट्टणम 530031 में है) भारत में स्थापित प्रथम तटीय आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। इसे 3.0 मिलियन टन प्रति वर्ष द्रव इस्पात क्षमता के साथ अगस्त, 1992 में चालू किया गया था। इसे स्टेट आफ आर्ट टैक्नोलोजी के अंतर्राष्ट्रीय स्तर से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है। इसमें विस्तृत विद्युत बचत तथा प्रदूषण नियंत्रण उपाय शामिल हैं। कंपनी ने वर्ष 2019-20 तक चरणों में 20 मिलियन टन तक पहुँचने के लक्ष्य से अपनी निगमित योजना तैयार की है और इस समय 3.0 मिलियन टन से 6.3 मिलियन टन द्रव इस्पात उत्पादन करने के विस्तार संबंधी प्रथम चरण को पूरा कर रही है। इस परियोजना की समग्र लागत आंतरिक संसाधनों से पूरी की जाएगी तथा सरकार से बजटीय सहायता प्राप्त नहीं होगी।

वर्ष 2006-07 में कंपनी मिनी रतन कंपनी बनी तथा वर्ष 2010-11 में "**नवरत्न**" कंपनी बनी।

सरकार के अनुमोदन के अनुसार, पूर्व बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज के अधीन तीन प्रचालनरत कम्पनियां ईस्टर्न इनवेस्टमेंटस लिमिटेड (ई आई एल), विसरा स्टोन लाईम कम्पनी लिमिटेड (बीएसएलसी) और उड़ीसा मिनिरल डेवलेपमेंट कम्पनी (ओएमडीसी) अब आर आई एन एल की सहायक कम्पनियां बन गई है।

(3) एन एम डी सी लिमिटेड (पंजीकृत कार्यालय : खनिज भवन, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद-500028) इस्पात मंत्रालय के अधीन "नवरत्न" दर्जा प्राप्त करने वाली दूसरी कंपनी बन गई है। यह कंपनी देश में लौह अयस्क और हीरे का एकमात्र सबसे बड़ा उत्पादक है और डोलोमाइट, चूना पत्थर, मैंगनीज आदि जैसे विभिन्न खनिजों

के अन्वेषण, विकास और उपयोग कार्य में लगी है। एन एम डी सी की प्रमुख मेकेनाइज्ड लौह अयस्क खानें बैलाडिला लौह अयस्क खानों पर प्रचालित की जा रही है। एन एम डी सी अब 'स्पंज आयरन' के विनिर्माण के क्षेत्र में प्रवेश कर रही है। कंपनी कार्बन मुक्त स्पंज आयरन पाऊडर, आर टी वी फेरिट पाऊडर, पिगमेंट ग्रेड फैरिक आक्साइड टिटानिया स्लैग, पिग आयरन तथा हार्ड प्योरिटी फैरिक आक्साइट जैसे ब्लू डस्ट से उच्च तकनीक तथा उच्च मूल्यवर्धक उत्पादों के उत्पादन के लिए गहन आर एंड डी के जरिए नए उत्पादों का विकास कर रही है। ग्रीनफील्ड विस्तार/विविधीकरण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, एन एम डी सी नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता का एक एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित कर रहा है। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 15525 करोड़ रूपये है। निर्माण कार्य आरम्भ कर दिया गया है। कम्पनी (क) छत्तीसगढ़ में 2 एमपीटीए क्षमता के पेलेट प्लांट, (ख) कर्नाटक में दोणिमलै में 1.2 एमपीटीए क्षमता के पेलेट प्लांट (ग) दोणिमलै में 0.36 एमपीटीए क्षमता के बीएचजे अयस्क बेनोफिसिएशन प्लांट की स्थापना करके ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड, दोनों परियोजनाओं में एकीकरण के जरिये अपने व्यवसाय को बढ़ाने की प्रक्रिया में है। एनएमडीसी ने कोयला, रॉक फास्फेट, लाइम स्टोन, स्वर्ण और हीरे के क्षेत्र में हॉरीजांटल एकीकरण के माध्यम से अपने व्यवसाय को बढ़ाने की योजना बनाई है। एनएमडीसी ने लीगेसी आयरन और लिमिटेड के साथ कम्पनी की 50% इक्विटी का अधिग्रहण करने के लिए मई, 2011 के दौरान एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद, शेयर अंशदान करार पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं और एनएमडीसी द्वारा लीगेसी के शेयरों के अधिग्रहण का कार्य जनवरी-फरवरी, 2012 के दौरान पूरा हो गया है।

(4) मॉयल लिमिटेड (पूर्व में मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड) 1962 मे बनाई गई थी (पंजीकृत कार्यालय, मॉयल भवन, 1 ए काटोल रोड, नागपुर-440013)। यह उच्च ग्रेड के मैंगनीज अयस्क का उत्पादक करने वाली सबसे बडी कंपनी है। इस्पात निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री जिसका प्रयोग फैरो-मिश्र के उत्पादन हेतु मौलिक कच्ची सामग्री के लिए तथा शुष्क बैटरियों के उत्पादन हेतु डाईऑक्साइड अयस्क किया जाता है। मॉयल ने 90 के दशक के दौरान कारोबार की मात्रा और लाभप्रदता में सुधार करने के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में अपने कार्यकलापों का विस्तार किया है। विविधीकरण के एक भाग के रूप में कंपनी ने वर्ष 1991 में इलेक्ट्रोलाइटिक मैंगनीज डाइऑक्साइड के विनिर्माण के लिए कए परियोजना स्थापित की थी और वर्ष 1998 के दौरान मध्य प्रदेश के बालघाट में 5 एमवीए क्षमता का एक फैरो मैंगनीज संयंत्र स्थापित किया था। इसके अलावा, कंपनी के पास मध्य प्रदेश में नागदा हिल्स में 20 मेगावाट क्षमता की विंड पावर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन यूनिट भी है।

कंपनी के प्रचालन में विस्तार को मद्देनजर रखते हुए मॉयल ने भिलाई के समीप नन्दिनी में और विशाखापट्टनम के समीप बोबिली में फैरो मिश्र उत्पादन इकाईयाँ स्थापित

करने के लिए सेल और आरआईएनएल के साथ प्रमुखत: इन कंपनियों की फैरो मिश्र आवश्यकता को पूरा करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित किए हैं। ये परियोजनाएं प्रारम्भिक चरणों में हैं तथा इनका कार्यान्वयन जे वी द्वारा किया जाएगा और इन दो परियोजनाओं पर 608.00 करोड़ रूपए की लागत अनुमानित है।

(5) केआईओसीएल लिमिटेड (पहले कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड) (पंजीकृत कार्यालय, 11 ब्लॉक, कोरमंगला, बंगलौर-560034 में है)। कुद्रेमुख में खनन कार्यों के साथ 100% निर्यातोन्मुख यूनिट (ईओयू) के रूप में पूर्ण रूप से सरकारी कम्पनी के रूप में 1976 में स्थापित की गई थी। 1980 में, 7.50 एमटीपीए लौह अयस्क की क्षमता के साथ कुद्रेमुख में एक बेनाफिसिएशन प्लांट स्थापित किया गया था। 1987 मे, 3 एमटीपीए क्षमता के साथ मंगलोर में एक पेलेट प्लॉट स्थापित किया गया था और बाद में इसकी क्षमता बढ़ाकर 3.5 एमटीपीए कर दी गई थी। 2001 में, एक संयुक्त उद्यम नामत: के आई एस सी ओ के अधीन मंगलोर में पिग ऑयरन प्लॉट स्थापित किया गया था जिसका अब 01.04.2007 से के आई ओ सी एल के साथ विलय हो गया है। आर्थिक दृष्टि से अव्यवहार्य स्थितियों के कारण ब्लास्ट फर्नेस का परिचालन 05.08.2009 से रोक दिया गया है।

माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 01.01.2006 के निर्णय के अनुसार के आई ओ सी एल लिमिटेड का खनन कार्य रोक दिया गया था। के आई ओ सी एल लिमिटेड कई वर्षो से लाभ अर्जित करने वाली और लाभांश अदा करने वाली कम्पनी है। तत्पश्चात् इसे मिनि-रत्न श्रेणी-1 का दर्जा दिया गया और कई वर्षो से समझौता ज्ञापन प्रणाली के अधीन इसे उत्कृष्ट की रेटिंग दी जा रही है। के आई ओ सी एल पर कोई ऋण भी नहीं है।

(6) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) पंजीकृत कार्यालय 5/1, कोमिसेरियट रोड, हास्टिंग्स कोलकत्ता-700022 है)। बोकारो, विजाग और सेलम जैसे इस्पात संयंत्रों की स्थापना और भिलाई, दुर्गापुर, बर्नपुर (इस्को) आदि इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण से सम्बद्ध बडे.-बडे. निर्माण कार्य किए हैं। अब कंपनी ने उच्च श्रेणी की योजना समन्वय और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ अवसंरचना क्षेत्रों में भी अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। इस्पात संयंत्रों में निर्माण संबंधी कार्यकलापों में कमी के चलते कंपनी ने अपने कार्यकलापों का विद्युत, कोयला, तेल एवं गैस जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तार किया है। इसके अलावा, कंपनी ने सड़क/राजमार्गों, पुलों, बांधों, भूमिगत संचार और परिवहन प्रणाली और उच्च स्तर की आयोजना वाले औद्योगिक तथा बस्ती परिसरों, समन्वय और आधुनिक तकनीकों आदि जैसे अवसंरचना क्षेत्रों में अपने कार्यकलापों को फैलाया है। जिसमें आयोजना, समन्वय और जटिल तकनीकों की आवश्यकता होती है। एचएससीएल एक आईएसओ: 9001-2008 कंपनी है तथा इसकी क्षमताएं निर्माण कार्यकलापों के लगभग सभी क्षेत्रों में हैं।

कंपनी, भारत सरकार के ऋणों पर बढ़ती ब्याज देयताओं तथा वी आर एस खर्चों के कारण 1999 में सरकार द्वारा अनुमोदित पुनर्जीवन/पुनर्संरचना पैकेज के अन्तर्गत परिकल्पित परिणामों को प्राप्त करने में असमर्थ रही है। कंपनी के समक्ष आने वाली स्टीप प्रतिस्पर्धा, जिसके परिणामत: मार्जिन में कमी आई, ने भी वित्तीय निष्पादन को प्रभावित किया है। तथापि, गत पाँच वर्षों के दौरान प्रचालन लाभों की धनात्मक प्रवृति को ध्यान में रखते हुए एक नया वित्तीय पुनर्संरचना प्रस्ताव विचाराधीन है।

(7) मेकॉन लिमिटेड : देश में पहला परामर्शी और इंजीनियरी संगठन है जिसे आई एस ओ : 9001-2000 मान्यता प्राप्त है तथा जो वर्ल्ड बैंक एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूरोपियन बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट तथा यूनाइटेड नेशन्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन में पंजीकृत है। यह कंपनी लोहा एवं इस्पात, रसायन, रिफाइनरीज तथा पैट्रो रसायनों, विद्युत, सड़क एवं राजमार्गों, रेलवे, जल प्रबंधन, पत्तन एवं बंदरगाह, गैस एवं तेल, पाइपलाइनों, अलौह खनन, सामान्य इंजीनियरिंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग तथा संबद्ध/विविधीकृत क्षेत्रों में व्यापक विदेशी अनुभव सहित अग्रणी बहुविधिक डिजाइन, इंजीनियरिंग, परामर्शी और कांट्रैक्टिंग संगठन है।

मेकॉन लिमिटेड ने 1997-98 तक लगातार लाभ दर्शाया है। इस्पात क्षेत्र में मंदी की प्रवृत्ति, अधिक मानवशक्ति तथा परामर्शी कार्य के मूल्य में कमी के कारण 1998-99 से 2003-04 तक कंपनी को हानि उठानी पड़ी। वर्ष 2005 से कंपनी ने इस स्थिति को पलट दिया और इसने 2009-10 में 82.62 करोड़ रूपये से वर्ष 2010-11 में 93.68 करोड़ रूपए का कर पश्चात लाभ अर्जित किया।

(8) एम एस टी सी लिमिटेड (पंजीकृत कार्यालय, 225 सी, जगदीश बोस रोड, कोलकाता-700020 में है।)। यह इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन एक मिनी रत्न श्रेणी-1 पी एस यू है। यह भारत सरकार का एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान है। पहले यह लघु इस्पात संयंत्रों को वितरण के लिए कार्बन इस्पात गलन स्क्रैप का आयात करने वाली माध्यम एजेंसी के रूप में नामित थी । इसका मुख्यालय कोलकात्ता में स्थित है। इस कंपनी का माध्यम एजेंसी का स्वरूप फरवरी, 1992 से समाप्त हो गया। अब यह अन्य निजी व्यावसायिक कंपनियों की तरह पूर्णत: स्वतंत्र एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में काम कर रही है। कंपनी ट्रेडिंग कार्यकलाप, ई-कॉमर्स, लौह तथा अलौह स्क्रैप का निपटान,सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और रक्षा मंत्रालय सहित सरकारी विभागों में उत्पन्न होने वाले अधिशेष भंडारों तथा अन्य गौण सामग्रियों का कार्य देखती है। एम एस टी सी फैरो स्क्रेप निगम लि. (एफ एस एन एल) की धारक कंपनी है जिसके 100% प्रदत्त साम्या हिस्सा एम एस टी सी द्वारा धारित है।

(9) फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफ एस एन एल) इसका पंजीकृत कार्यालय एफ एस एन एल भवन, इक्यूपमेंट चौक, सेन्ट्रल एवेन्यू, पोस्ट बॉक्स-37, भिलाई, छत्तीसगढ़-490001

में है। फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, 28.3.1979 को निगमित एक संयुक्त क्षेत्र की कंपनी है। वर्तमान में यह इस्पात मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का **"मिनी रत्न-॥ पी एस यू"** है। यह एम एस टी सी लिमिटेड की एक सम्पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य सेल, आरआईएनएल और एनआईएनएल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में स्लैग से स्क्रैप प्राप्त करना और आईआईएल तथा जेएसपीएल जैसे निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों में प्रचालन करना भी है। कंपनी अग्रणी संगठनों में से एक है जो देश के धातुकर्मीय उद्योगों को विशेषज्ञतायुक्त सेवाएं उपलब्ध करवाती है। यह कंपनी पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, आन्ध्र प्रदेश एवं महाराष्ट्र में स्थित अपनी 10 इकाइयों के जरिए मिल सर्विस सोल्यूशन वितरित करने के लिए डिजाइन, निर्माण एवं संचालन करती है तथा सुविधाओं एवं अवसंरचना को बनाए रखती है।

5. रिजल्ट फ्रेमवर्क डाक्यूमेंट (आरएफडी) 2012-13

सरकार रिजल्ट फ्रेमवर्क डाक्यूमेंट (आरएफडी) के आधार पर एक व्यापक कार्य निष्पादन प्रबंधन प्रणाली का क्रियान्वयन कर रही है। आरएफडी में न केवल विभागों के सम्मत उद्देश्य, नीतियां, कार्यक्रम और परियोजनाएं शामिल की गई हैं बल्कि सफलता के सूचक और क्रियान्वयन में प्रगति का मूल्यांकन करने के लक्ष्य भी शामिल किए गए हैं।

अध्याय-II

वर्ष 2012-2013 के लिए प्रमुख स्कीमों का निष्कर्ष बजट

कार्यक्रमों के अवधारणात्मक, रूपांकन और कार्यान्वयन को निष्कर्षोन्मुखी बनाकर विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 2005-06 में निष्कर्ष बजट की अवधारणा शुरू की गई थी। यह इस अवधारणा पर आधारित है कि परिव्यय अनिवार्य रूप से निष्कर्ष नहीं होता। निष्कर्ष बजट का अभिप्राय न केवल मध्यवर्ती वास्तविक उत्पादन जिसे अधिक तात्कालिक ढंग से मापा जा सकता है, का ट्रैक करना है, बल्कि सरकार के हस्तक्षेप के अन्तिम उद्देश्य का निष्कर्ष है। इसके लिए सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम बनाने, मूल्यांकन क्षमताओं के साथ-साथ प्रभावी बेंच-सुपुर्दगी प्रणालियों की आवश्यकता होती है। सम्पूर्ण कार्रवाई को मानिटर करने, योग्य बनाकर सुपुर्दगी की यूनिट लागत की बेंच-मार्किंग सहित निष्कर्ष विकास को मापने योग्य परिभाषित करना है। धन जिसे वांछित निष्कर्ष सहित प्रस्तावित प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, के समय पर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली की आवश्यकता है तथा उपयुक्त रिर्पोटिंग के जरिए उचित लेखांकन, लेखा परीक्षा एवं मूल्यांकन तंत्र की आवश्यकता है। इसलिए निष्कर्ष बजट सभी प्रमुख कार्यक्रमों के विकास निष्कर्ष को मापने के लिए तंत्र तैयार करने का एक प्रयास है।

11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित घरेलू लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शामिल किया गया है। इस स्कीम के तहत दिसंबर, 2011 तक कुल 8 (आठ) आर एण्ड डी परियोजना प्रस्तावों को क्रियान्वित करने के लिए मंजूरी दी गई है। इस स्कीम के अधीन कुल 40.69 करोड़ रूपये की धनराशि रिलीज की गई है।

वार्षिक योजना (2012-13), जो 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) का पहला वर्ष है, में लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधानकार्य करने के लिए प्रत्येक 1.00 करोड़ रूपये के बजटीय प्रावधान के साथ दो स्कीमें अर्थात निम्न ग्रेड के लौह अयस्क तथा अयस्क फाइंस के बेनेफिसिएशंन और एकत्रण को बढ़ावा देने की स्कीम, और सेकेंडरी स्टीम सेक्टर की ऊर्जा दक्षता में सुधार करने की स्कीम, शामिल की गई हैं।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की स्कीमें उनकी वार्षिक योजना अथवा दीर्घकालीन योजनाओं की

घटक होती हैं। चूंकि प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई स्कीमें हैं, जो कि अधिकांशत: कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और कंपनी के प्रचालनों से जुड़े एमओयू से संबंधित हैं इसलिए निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी स्कीमों को शामिल करना मुश्किल होगा। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक लागत की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख परियोजनाओं को ही शामिल किया जाए जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

परिव्यय और निष्कर्ष /लक्ष्य (2012-13) का विवरण

(50.00 करोड़ रूपए से अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत की योजनाएं)

(करोड़ रूपये

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5 (i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
क	50.00 करोड़ रूपए से अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत की योजनाएं										
1.	स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल)										
(क)	भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)										
(i)	ऑक्सीजन संयंत्र-॥ में 700 टीपीडी एयर सेपरेशन यूनिट (एएसयू)	ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की मांग में हुई बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन संयंत्र-॥ में नया एएसयू स्थापित किया जा रहा है।	258.18	--	--	30.00	700 टन ऑक्सीजन प्रतिदिन	--	जुलाई 2009		मै0 क्राइयोजेन के साथ ठेका समाप्त, निविदा पुनः दी गई। मै0 एयर लिक्विड के साथ नया ठेका हस्ताक्षरित
(ii)	बीएसपी का विस्तार	आधुनिक प्रौद्योगिकियों के जरिए तप्त धातु एवं क्रूड इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करना। भारतीय रेलवे की आवश्यकता को पूरा करने के लिए निम्न उत्पादन तथा ऊर्जा गहन इकाईयों को समाप्त करना, परिसज्जित इस्पात उत्पादन तथा विस्तार को बढ़ाकर सेमिज को घटाना, उच्चतर लोचता एवं लाभप्रदत्तता के लिए उत्पाद मिश्र में मूल्यवर्धन करना।	18847.00	--	--	4465.00	तप्त धातु की क्षमता 4.82 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	--	मार्च, 2013	जून, 2013	एसएमएस-III (जून 2013) को छोड़कर मार्च, 2013 तक पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। एसएमएस-III पैकेज प्रभावित हुआ क्योंकि सिविल कार्य हेतु प्रारम्भिक संविदा पार्टी द्वारा धीमी प्रगति के कारण समाप्त करना पड़ा और पार्टी का जोखिम एवं लागत के आधार पर पुनः निविदा जारी की गई। इससे एसएमएस-III के अधीन सभी सहायक पैकेजों यथा बीओएफ, सीसीपी, अवसंरचना पैकेज आदि की प्रगति पर नकारात्मक पड़ा।
(ख)	दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी)										
(i)	डीएसपी का विस्तार	ऊर्जा गहन इकाईयों को समाप्त करना, ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी लगाना, सेमिज में कमी और तप्त धातु क्षमता में वृद्धि करना	3164.00	--	--	1100.00	तप्त धातु की क्षमता 2.09 एमटीपीए से बढ़ाकर 2.45 एमटीपीए करना	--	दिसम्बर, 2012	दिसम्बर, 2012	निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार है।

(करोड़ रूपये

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(ग)	राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी)										
(i)	ब्लास्ट फर्नेस (बीएफ) -4 में कोल डस्ट इंजेकशन सिस्टम	कोक दर में कमी तथा फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता	70.71	--	--	5.00	1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पुल्वेराईज्ड कोल में प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।	--	अक्तूबर, 2008		मै0 सिनो स्टील, चीन द्वारा डिजायन और इंजीनियरी में प्रारंभिक विलम्ब। मै0 सिनो स्टील द्वारा सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य तथा उपस्करों की सप्लाई में विलम्ब। वीजा नीति में परिवर्तन के कारण चीन के विशेषज्ञों के आगमन में विलंब हुआ। सिनो स्टील और सब एजेंसियों के मध्य वाणिज्यिक विवाद
(ii)	आरएसपी का विस्तार	आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु और क्रूड स्टील के उत्पादन में वृद्धि करना, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना, अधिक मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन करना और ऊर्जा खपत तथा पर्यावरण में सुधार करना तथा उत्पादन की लागत में कमी लाना।	12922.00	--	--	3200.00	तप्त धातु की क्षमता 2.12 एमटीपीए से बढ़ाकर 4.5 एमटीपीए करना	--	मार्च 2013	मार्च 2013	--
(घ)	बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल)										
(i)	नए टर्बो ब्लोवर न. 8 की स्थापना	बीएफ-2 की कोल्ड ब्लास्ट (सीबी) की बढ़ी हुई जरूरत को पूरा करना।	125.92	--	--	12.00	सी बी में 4000 एनएम3/मिनट का ब्लोवर डिस्चार्ज वोल्यूम और ब्लोवर एंड में 3.9 किग्रा/सीएम3 का डिस्चार्ज प्रैशर।	--	अगस्त, 2009	जनवरी, 2012	(दिसम्बर 2011 में टर्बाईन प्रचालित की गई और ब्लोअर के साथ टर्बाईन का परीक्षण दिसम्बर 2011 में किया गया)
(ii)	सीओबी-1 व 2 का पुनर्निर्माण।	कोक के उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	500.90	--	--	55.00	उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	--	अप्रैल 2010	जनवरी, 2012	सीओबी-1 पूरी है!

(करोड़ रूपये

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
(iii)	बीएसएल का विस्तार	अतिरिक्त कोल्ड रोलिंग की क्षमता के साथ मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए हॉट रोल्ड क्वायल्स की उच्च मात्रा का रूपांतरण करना और ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी की स्थापना के जरिए धातु उत्पादन करना।	6951.00	--	--	1540.00	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स और तप्त धातु का उत्पादन 4.7 एमटीपीए से 5.77 बढ़ाना।	--	दिसम्बर, 2011	मार्च, 2012	पिकलिंग लाईन एवं नई कोल्ड रोलिंग मिल काम्प्लेक्स की टेन्डम मिल के लिए दिसम्बर, 2011 में मैनुअल स्ट्रीम थ्रेडिंग का कार्य पूरा हो गया है। अवसंरचना ठेकेदार मै0 एरा इन्फ्रा द्वारा विलंब हुआ। मै0 एसवीएआई एवं मै0 एमबीई के बीच समन्वय की समस्या के कारण पीएलटीसीएम के काम्र में अतिरिक्त विलम्ब हुआ।
(ड)	इस्को स्टील प्लांट										
(i)	आईएसपी का विस्तार	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात का उत्पादन करने के लिए नई सुविधाएं स्थापित करना।	17960.59	--	--	2550.00	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात	--	दिसम्बर, 2010	मार्च, 2013	कठिन एवं अप्रत्याशित मृदा परिस्थितियों, सिविल एवं अवसंरचनात्मक कार्य में वृद्धि, बिल्डिंग अवसंरचनात्मक कार्य का धीमा क्रियान्वयन और झोराबुरी क्षेत्र में स्थानीय लोगों द्वारा कार्य में व्यवधान के कारण विलंब हुआ।
(च)	रॉ मैटेरियल डिविजन (आरएमडी)										
(i)	बोलानी आयरन ओर माइन की लोडिंग क्षमता में वृद्धि करना	लोडिंग क्षमता बढ़ाने के लिए और रेलवे लाइन में संशोधन करने के लिए, तथा फुल रैक लोडिंग के लिए ओवरहैड इलेक्ट्रिकल वर्क तथा सिग्नलिंग तथा दूरसंचार।	124.88	--	--	22.00	--	--	दिसम्बर, 2009	मार्च 2012	मै0 टैक्कप्रो लिमिटेड द्वारा कार्य की धीमी प्रगति, रेलवे द्वारा संशोधित आरेखन में विलम्ब और स्थानीय व्यक्तियों द्वारा भूमि के अतिक्रमण से स्थल की प्रगति प्रभावित हुई। लाईम-6 को मार्च, 2012 में पूरा करने की योजना है।
(ii)	मेघाहाताबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	125.78	--	--	30.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.0 एमटीपीए करना	--	जून, 2012	मार्च, 2013	मै0 टेक्कप्रो लिमिटेड द्वारा ड्राईंग प्रस्तुत करने में विलंब तथा लोडिंग सिस्टम के उन्नयन के क्रियान्वयन में विलंब को पूरा करने का निर्धारित कार्यक्रम प्रभावित हुआ है।
(iii)	किरीबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	106.54	--	--	40.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.25 एमटीपीए से 5.50 एमटीपीए करना	--	सितम्बर 2012	सितम्बर 2012	निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार है।
(iv)	बोलानी लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	275.28	--	--	60.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.50 एमटीपीए करना	--	नवम्बर, 2013	नवम्बर, 2013	निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार है।

(करोड़ रूपये

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
2.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)										
(i)	कोक ओवन बैटरी (सीओबी) सं. 4, चरण-।	कोक की जरूरतों एवं शेष गैस को पूरा करने के लिए अन्य तीन कोक ओवन बैटरियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत के दौरान भी तप्त धातु व द्रव इस्पात के उत्पादन को इस स्तर पर बनाए रखने हेतु एक प्रतिस्थापन बैटरी की आवश्यकता होगी ।	380.46	--	--	12.00	0.75 एमटी कोक का उत्पादन करना	-स्वतंत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 का परिचालन करना-	--	बैटरी-4 की कमीशनिंग हो रही है और प्रचालनाधीन है।	बैटरी-4 चालू कर दी गई तथा नियमित रूप से प्रचालन हो रहा है।भुगतान मुख्य रूप से निष्पादन गारंटी, अंतिम स्वीकृति और दावों के निपटान से संबंधित हैं।
(ii)	कोक ओवन बैटरी (सीओबी) सं0 4-चरण-II	स्वंतत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 का प्रचालन करना। गैस का पूरा उपयोग तथा अतिरिक्त उपोत्पाद सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उपोत्पाद के बेहतर औचित्यकरण में वृद्धि और कोयल संभाल में शेष सुविधाएं।	355.30	--	--	60.00	स्वंतत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 का प्रचालन करना। उपोत्पाद की रिकवरी में वद्धि	उपोत्पाद की रिकवरी में वद्धि	--	अक्तूबर, 2012-संविदात्मक समयावधि	संविदात्मक समयावधि के संदर्भ में अतिरिक्त समय की संभावना नहीं है। तथापि, बोलीदाताओं की कमजोर प्रतिक्रिया के चलते परामर्शदाता को अंतिम रूप देने में विलंब के कारण मूल समयावधि के संदर्भ में विलंब रहा।
(iii)	द्रव इस्पात का 6.3 एमटीपीए तक विस्तार।	संयंत्र की क्षमता में वृद्धि।	8692.00	--	--	800.00	द्रव इस्पात के उत्पादन को बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए क्षमता करना ।	द्रव इस्पात के उत्पादन को बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए क्षमता करना ।--	--	चरण-I 2011-12 चरण -II 2012-13	अनुमोदित लागत 12291 करोड़ रूपये है। वृद्धि के कारण बढ़ी हुई लागत में आर्डर किए गए मूल्य के संदर्भ में कमी होने की संभावना है क्योंकि मजदूरी, सीमेंट, इस्पात आदि में वृद्धि को छोड़कर अधिकांश संविदाएं स्थायी मूल्य के आधार पर किए गए हैं। तथापि, परियोजना के पूरा होने पर वास्तविक वृद्धि का पता चलेगा। अनुषंगी पैकेजों के अंतर्वर्ती विलंब का निवल प्रभाव शून्य होने वाला है तथा ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मैल्टिंग शॉप, मिल्स आदि जैसे प्रमुख पैकेजों की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न आदानों को समय पर उपलब्ध करा दिया गया है अथवा करा दिया जाएगा।

(करोड़ रूपये

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(iv)	एयर सैपरेशन प्लांट (ए एस यू - 4)	कंबाइंड ब्लोइंग प्रोसेस हेतु ऑॅर्गन की कमी होने पर अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना । उत्पादित ऑॅक्सीजन बीएफ में प्रयुक्त की जाती है ।	170.00	--	--	35.00	165 करोड़ रूपये प्रति संयंत्र की आंकलित लागत पर 600 टन क्षमता के दो संयंत्र।	एस एम एस मे द्रव इस्पात के उत्पादन और बी एफ में तप्त धातु के उत्पादन में इससे मदद मिलेगी	--	एएसयू-4 की कमीशनिंग कर दी गई है।	एएसयू-4: इकाई की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है तथा यह अक्टूबर, 2010 में प्रचालित हो चुकी है और प्रचालन के अधीन है ।
(v)	पुल्वेराईज्ड कोल इंजेक्शन सिस्टम	कम महंगे पुल्वेराईज्ड कोल की तुलना में महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम।	133.00	--	--	32.50	तप्त धातु का वर्धित उत्पादन। तप्त धातु की उत्पादन की लागत में कमी करना।	--	--	मई, 2012	मै0 सीईआरआई नामक चीनी प्रतिष्ठान द्वारा पैकेज में विलंब किया गया है। चीन से उपस्कर साईट पर प्राप्त हो गए हैं और उत्थापन कार्य प्रगति पर है एवं मामले पर कार्रवाई चल रही है।
(vi)	लौह अयस्क खान तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	600.00	--	--	30.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोककर कोयला/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और खानों के अधिग्रहण के लिए परिव्यय शामिल हैं।	--	--		लौह अयस्क खानों के आबंटन के लिए राज्य सरकारों के साथ कार्रवाई की जा रही है तथा विदेशों में लौह अयस्क खानें अधिग्रहित करने की सभांवनाओं का पता लगाया जा रहा है। आरआईएनएल को दो कोककर कोयला खानें आबंटित की गई हैं जो व्यवहार्य नही है । आस्ट्रेलिया में कोल परिसंपत्तियों के लिए कार्रवाई चल रही है। हाजीगक लौह अयस्क खानों के लिए वरीय बोलीदाता (सेल के नेतृत्व वाले भारतीय परिसंघ के भाग के रूप में) का चयन हो गया है। इस पर कार्रवाई चल रही है।

(करोड़ रूपये)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(vii)	लौह अयस्क भ्ंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	--	--	100.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	--	--	मई, 2012	निरस्तीकरण तथा प्रमुख पैकेजों हेतु पुन: निविदा जारी करने के कारण परियोजना का कार्यक्रम पुन: निर्धारित किया गया । संयंत्र के परिचालन पर लौह अयस्क भंडारण परियोजना में वृद्धि, यद्यपि इसमें विलम्ब हुआ, से कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योकि केवल स्टाक को बढ़ाने के लिए इसकी आवश्यकता है
(viii)	अनुषंगी सुविधाओं सहित 330 टीपीएच (छठा) बॉयलर	विस्तार इकाईयों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रोसेस स्टीम जोड़ना।	350.00	--	--	60.00	विस्तार इकाईयों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रोसेस स्टीम बढेंगे और विद्युत के उत्पादन में मदद मिलेगी ।	विस्तार की पूरक स्टीम आवश्यकता को पूरा करना और विद्युत उत्पादन में सहायता करना ।	--	अप्रैल 2012	मंत्रालय सहित उच्चतम स्तर पर निगरानी के बावजूद भेल द्वारा स्थल पर मुख्यतया आपूर्ति तथा कमजोर उत्थापन गतिविधियों के कारण विलंब हुआ। तथापि, हाल ही में कार्य की गति में सुधार हुआ है लेकिन परियोजना अभी भी निर्धारित समय सीमा से पीछे चल रही है।
(ix)	67.5 मेगावाट का टीजी-5 पावर इवेक्यूएशन सिस्टम	अतिरिक्त विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करना।	344.00	--	--	63.00	विस्तार इकाइयों की विद्युत आवश्यकता का आंशिक रूप से उत्पादन करना।	निरन्तर विद्युत आवश्यकता को पूरा करना ।	--	अगस्त, 2012	--
(x)	एपी ट्रांसको के 220 केवी सिस्टम को सुदृढ़ करना।	400 एमवीए की विद्युत की ट्रांसमिशन के लिए एपी पॉवर ग्रिड को सुदृढ़ करना।	86.00	--	--	10.00	विस्तार होने पर आरआईएनएल के लिए 400 केवीए की संविदागत मांग प्राप्त करने में सक्षम होगा।	--	--	सितम्बर, 2012	--
(xi)	400 एमवीए पावर प्राप्त करने के लिए 220 केवीए के पॉवर सिस्टम का संवर्धन।	विस्तार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने में सक्षम बनने हेतु सब-स्टेशनों जैसे वीएसपी के इंटरनेल सिस्टमों को सुदृढ़	58.10	--	--	20.00	वीएसपी में 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने हेतु संवर्धन।	--	--	सितम्बर, 2012	कुछ स्पटीकरणों के कारण एपट्रांस्कों को भुगतान में विलम्ब हुआ ।

		करना।									

(करोड़ रूपये

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xii)	बीएफ-I कैटेगरी-I मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3850 घन मीटर करना।	1760.00	--	--	100.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाकर 0.5 मिलियन टन से 2 मिलियन टन तथा 2.5 मिलियन टन करना।	--	--	Mar ड13	बेसिक इंजीनियरिंग पूरी हो गई है। विस्तृत इंजीनियरिंग में प्रगति चल रही है। उपस्करों (देशी/आयातित) की अधिप्राप्ति शुरू हो गई है।
(xiii)	सिंटर प्लांट उपत्पादकता में वृद्धि करना।	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	--	--	60.00	सिंटर का उत्पादन 5.5 एमटी से बढ़ाकर 6.8 एमटी करना।	--	--	बीएफ-1 की वृहद मरम्मत के अनुरूप	मुख्य पैकेज के लिए ईओआई जारी कर दी गई है और बोलीदाताओं के साथ शर्तों पर विचार विमर्श पूरा हो गया है। निविदा जारी करने के लिए प्रारूप विशिष्टियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
(xiv)	एसएमएस कंवर्टर की मरम्त	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। इससे यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	180.00	--	--	27.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए टैक्नोलॉजिकल आवश्यकता।	--	--	बीएफ-1 की वृहद मरम्मत के अनुरूप	शीघ्र ही निविदा कीमत खोली जाएगी।
(xv)	सिंटर मशीन 1 और 2 के सिंटर स्ट्रेटलाइन कूलर संबंधी 20.6 मेगावाट की वेस्ट हीट रिकवरी परियोजना	ग्रीन प्लान ऐड के तहत न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नालॉजी आर्गेनाईजेशन (एनईडीओ) के प्रौयोगिकिय सहयोग के तहत सिंटर मशीन 1 और 2 के वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम आन स्ट्रेट लाइन कूलर के जरिए 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	150.00	--	--	40.00	सिंटर मशीनों की वेस्ट हीट से और कोई फोसिल ईंधन जलाए बगैर 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	--	--	मार्च 2012/ जून 2012	मामले पर अनुवर्ती कार्रवाई जारी है। जापान में सुनामी के कारण कुछ प्रभाव पड़ा है जिसका मार्च, 2012 में कमीशनिंग शुरू होनी है लेकिन जून, 2012 तक नियमित प्रचालन होगा।
(xvi)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	974.76	--	--	50.00	इस्पात का उत्पादन बढ़ाकर 0.97 एमटी करना।	--	--	संविदा हस्ताक्षरित होने की तारीख से 30 माह ।	कनवर्टर 3 और कास्टर की परामर्शदात्री सेवा के लिए मै0 मेकान को आर्डर दे दिए गए हैं। तीसरा कनवर्टर: बोली कीमत खोली जानी है। चौथा कास्टर: 9 फरवरी, 2012 को अंतिम तिथि के रूप में एनआईटी जारी कर दी गई है।

(करोड़ रूपये

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xvii)	विद्युत संयंत्र-II	हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के एकमात्र इरादे के साथ स्वीकार की गई है जबकि आरआईएनएल की विद्युत की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति करना जिसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना।	677.00	--	--	50.00	हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के एकमात्र इरादे के साथ स्वीकार की गई है जबकि आरआईएनएल की विद्युत की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति करना जिसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना।	जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए हल्की उतोत्पाद गैसों के उपयोग द्वारा 120 एमडब्ल्यू विद्युत पैदा करना।	--	सितम्बर, 2013	एलओए जारी हो गई है। इंजीनियरिंग प्रारंभ हो गई है और प्रगति पर है। मै0 एमएम दस्तूर एंड कंपनी को दिनांक 29.7.2011 को परामर्श के लिए आर्डर दे दिए गए हैं।
(xviii)	व्हील एक्सल प्लांट	आरआईएनएल की 100 प्रतिशत अनुषंगी के रूप में गठन द्वारा प0 बंगाल के न्यूजलपाईगुडी पर एक्सलों और अन्य संबंधित उत्पादों के निर्माण के लिए सुविधाएं स्थापित करना।	--	--	--	35.00	रेलवे द्वारा आश्वासित 20000 से 25000 की संख्या में कुल खरीद को पूरा करने के लिए आरआईएनएल की 100 प्रतिशत अनुषंगी के रूप में गठन द्वारा प0 बंगाल के न्यूजलपाईगुडी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के निर्माण की उपयुक्त क्षमता स्थापित करना।	--	--	केवल परामर्शदाता नामत: मेकान द्वारा डीपीआर की प्रस्तुति के बाद मालूम होगी।	कुल खरीद समझौते के प्रारूप को रेलवे द्वारा इसके बोर्ड को प्रस्तुत किया जा रहा है। एक अनुषंगी कंपनी के स्थान पर आरआईएनएल की इकाई के रूप में एक इकाई स्थापित करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा रहा है।
(xix)	टीपीपी और बीएच में अतिरिक्त स्टीम टर्बाईन ड्राईवन ब्लोयर टीबी-5 की स्थापना	आवश्यकता को पूरा करने के लिए सहयोग के रूप में टीबी-5 की स्थापना करना यदि टीबी-1,2,3 का आधुनिकीकरण होता है तथा इसका भविष्य में बीएफ-4 के लिए सहायक के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है।	--	--	--	15.00	बीएफ-1 और 2 की कोल्ड ब्लास्ट मांग की आवश्यकता को पूरा करने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना यदि वर्तमान टीबी आधुनिकीकरण/अनुरक्षण के अधीन हैं।	--	--	सितम्बर, 2013	--

(करोड़ रूपये)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xx)	एएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना	--	--	--	125.00	उपस्करों की अच्छे रखरखाव को बनाये रखना तथा संयंत्र की कार्यशील जीवन के संदर्भ में उत्पादन / उत्पादकता के वर्तमान स्तर को बनाए रखना	--	--	--	--
(xxi)	आर एंड डी स्कीमें	उत्पादकता में वृद्धि करना / लागत में कमी करना / नए उत्पादों का विकास करना	--	--	--	14.00	जॉच अध्ययन, असफल विश्लेषण के जरीये प्रचालन गतिविधियों हेतु प्रौद्योगिकी समाधानों के साथ-साथ परेशानी उत्पन्न करने वाली वर्तमान प्रौद्योगिकी का विकास और लागत में कमी करने / उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रक्रिया मानदण्डों का आलोचनात्मक गहन परीक्षण ।	--	--	--	--
(xxii)	विद्युत संयंत्र-2	हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के एकमात्र इरादे के साथ स्वीकार की गई है जबकि आरआईएनएल की विद्युत की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति करना जिसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना।	677.00	--	--	20.00	हल्की उपोत्पाद गैसों का उपयोग करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के एकमात्र इरादे के साथ स्वीकार की गई है जबकि आरआईएनएल की विद्युत की आवश्यकता की आंशिक पूर्ति करना जिसके द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए हल्की उतोत्पाद गैसों का उपयोग करते हुए 120 एमडब्ल्यू विद्युत पैदा करना।	सितम्बर, 2013	--	एलओए जारी कर दी गई है। इंजीनियरिंग प्रारंभ हो गई है और प्रगति पर है। मै0 एमएम दस्तूर एंड कंपनी को दिनांक 29.7.2011 को परामर्श के लिए आर्डर दे दिए गए हैं।	--

(करोड़ रूपये

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
3.	केआईओसीएल लिमिटेड										
(i)	कोक ओवन प्लांट	कोक ओवन प्लांट की स्थापना करना। इससे संस्ती कीमत पर कोक की उपलब्धता में सुधार होगा।	452.00	--	--	150.00	कच्ची सामग्री की लागत कम करना।	--	--	आवश्यक मंजूरियां प्राप्त करने से 24 माह।	ब्लास्ट फर्नेस में प्रयुक्त किए जा रहे कोक की उच्च लागत पर विचार करते हुए कंपनी ने मंगलौर में एक कोक ओवन प्लांट स्थापित करने का लक्ष्य बनाया है। इससे कच्ची सामग्री की लागत महत्वपूर्ण रूप से कम होगी। परियोजना की आकलित लागत 452 .00 करोड़ रूपये है। केआईओसीएल के निदेशक मंडल ने दिनांक 25.3.2011 को आयोजित अपनी 201वीं बैठक में 25 एमडब्ल्यू कैप्टिव पावर प्लांट के साथ-साथ 0.3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता वाले कोक ओवन प्लांट का अनुमोदन कर दिया था।
(ii)	मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग का विकास	मैग्नेटाईट लौह अयस्क सांद्रण देश में उपलब्ध नहीं होगा और पैलेट संयंत्र के प्रचालन के लिए कच्चे माल के रूप में बेल्लारी/हॉस्पेट के उच्च ग्रेड के हैमेटाईट लौह अयस्क का प्रयोग करना दीर्घकाल के लिए एक वैकल्पिक स्रोत माना जाता है। अधिकांश कच्चे माल की ढुलाई रेल द्वारा की जानी है इसलिए मंगलौर में एक स्थायी रेलवे साइडिंग विकसित करने का प्रस्ताव है।	130.00	--	--	70.00	मंगलौर में प्रति वर्ष 4 एमटी लौह अयस्क की प्राप्ति	--	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	मैसर्स केआरएल ने प्राप्त डीपीआर प्रस्तुत कर दी है । सुरक्षा कारणों के लिए डायमण्ड क्रासिंग से बचने के लिए केआरएल ने पूर्व प्रस्तावित रूट को पुर्न रेखाकिंत किया है जिससे केआईएडीबी भूमि की स्वेपिंग और निजी भूमि की खरीद आवश्यक हो गई है कम्पनी उक्त भूमि को निजी पार्टियों से अधिग्रहण करने की सम्भावना का पता लगा रही है । 2.945 एकड़ निजी भूमि की पहले ही अधिप्राप्ति कर ली गई है और शेष भूमि की अधिप्राप्ति प्रक्रियाधीन है। रेलवे साइडिंग के विकास की अनुमानित लागत 130 करोड़ रूपये है और बड़ी सामग्री संभाल सुविधाओं की लागत 173 करोड़ रूपये है। निदेशक मंडल ने परियोजना के क्रियान्वयन के लिए सैद्धांतिक अनुमति प्रदान कर दी है।

(करोड़ रूपये)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(iii)	रेल द्वारा लौह अयस्क की प्राप्ति के लिए भारी माल संभाल की सुविधाओं का निर्माण	चूंकि अधिकांश कच्चे माल का परिवहन रेल के जरिए किया जाता है। केआईओसीएल को अपने पैलेट प्लांट तथा ब्लास्ट फर्नेस यूनिट के लिए लौह अयस्क का प्रेषण प्राप्त करने के लिए भारी माल संभाल सुविधाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव है।	173.00	--	--	73.00	पैलेटों के उत्पादन के लिए प्रति वर्ष 4 एमटी लौह अयस्क की आपूर्ति	--	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	-वही-
(iv)	चिकन्या काना हिल और अन्य खानों का विकास	कच्ची सामग्रियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए निजी खान की प्राप्ति	200.00	--	--	5.00	पैलेटों के उत्पादन के लिए प्रति वर्ष 4 एमटी लौह अयस्क की आपूर्ति	--	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	कर्नाटक सरकार केआईओसीएल के पक्ष में हंबलघाटा और होशाली गांव में 116.55 हेक्टेयर क्षेत्र पर खनन पट्टे प्रदान कर चुकी थी। सर्वेक्षण के समय यह मालूम चला कि केआईओसीएल को आबंटित क्षेत्र ओवरलेपिंग कर रहा था। संयुक्त सर्वेक्षण कर लिया गया है। दिनांक 15.2.2011 को आयोजित बैठक के बाद यह अनुमोदन किया गया कि साईट पर खनन पट्टे के डिमार्केशन के लिए खान एवं भूवैज्ञानिक विभाग द्वारा नया/संशोधित नक्शा जारी किया जाएगा। तथापि, माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राज्य में खनन पर प्रतिबंध को देखते हुए खानों के आबंटन में अतिरिक्त विलंब हो सकता है। परियोजना की अनुमानित लागत 200 करोड़ रूपये है।

(करोड़ रूपये)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(V)	रमनदुर्ग खानों का विकास	कच्ची सामग्रियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए निजी खान की प्राप्ति	900.00	--	--	5.00	--	--	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	कर्नाटक सरकार के सचिव (खान, वस्त्र एवं एसएसआई) ने ब्लॉक संख्या 13/1 में खनन पट्टा देने से संबंधित केआईओसीएल के आवेदन पर विचार करने के लिए एक सुनवाई आयोजित की। दिनांक 12.2.2005 को सचिव, इस्पात मंत्रालय और मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार के बीच हुई बैठक में और दिनांक 25.5.2011 को मुख्य सचिव और केआईओसीएल के बीच हुई बैठक में भी रमनदुर्ग के आबंटन को हरी झंडी दी गई। परियोजना की अनुमानित लागत 900 करोड़ रूपये है।
(VI)	डक्टाईल स्पन पाईप प्लांट	यह एक मूल्यवर्धित उत्पाद है।	309.00	--	--	10.00	100000 टन/वार्षिक पाईपों का उत्पादन	--	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	परियोजना के डीपीआर का केआईओसीएल बोर्ड ने अनुमोदन कर दिया है। केआईओसीएल बोर्ड ने संयुक्त उद्यम साझेदार के साथ संघीय आधार पर इसके क्रियान्वयन का निदेश दिया है। कंपनी ने संयुक्त उद्यम साझेदार की पहचान के लिए एजेंसी निर्धारित करने के लिए एक निविदा जारी की है। परियोजना की अनुमानित लागत 309 करोड़ रूपये है। दिनांक 22.10.2011 को निदेशक मंडल ने अपनी 206वीं बैठक में इसका अनुमोदन कर दिया है।
(VII)	कुद्रेमुख पर इको-टाउन का विकास करना	कुद्रेमुख पर इको-टूरिज्म सुविधा विकास करने का उद्देश्य है समुदाय आधारित वाणिज्यिक उन्मुखी इको-टूरिज्म परियोजना का विकास करना।	243.00	--	--	5.00	इको-टूरिज्म का विकास	--	--	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।	हाल ही में कर्नाटक सरकार के साथ हुई बैठक में उन्होंने केआईओसीएल के साथ संयुक्त उद्यम पर कुद्रेमुख में इको-टूरिज्म सुविधा स्थापित करने को सैद्धांतिक अनुमति दे दी है। परियोजना की अनुमानित लागत 243 करोड़ रूपये है। निदेशक मंडल ने सैद्धांतिक अनुमति दे दी है तथा इसके लिए डीपीआर तैयार करने का निदेश दिया है।

(करोड़ रूपये

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
4.	एनएमडीसी लिमिटेड										
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	807.18	--	--	60.00	7 एमटीपीए क्षमता	--	--	मार्च, 2012	नक्सल गतिविधियों और माओवादियों द्वारा लगातार बंद के आह्वानों से स्थल की प्रगति पर प्रभाव पड़ता रहा है।
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	--	--	--	200.0	7 एमटीपीए क्षमता	--	--	मई, 2013	बेल्लारी और पड़ौसी जिलों में खनन प्रतिबंध के चलते रेत और स्टोन ब्लास्ट की कमी और अनुपलब्धता प्रति दिन की प्रगति को प्रभावित कर रही है।
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के लिए डाईवर्सीफाई करना	--	--	--	200.00	1.2 एमटीपीए क्षमता	--	--	अप्रैल, 2013	बेल्लारी और पड़ौसी जिलों में खनन प्रतिबंध के चलते रेत और स्टोन ब्लास्ट की कमी और अनुपलब्धता प्रति दिन की प्रगति को प्रभावित कर रही है।
(iv)	नागरनार में 3 एमटीपीए इस्पात संयंत्र	इस्पात उत्पादन के लिए डाईवर्सीफाई करना	--	--	--	3513.00	3 एमटीपीए क्षमता	--	--	सितम्बर, 2014	सभी संविदात्मक मंजूरियां प्राप्त कर ली गई हैं। जल, विद्युत जैसी अवसंरचनात्मक सुविधाओं की स्वीकृतियां भी प्राप्त कर ली गई हैं। मै0 मेकान लिमिटेड को इंजीनियरिंग परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया और दिनांक 25.10.2011 को परियोजना प्रबंधन संविदा भी उन्हें प्रदान कर दिया गया था। पूरे कार्य को 9 पैकेजों में बांटा गया है। 4 प्रमुख पैकेजों के लिए संबंधित पार्टियों के साथ संविदा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अन्य पैकेजों हेतु निविदाएं प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों पर हैं। 42 माह में पूरा करने की अवधि के साथ 3 मार्च, 2011 को शून्य तिथि घोषित किया गया है।

(करोड़ रूपये)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
5.	मॉयल लिमिटेड										
(i)	फैरो मैंगनीज/सिलिका मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	सेल के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में इस परियोजना को भिलाई में स्थापित किया जाएगा।	391.00	--	--	50.00	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना 31000 एमटी फैरो मैंगनीज तथा 75000 एमटी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना फैरो मैंगनीज/ सिलिका मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	--		परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहित जा चुकी है तथा उपस्कर प्राप्ति के लिए निविदा प्रक्रियाधीन है ।
(ii)	फैरो मैंगनीज/सिलिका मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में इस परियोजना को बोबिली में स्थापित किया जाएगा।	217.00	--	--	20.00	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना 31000 एमटी फैरो मैंगनीज तथा 75000 एमटी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना फैरो मैंगनीज/ सिलिका मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	--		परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहित जा चुकी है तथा उपस्कर प्राप्ति के लिए निविदा प्रक्रियाधीन है ।
	कुल-क					19270.00					

(करोड़ रूपये)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
ख	इस्पात मंत्रालय की योजना										
(i)	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी में सुधार करने के लिए योजना।	लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिकेशन और मिश्रण। प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना।	--	--	44.00	--	गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। भारतीय कच्ची सामग्रियों नामत: निम्न ग्रेड लौह अयस्क, गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूप का विकास करना। नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाईन में परिवर्तन (रिफ्रैक्ट्री) प्रेरण भट्टी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस इस्पात का उत्पादन करना। हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन। भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाईम्स का बैनीफिशिएशन। चूरे की बदलती डिग्री के साथ भारतीय गोथेटिक/हेमेटाइटिक अयस्क के लिए पायलेट स्केल पैलेटाइजेशन टेक्नोलॉजी का विकास। प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाईरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले कोयले से निम्न राखांश वाले कोयले (10 प्रतिशत राखांश कोकिंग/गैर कोकिंग) का उत्पादन।	कॉलम 5 के अनुरूप	--	इसके 11वीं योजना (2007-12) से 12वीं योजना (2012-17) में चले जाने की संभावना है।	व्यय वित्त समिति ने 3 प्रमुख क्षेत्र अभिज्ञात किए हैं जिनके तहत इस योजना को बढ़ावा दिया जाएगा। विशेषज्ञों के एक पैनल के परामर्श से 9 आर एंड डी परियोजनाओं से संबंधित प्रस्ताव का अनुमोदन किया जा चुका है। परियोजना की कुल लागत 143.87 करोड़ रूपये है जिसमें से पूंजीगत व्यय पर अधिकतम 50 प्रतिशत अनुदान की स्थिति को देखते हुए पूर्व में अनुमानित 111.11 करोड़ रूपये में से सरकारी अनुदान घटा कर 96.23 करोड़ रूपये कर दिया गया है क्योंकि ऐसा ईएफसी द्वारा निर्धारित किया गया है।

(करोड़ रूपये)

सं.	पीएसयू का नाम तथा योजना/कार्यक्रम	उद्देश्य/निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	मंजूर परिव्यय 2012-13			परिमाणयोग्य सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक निष्कर्ष	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रोसेसेज/टाइम लाइन्स		टिप्पणियाँ/ जोखिम घटक
				बजटीय सहायता		आई एंड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब अनुसूचित	
				गैर-योजना	योजना						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(ii)	बैनीफिशिऐशन के उन्नयन और निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं अयस्क चूरे के सम्मिश्रण की स्कीम	ब्याज सब्सिडी के माध्यम से उधार की लागत को कम करके नई बैनीफिशिएशन और सम्मिश्रण क्षमताएं स्थापित करने की सुविधा प्रदान करना	--	--	1.00	--	ब्याज सब्सिडी के माध्यम से उधार की लागत को कम करके नई बैनीफिशिएशन और सम्मिश्रण क्षमताएं स्थापित करने की सुविधा प्रदान करना	कॉलम 5 के अनुरूप	--	12वीं योजना के दौरान	12वीं योजना के लिए नई स्कीम प्रस्तावित है। केवल टोकन का प्रावधान है। हितधारकों के साथ विचार विमर्श के बाद वास्तविक बजटीय आवश्यकता का परिकलन किया जाना है।
(iii)	गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा दक्षता को सुधारने के लिए स्कीम	ब्याज सब्सिडी के माध्यम से उधार की लागत में कमी करके गौण इस्पात क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता में सुधार और जीएचजी में कमी हेतु सुविधा प्रदान करना	--	--	1.00	--	ब्याज सब्सिडी के माध्यम से उधार की लागत में कमी करके गौण इस्पात क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता में सुधार और जीएचजी में कमी हेतु सुविधा प्रदान करना	कॉलम 5 के अनुरूप	--	12वीं योजना के दौरान	12वीं योजना के लिए नई स्कीम प्रस्तावित है। केवल टोकन का प्रावधान है। हितधारकों के साथ विचार विमर्श के बाद वास्तविक बजटीय आवश्यकता का परिकलन किया जाना है।
	योग (ख)				46.00						
ग.	अन्य स्कीम / कार्यक्रम										
(i)	सरकारी उपक्रमों के संबंध में										
	(i) विभिन्न एएमआर योजनाएं, 50.00 करोड़ रू0 से कम लागत वाली वर्तमान में प्रचलित और नई योजनायें 50 करोड़ रू0 से अधिक लागत वाली स्वीकृत योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है ।	संयंत्रों, उपस्करों एवं मशीनरी के नियमित अनुरक्षण एवं रख-रखाव, उत्पादन लागत को कम करने तथा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तथा उत्पादकता में वृद्धि आदि के लिए।	--	--		2486.00	--	--	--	--	--	योजनाएं सरकारी उपक्रमों के दिन-प्रतिदिन के कार्य एवं प्रचालन से संबंधित है। जिन योजनाओं को आवश्यक अनुमोदन नही मिला है उन्हे शामिल नहीं किया गया है ।
	योग(ग)		--			2486.00					
	कुल योग - क + ख + ग		--	75.89#	46.00	21756.00					

कल आधार पर । एचएससीएल तथा मेकॉन लि. को प्रदान की गई गारंटी फीस को माफ करने के संबंध में 6.60 करोड़ रुपए निवल प्राप्त होने के बाद वर्ष 2012-13 (बजट अनुमान) के लिए 69.29 करोड़ रुपए का गैर-योजना बजट है।

अध्याय-III

सुधार उपाय और नीतिगत पहल

1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण

भारतीय इस्पात क्षेत्र ऐसा प्रथम महत्वपूर्ण क्षेत्र था जिसे लाइसेंसिंग और मूल्य निर्धारण एवं वितरण नियंत्रण से पूर्णत: मुक्त किया गया है। ऐसा भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग द्वारा दर्शायी गई उसकी आंतरिक मजबूती और क्षमताओं को देखते हुए किया गया हैं। आर्थिक सुधार और उसके परिणामस्वरूप लोहा और इस्पात क्षेत्र के उदारीकरण जो 1990 के आरंभ में शुरू हुआ था, से इस्पात उद्योग में काफी विकास हुआ है और निजी क्षेत्र में ग्रीन फील्ड इस्पात संयंत्र स्थापित हुए हैं।

वर्ष 2010 के दौरान ओर जनवरी-नवंबर, 2011 के दौरान भी भारत विश्व में क्रूड इस्पात का उत्पादन करने में भारत चीन, जापान और अमरीका के बाद चौथे स्थान पर है (स्रोत-वर्ल्ड स्टील एसोशिएशन)।

वर्ष 2003 से देश स्पंज आयरन का भी सबसे बड़ा उत्पादक रहा है। इस घरेलू इस्पात उद्योग में लगभग 90,000 करोड़ रूपए से अधिक की पूंजी लगी हुई है (जिसमें आगे वृद्धि हुई है) और सीधे 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। वर्ष 2011-12 अप्रैल-दिसम्बर (अनंतिम) के दौरान 52.06 मिलियन टन बिक्री हेतु परिसज्जित इस्पात (मिश्र एवं गैर-मिश्र) का उत्पादन हुआ जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए पिछले कुछ वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण नीतिगत उपाय नीचे दिए गए हैं:-

(i) जनवरी, 1992 से इस्पात के मूल्य निर्धारण और वितरण पर से नियंत्रण समाप्त कर दिया गया था। इसके साथ-साथ यह सुनिश्चित किया गया था कि रक्षा और रेलवे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के अतिरिक्त लघु उद्योगों, इंजीनियरी माल के निर्यातकों और पूर्वोत्तर क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

(ii) आयात लाइसेंसिंग, विदेशी मुद्रा निर्मुक्ति, माध्यमीकरण और अधिक आयात टैरिफ से लोहे और इस्पात के आयात को पूर्णत: मुक्त करने के लिए आयात शुल्क स्तर को कम

करके लोहा और इस्पात के लिए नियंत्रित आयात प्रणाली को धीरे-धीरे काफी उदार बनाया गया है। लोहे और इस्पात मदों का स्वतंत्र रूप से निर्यात करने की भी अनुमति दी गयी है।

(iii) फिलहाल इस समय इस्पात मदों पर आयात शुल्क 5 प्रतिशत है। मेल्टिंग स्क्रैप, कोकिंग कोल, मेट कोक जैसी कच्ची सामग्रियों पर आयात शुल्क शून्य है और अन्य कच्ची सामग्रियों जैसे जिंक, आयरन ओर तथा फैरो मिश्र के लिए 2 प्रतिशत से 5 प्रतिशत के बीच है। किसी भी इस्पात मद पर कोई निर्यात शुल्क नहीं हैं तथापि घरेलू इस्पात उद्योग की दीर्घकालीन आवश्यकताओं के लिए इनका संरक्षण करने हेतु सरकार ने लौह अयस्क पर 30% निर्यात शुल्क लगाया है।

(iv) इस्पात पर फिलहाल उत्पाद शुल्क 10% है।

(v) पर्याप्त घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने और तप्त बेल्लित क्वायलों के मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने इसका आयात नि:शुल्क एवं नियंत्रणमुक्त कर दिया है।

(vi) प्रचालनढां ,चा और परिवर्तनात्मकता की तेजी से बदलती प्रकृति को ध्यान में रखते हुए भारतीय इस्पात उद्योग में दीर्घकालिक विकास परिदृश्य के लिए एक रोड़मैप उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय इस्पात नीति ,2005 को अद्यतन किया जा रहा है।

(vii) इस्पात की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न इस्पात मदों को सरकार द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत रखा गया है। इस आदेश के तहत और अधिक इस्पात मदों को लाने के लिए मामले की जांच की जा रही है।

(viii) देश में इस्पात की ग्रामीण खपत के पैटर्न की पूरी रूपरेखा तैयार करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा एक अखिल भारतीय सर्वेक्षण किया गया था। यह सर्वेक्षण कार्य संयुक्त संयंत्र समिति, कोलकाता द्वारा किया गया और फील्ड वर्क एम आर बी इन्टरनेशनल जो एक प्रमुख बाजार अनुसंधान संगठन हैद्वारा किया गया था। , इस अध्ययन की सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए एक रोड़मैप तैयार करने हेतु इस्पात मंत्रालय द्वारा नियुक्त एक उच्चस्तरीय समिति द्वारा इस अध्ययन रिपोर्ट की जांच की गई थी और जिसने इसकी रिपोर्ट इस्पात मंत्रालय को दी है। इस समिति की सिफारिशों के अनुसार आगे कार्रवाई की जा रही है।

2. नई राष्ट्रीय इस्पात नीति

इस्पात उद्योग को मूलत: घरेलू और विश्व स्तर पर बाजार में परिवर्तन के आधार पर निर्धारित किया जाता है। इसका अभिप्राय है कि एन एस पी 2005 में सम्मिलित अधिकांश लक्ष्यों को बाजार की बदल रही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पुननिर्धारित/पुनर्मूल्यांकन करने की

आवश्यकता है। इसलिए इस्पात मंत्री के अनुमोदन से एक नई इस्पात नीति के गठन करने का निर्णय किया गया। नई इस्पात नीति में राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 के मूल गठन को बनाए रखते हुए देश में इस्पात के सभी विभिन्न पहलुओं जैसे भारत में इस्पात की मांग में वृद्धि, कच्चा माल, अनुसंधान एवं डिजाइन, पर्यावरण और नई इस्पात परियोजनाओं को सुविधा सम्पन्न करना, को शामिल करते हुए और अधिक व्यापक नीति का गठन करने पर केन्द्रित है। राष्ट्रीय नई इस्पात नीति के गठन किया गया है। जिसके अध्यक्ष सचिव इस्पात मंत्रालय होंगे और योजना आयोग, केन्द्र सरकार के मंत्रालयों/विभगों और संबधित राज्य सरकारों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

इस विषय के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करनेषण करने और परामर्श करने विश्ले , क्षतालिए प्रमुख विशेषज्ञों की अध्य वेज तैयार करने केऔर प्रारूप नीतिपरक दस्तामें चार टास्क फोर्स का गठन किया गया है जैसाकि नीचे दिया गया है:

(i) 1 फोर्सटास्क: अर्थव्यवस्था एवं समन्वय
(ii) 2 फोर्सटास्क : प्रौद्योगिकीपर्यावरण एवं जनशक्ति ,
(iii) 3 फोर्सटास्क : कच्चा माल
(iv) 4 फोर्सटास्क : अवसंरचना एवं सुविधा

इन टास्क फोर्सो की रिपोर्टें प्राप्त होने और इस मामले में विभिन्न शेयरधारकों से विचारविमर्श करने के बाद नई राष्ट्रीय इस्पात नीति पर एक अन्तिम मत लिया जाएगा।

3. इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल

3.1 एनएसपी (2005) के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित प्रमुख पहलें की गई हैं:-

(i) <u>सेल, आरआईएनएल और एनएमडीसी लि. की मेगा विस्तार योजनाओं की प्रगति</u>

सेल और आरआईएनएल के विस्तार कार्यक्रम में पर्याप्त प्रगति हुई है। आधुनिकीकरण और विस्तार योजनाओं में बेहतर आधुनिक प्रौद्योगिकी जोकि लागत प्रभावी, होने के साथ-साथ ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण अनुकूल हो, को अपनाने पर प्रमुख रूप से बल दिया गया है।

सेल अपने भिलाई, बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर और बर्नपुर में स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों और सेलम स्थित विशेष इस्पात संयंत्र का विस्तार और आधुनिकीकरण कर रहा है। चालू चरण में कच्चे इस्पात की क्षमता को 12.8 एम टी से बढ़ाकर 21.4 एम टी वार्षिक कर दिया गया है।

सेलम इस्पात संयंत्र विस्तार के अन्तर्गत सभी प्रमुख सुविधाओं को सितम्बर, 2010 तक सफलतापूर्वक पूरा कर लिया जाएगा और इनका स्थायीकरण किया जाएगा। अन्य 5 संयंत्रों में, प्रमुख पैकेजों के लिए आर्डर किए गए हैं। ये आर्डर किए गए पैकेजों पर विभिन्न चरणों पर कार्यान्वयन किया जा रहा है। कच्चा माल संभाल संयंत्र, सिंटर संयंत्र, आक्सीजन संयंत्र और इस्को इस्पात संयंत्र में धमन भटटी, सिंटर प्लांट ओर बेडिंग एंड बलेंडिंग प्लांट, राउरकेला इस्पात संयंत्र में प्रमुख स्टेप डाउनलोड उप स्टेशन का आगमेंटेशन और बोकारो इस्पात संयंत्र में कोल्ड रोल मील जैसी कुछ सुविधाएं पूरा होने के अग्रिम चरण में हैं।

आर आई एन एल ने द्रव इस्पात की क्षमता को 6.3 एम टी तक बढाने हेतु पहले चरण का कार्यान्वयन पूरा कर लिया है। इसी वित्त वर्ष से उत्पादन शुरू करने के लिए शेष प्रमुख इकाइयाँ का भी प्रगामी रूप से प्रचालन शुरू किया जा रहा है। इस चरण में, आर आई एन एल लम्बे उत्पादों की श्रेणी पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है जो देश की अवसंरचनात्मक वृद्धि में आवश्यक है। कनवर्टर और एक कास्टर के अलावा मौजूदा ब्लास्ट फर्नेस स्टील, मेल्ट शॉप और अन्य का आधुनिकीकरण और उन्नयन किया जा रहा है जिससे वर्ष 2013-14 तक इसकी द्रव इस्पात की क्षमता 7.3 एम टी तक बढ़ जाएगी।

अगले चरण में विस्तार को 11 एमटीपीए क्षमता तक बढ़ाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए परामर्शदाता की नियुक्ति की गई है जिसमें आरआईएनएल उत्पादन को फलैट्स में विविधीकण करेगी जिससे आरआईएनएल के उत्पादन पोर्टफोलियो में विस्तार होगा। 11 मिलियन टन और इससे अधिक क्षमता विस्तार, जेसाकि निदेशात्मक योजना में दिया गया है, एनएमडीसी से लौह अयस्क की आपूर्ति की पुष्टि और/अथवा उन उपयुक्त लौह अयस्क लिंकेजो की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर निर्भर करेगा जिनके लिए राज्य/केन्द्र सरकार द्वारा खानों का आबंटन करना आवश्यक हैं।

विस्तार के अलावा आधुनिकीकरण कार्यक्रमों के जरिए तकनीकी उत्कृष्टता को मजबूत करने और उत्पादकता और दक्षता में वृद्धि करने के लिए मौजूदा उपस्करों/तकनीकी का उन्नयन किया जा रहा है। अपने संयंत्र में उत्पादन स्तरों और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए आर आई एन एल उपस्करों की प्रमुख मरम्मत करने की योजना बना रहा है। इनमें से कुछ परियोजनाओं

में धमन भट्टी 1 और 2 की पूंजीगत मरम्मत, कनवर्टरों की मरम्मत, सिंटर संयंत्र का आधुनिकीकरण आदि शामिल है और कुल अन्य परियोजनाओं में गुणवत्ता एवं उत्पाद डेलीवेरबल में सुधार के अतिरिक्त प्रदूषण नियंत्रण आवश्यकताओं सहित प्रौद्योगिकी का उन्नयन शामिल है।

एनएमडीसी लिमिटेड की वर्तमान समय में लगभग 24 मिलियन टन लौह अयस्क के उत्पादन को वर्ष 2014-15 तक 40 मिलियन टन बढ़ाने की योजना है। स्पंज लोहा पैलेटों और इस्पात में मूल्यसंवर्धन करके एनएमडीसी ने एकीकरण की तरफ और प्रयास किए हैं। एनएमडीसी ने लगभग 15525 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत से नागरनार, छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता वाला 1 ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना की है। सभी सांविधिक मंजूरियां प्राप्त हो गई हैं। इस संयंत्र की स्थापना से संबंधित कार्य प्रगति पर है। इस एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए शून्य तारीख 3.3.2011 तय की गई है। धोणिमलै कर्नाटक में भी एनएमडीसी 1.2 मिलियन टन वार्षिक क्षमता वाला एक पैलेट संयंत्र की स्थापना कर रहा है। इस परियोजना को 6 पैकेजों के तहत कार्यान्वित किया जा रहा है। सभी महत्वपूर्ण पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं और कार्यस्थल पर कार्य शुरू हो चुका है।

एनएमडीसी लिमिटेड ने इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कॉन्ट्रेक्ट मैंनेजमेंट (ईपीसीएम) और परियोजना प्रबंधन परामर्शी (पीएमसी) कार्यो के लिए मेकॉन को परामर्शदाता नियुक्त किया हैं। सिंटर संयंत्र, धमन भटटी कॉम्प्लेक्स, रॉ मैटेरियल हैंडलिंग प्रणाली (आरएमएसएस) को ओवन कॉम्प्लेक्स और बाय प्रोडक्ट प्लांट पैकेजों के लिए आर्डर दिए गए हैं। स्टील मेल्टिंग शाम्प, थिन स्लैब कास्टर और हॉट स्ट्रिप मिल, लाइम एंड डोलोमाइट प्लांट और ऑक्सीजन प्लांट जैसे अन्य पैकेजों के लिए प्राप्त प्रस्ताव आर्डर देने के लिए मूल्याकंन करने के विभिन्न चरणों में है। शेष अनुषंगी पैकेजों के लिए भी टेंडर निकाले जा रहे हैं। साइट लेबलिंग, प्लांट इंटरेंस रोड, कनस्ट्रशन कॉलोनी, स्टूडियो किस्म के अपार्टमेंट कनस्ट्रशन जैसे समर्थ कार्य पैकेज भी प्रदान किए गए और कार्य स्थ्ल पर ये कार्य किए जा रहे हैं।

(ii) स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी)

अपनी प्रमोटर कंपनियों के रूप में सेल, आरआईएनएल, सीआईएल, एनटीपीसी और एनएमडीसी ने 20.5.2009 को इंटरनेशलन कोल वेंचर्स लिमिटेड (आईसीवीएल) नामक स्पेशल पर्पज व्हीकल को एक संयुक्त उद्यम के रूप में निगमित किया गया है। आईसीवीएल को 1500 करोड़ रू0 तक की कच्ची सामग्री अधिग्रहित करने और एक नवरत्न कंपनी के रूप में काम करने की शक्तियां प्राप्त हैं परंतु इसे औपचारिक रूप से नवरत्न कंपनी का दर्जा प्राप्त नहीं होगा। उन

कोयला कंपनियों में जिनमें 1500 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश की आवश्यकता है में कोयला परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण अथवा साम्या भागीदारी सचिवों की एक अधिकार सम्पन्न समिति को दी जाएगी जो प्रस्ताव की अनुमोदनार्थ सीधे मंत्रिमंडल को भेजने की सिफारिश करेंगे। आई सी वी एल आस्ट्रेलिया, कनाडा, इंडोनेशिया, मोजोम्बिक और यू एस ए जैसे लक्ष्यित देशों में कोयला सम्पत्ति अधिग्रहित करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है।

(iii) विलय/अधिग्रहण तथा रणनीतिक समझौते/संयुक्त उद्यम

इस्पात इकाइयों की प्रचालनात्मक क्षमता में सुधार करने और सीनर्जी प्राप्त करने के लिए कई विलय/अधिग्रहण/नीतिपरक समझौते/संयुक्त उद्यम हुए हैं। इनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(क) विलय/अधिग्रहण

- महाराष्ट्रा इलैक्ट्रोस्मेल्ट लि0 (एमईएल) का सेल के साथ विलय: महारत्ना स्टील अथॅारिटी ऑफ इंडिया लि0 की 99.12 गौण कंपनी महाराष्ट्रा इलैक्ट्रोस्मेल्ट लि0 (एमईएल) का सेल के साथ विलय किया गया हैं। एमईएल का सेल के साथ विलय की प्रक्रिया दिनॉक 14 जून 2011 को कारपोरेट कार्य मंत्रालय अंतिम आदेश के प्राप्त होने के बाद पूरी हुई हैं। इनका नया नाम चन्द्रापुर फैरो एलॉय प्लांट रखा गया हैं।
- बर्न स्टैण्डर्ड कंपनी लि0 की सेलम रिफ्रैक्ट्री यूनिट का हस्तांतरण: बर्न स्टैण्डर्ड कंपनी लि0 (बीएससीएल) की सेलम रिफ्रैक्ट्री इकाई को दिनॉक 16 दिसम्बर 2011 को सेल की नवगठित गौण कंपनी, सेल रिफ्रैक्ट्र कंपनी लि0 (एएआरसीएल) में हस्तांतरित कर दिया गया। बीएससीएल की वित्तीय पुनर्संरचना के लिए आर्थिक मामालों पर मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा अनुमोदन किए जाने के बाद दिनॉक 10 जून 2010 को हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू की गई थी और भारी उद्योग विभाग द्वारा इस्पात मंत्रालय को इस ट्रांस्फर के लिए प्रचालनात्मक कार्य करने के प्राधिकार दिए हैं।

- सेल ने कोज्हीकोडे में स्टील कॉम्प्लेक्स लि0 (एससीएल) के 50 शेयर जो केरल राज्य सरकार के पास थे, औपचारिक रूप से अधिगृहित किए हैं और एससीएल का प्रचालन कार्य अपने हाथ में ले लिया हैं। इस अधिग्रहण के परिणामस्वरूप बनी संयुक्त उद्यम कंपनी सेल एससीएल लि0 का पुनूरद्धार करने के लिए कार्य कर रही है। यह संयुक्त उद्यम पीएसयूस में आपसी तालमेल लाने और उन्हें बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में सरकार की नीति के अनुरूप किया गया है।

- पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन आफ इंडिया लि0 (पीजीसीआईएल) के साथ समझौता ज्ञापन: आरआईएनएल ने ट्रांसमीशन लाइन टावरों और टावर पुर्जो का निर्माण करने के लिए विशाखापटटणम में एक संयुक्त उद्यम कंपनी की स्थापनी करने के लिए और नए हाई एंड उत्पादों के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट कार्य करने के लिए दिसम्बर 11 को पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि0 के साथ एक समझौता ज्ञापन किया है। इससे आयात में कमी आएगी।
- व्हील एक्सेल प्लांट के लिए रेलवे के साथ समझौता ज्ञापन: न्यू जलपैगुडी, पश्चिम बंगाल में एक एक्सेल प्लांट की स्थापना करने के लिए आरआईएनएल और रेल मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताज़क्षर किए गए हैं। इस इकाई से वर्ष में लगभग 35द्व000 एक्सेलों की आपूर्ति भारतीय रेल को की जाएगी। इससे यह भारत में दूसरी सबसे बड़ी एक्सेल निर्माता इकाई जाएगी।
- सीमलेस ट्यूब मिल (एसएलटीएम): 18 तक के पाइपों (भारत में अपनी किस्म का पहला पाइप) का उत्पादन करने के लिए 2300 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत से 4 लाख टन की क्षमता वाली स्टेट आफॅ आर्ट मिल लगाने के लिए अनुमोदन किया गया।
- एनएमडीसी लि0 ने लिगेसी आयरन ओर लि0, आस्ट्रेलिया में लगभग 18.89 मिलियन आस्ट्रेलियाई डॉलर का कुल निवेश करके कंपनी की 50 साम्या अधिग्रहण करने के लिए उसके साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। शेयर सबसक्रीप्शन एग्रीमेंट पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं और एनएमडीसी लि0 द्वारा लिगेसी के शेयरों के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं।

(ख) रणनीतिक समझौते/संयुक्त उद्यम

- सिंद्री परियोजना: 04 अगस्त 2011 को हुई अपनी बैठक में आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडल समिति ने एफसीआइ्रएल/एचएफसीएल की बंद पड़ी यूनिटों का पुनरूद्धार करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। कैबिनेट के अनुमोदनानुसार एफसीआईएल की सिंद्री यूनिट का पुनरूद्धार करने के लिए सेल और एलएफएल के परिसंध को नामित किया गया है। 8 नवम्बर 2011 को सेल-सिंद्री प्रोजेक्ट्स लि0 नामक एक नई एसपीएल कंपनी का भी पहले ही गठन किया गया है।
- सेल सात सदस्यों (आरआईएलएल, एलएमडीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसडब्ल्यू इस्पात, जिंदल स्टील एंड पॉवर और मोनेट इस्पात एंड एनर्जी) वाले परिसंध का नेतृत्व करता है। एएफआईएससीओ (अफगान आयरन एंड स्टील कॉन्जोरटियम) के पास 62-64 लोहांश वाल उच्च ग्रेड के लगभग 1.28 मिलियन टन मैग्नेटाइट लौह अयस्क के अनुमानित

भंडार होने के कारण इस हाजिगैक के ब्लॉक बी, सी ओर डी के लिए वरीयता प्राइज़ बोलीदाता घोषित किया गया हैं। इससे यह परिसंध अब औपचारिक बातचीत के बाद खान मंत्रालय (इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ अफगानिस्तान के साथ हाजिगैक प्रोजेक्ट कॉनट्रैक्ट में हिस्सा ले सकती है और हाजिगैक लौह अयस्क निक्षेपों का और अधिक उत्खनन, विकसित और दोहन करने के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकती हैं)।

- 16 जून 2011 को सेल ने मूल्यवर्द्धित उत्पादों के उत्पादन में आपसी तालमेल से कारोबार के अवसर तलाशने के लिए, अनुसंधान एवं विकास कार्यो को बढ़ाने के लिए तकनीकी जानकारी का आदान प्रदान करने के लिए और दो कंपनियों के बीच संयुक्त उद्यम गठित करने के मैसर्स मिश्र धातु निगम लि0 के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। बाजार की मांग का मूल्यांकन के आधार पर और तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता और वाणिज्यिक विवेक की शर्त पर दोनों कंपनियों की आरएंडडी सुविधाओं का उपयोग करके संयुक्त रूप से विकसित किए जा सकने वाले इस्पात उत्पादों की पहचान करने के लिए संयुक्त टास्क फोर्स टीम (टीएफटी) का गठन किया गया है।
- 23 मई 2011 को सेल और बरन स्टैण्डर्ड कं0 लि0 (बीएससीएल) जो रेल मंत्रालय के अन्तर्गत एक पीएसयू है, ने कास्ट स्टील बोगी, कपलर्स और भारतीय रेल में चलाए जा रहे वैगनों पर उपयोग हेतु संबंधित उत्पादों के निर्माण के लिए 50:50 संयुक्त उद्यम के तौर पर एक वैगन कम्पोनेन्अ मैनुफैक्चरिंग फैसिलिटी (डब्ल्यूसीएमएफ) की स्थापना करने के लिए एक समझौता ज्ञापन किया जै। इस परियोजना को जेलिंधम प. बंगाल में मैसर्स बरन स्टैण्डर्ड कं. लि0 (बीएससलएल) के अन्तर्गत पटटागत भूमि पर स्थापित करने की योजना है। यह टेक्नो इकॉनोमिक फिजीबीलिटी रिपोर्ट (टीईएफआर) मै. आरआईटीईएस (परामर्शदात्री) द्वारा तैयार की गई है।
- आर्इटीएमके 3 के प्रौद्योगिकी हेतु कोबे स्टील के साथ सहयोग: 28 दिसम्बर 2011 को सेल ने एएसपी दुर्गापुर में 0.5 मिलियन टन आई टी एम के 3 प्रौद्योगिकी पर आधारित संयंत्र की स्थापना करने के लिए तकनीकी और वाणिज्यिक अनुदेशों के आधार पर बातचीत करने के बाद मै. कोबे स्टील के समक्ष एक टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं।
- आर्की लाइम स्टोन प्रोजेक्ट (हिमाचल प्रदेश): 3.0 एमटीपीए चूना पत्थर का उत्पादन करने के लिए विकसित किए जाने का प्रस्ताव है। खनन पटटों का नवीकरण हिमाचल प्रदेश के साथ किया जा रहा है। एनएमडीसी और सेल के साथ जेवी करार पर हस्ताक्षर किए गए। पर्यावरण संबंधी मंजूरी ली गई।

- एन एम डी सी ने कर्नाटक में एक ग्रीन फील्ड इस्पात संयंत्र के लिए रूस के तीसरे सबसे बड़े इस्पात निर्माता सेवेस्टोल के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। इस डील के

चलते सेवेस्टोल से 1 बिलियन डॉलर का प्रारंभिक निवेश हुआ जो कौर रक्षा क्षेत्र में रूस का सबसे बड़ा निवेश है और देश में इस्पात क्षेत्र में भी रूस का पहला निवेश है। इसके लिए एन एम डी सी ने सेवेस्टोल के साथ कार्यान्वयन फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर किए हैं।

(iv) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/कंपनियों का पुनरूद्धार और पुनर्संरचना

- दिनॉक 10.9.2009 को भारत सरकार ने बर्ड समूह की कंपनियों के पुनर्संरचना प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह पुनर्संरचना कार्य कर दिया गया है। आर आई एन एल, ई आई एल की होल्डिंग कंपनी बन गई है। ई आई एल, ओ एम डी सी और बी एस एल सी की होल्डिंग कंपनी बन गई है।

- हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एससीएल) का पुनर्संरचना/पुनरूद्धार प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

(V) निगमित सामाजिक जिम्मेदारी

2007-08 के बाद मंत्रालय के साथ सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किए गए समझौता ज्ञापनों में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) को एक महत्वपूर्ण प्राचल के रूप में अभिज्ञात किया गया है। सभी सरकारी उपक्रम डीपीई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन कर रहे हैं। सीएसआर कार्य शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, सफाई, पेय जल सुविधा, सड़कों को जोड़ना, सांस्कृतिक पुनरूथान, धरोहर को बनाए रखना, पर्यावरण देखभाल, ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोतों का विकास, सामाजिक कार्यों पर केंद्रित होते हैं।

झारखंड राज्य सरकार और ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर सेल झारखंड के पश्चिम सिंहभूम के सारंडा वन में रह रहे लोगों के लिए किए गए विकास में सक्रिय रूप से योगदा कर रहा है। सेल एम्बुलेंस, साइकलें, ट्रांजिस्टर्स, सोलर लालटेन उपलब्ध करवा रहा है और एक एकीकृत विकास केंद्र की स्थापना कर रहा है। इसे 10 करोड़ रूपएकी अनुमानित लागत में चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। सेल प्राकृतिक आपदाताओं के दौरान राज्यों की सहायता करता है। 2011-12 में सेल ने ओड़ीसा और उत्तर प्रदेश में बाद के दौरा सहायता की। सेल ने हाल ही में सिक्किम में मूकम्प प्रभावी लोगों ने हाल ही में सिक्किम में भूकंप प्रभावी लोगों की सहायतार्थ हीसी को शीटों की आपूर्ति भी की। सेल ने 79 गांवों को आदर्श इस्पात गांव के रूप में गोद लिया जिनमें से 62 गांवों में आवश्यक बुनियादी विकास संबंधी

कार्य पूरा किया। शेष 17 एमएसवी में कार्य पूरा किया जा रहा है और वित्तीय वर्ष 2011-12 के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। 2010-11 में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, पॉथ लैब ट्रीटमेंट, दवाइयां, संयंत्र अस्पतालों को संदर्भित सर्जिकल मामलों को देखते हुए 2.64 लाख से अधिक लोगों को लाभांवित करते हुए 3800 कैम्पों का आयोजन किया गया है। 2010-11 में सेल सेल ने गरीब और पिछड़े लोगों की सहायता करने के लिए विभिन्न एनजीओ को 24 एमएमयू/एम्बुलेंस उपलब्ध कराते हैं।

एनएमडीसी की निगमित सामाजिक जिम्मेदारियां उसके प्रतिष्ठान के साथ सटे उन गांवों में समुदाय के एकीकृत विकास पर केंद्रित हैं जो भारत के अत्यधिक पिछड़े आदिवासी गांवों में शुमार हैं। एनएमडीसी ने शिक्षा और दक्षता के विकास को लक्षित करते हुए रोजगार/स्वरोजगार के माध्यम से सतत आय सृजन में सुविधा देने के लिए गांवों का एकीकृत विकास आरंभ किया है। एनएमडीसी स्वास्थ्य देखभाल और अवसंरचना के क्षेत्र में भी सुविधाएं देने की पेशकश कर रहा है ताकि लाभभोगी आय सृजन गतिविधियों में शामिल हो सकें। एनएमडीसी ने दक्षिण बस्तर (दंतेवाड़ा) जिले में अपने बैलाडिला काम्पलैक्सों के आस-पास 58 आदिवासी गांवों की पहचान की है और पहले चरण में 13 गांवों में शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल और जागरूकता, संबंधित दक्षता हासिल करकेआय सृजन, एसएचजी बनाने, लिफ्ट सिंचाई और खेती की आधुनिक तकनीकों और औजारों के अंत में विकास कार्य आरंभ किए गए हैं। लाभभोगियों को अपेक्षित औजार और उपकरण भी दिए गए हैं। यह सुविधा किरणदुल परियोजना के आस-पास के अतिरिक्त 10 गांवों को भी गई है जिससे एकीकृत विकास के लिए गांवों की कुल संख्या 23 हो गई है। शैक्षिक वर्ष 2010-11 के दौरान एनएमडीसी ने बस्तर के 5 जिलों में 330 विद्यालयों में आदिवासी और गरीब छात्रों को लगभग 10,000 छात्रवृत्तियां दी हैं, छात्राओं सहित छात्रों के लिए विद्यालयों और छात्रावासों का निर्माण, 10,000 बच्चों को मध्याह्न भोजन, तकनीकी शिक्षा के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थाओं और पालिटेक्निक की स्थापना, मेडिकल कॉलेज की स्थापना में सहायता और आदिवासी तथा गरीब बच्चों के लिए प्रबंधन संस्थानों में सीटों के आरक्षण संबंधी कार्य किए हैं। दंतेवाड़ा, साउथ बस्तर, छत्तीसगढ़ में एक पालिटेक्निक कॉलेज स्थापित किया गया है। प्रथम बैच 2010-11 में 120 छात्र दाखिल किए गए हैं। नागरनार में आदिवासी बच्चों के लिए एक आवासीय विद्यालय स्थापित किया गया है। सुदूरवर्ती गांवों से 194 बच्चे विद्यालय में कक्षा-3 तक की कक्षाओं में अध्ययन कर रहे हैं। नागरनार में दो व्यवसायों के साथ एक भारतीय प्राद्योगिकी संस्थान की स्थापना की गई है। इसकी 'मोबाइल अस्पताल' सुविधा के अंतर्गत बैलाडिला में 37 गांवों में नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा दी जा रही है जिससे लगभग 20,000 आदिवासी ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं। एनएमडीसी ने जगदलपुर में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सरकार को 50 करोड़ रूपए का अंशदान दिया

है। 2010-11 के दौरान एनएमडीसी ने कुछ बड़ी अवसंरचना परियोजनाएं भी आरंभ की हैं। नामत: दंतेवाड़ा साउथ बस्तर में संकिनी नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण, बस्तर और साउथ बस्तर में 5 विद्यालयों/छात्रावासों की स्थापना, भिलाई और रायपुर में विशेष विद्यालय 'प्रयास' की स्थापना और जगदलपुर के लिए बाई-पास सड़क का निर्माण।

परिचालनाधीन परियोजनाओं के आस-पास के क्षेत्रों के विकास पर मुख्य से ध्यान केंद्रित करना:-

स्वास्थ्य देखभाल: प्रतिवर्ष लगभग 80000 ग्रामीणों के लिए परियोजना के अस्पतालों में नि:शुल्क उपचार। 37 गांवों के लिए चलते-फिरते अस्पताल। 14 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 2 पशु-चिकित्सा अस्पताल खोले गए हैं। राज्य के अस्पतालों को 3 एम्बुलेंस मुहैया किए गए हैं।

अवसंरचना विकास: 13 गांवों का एकीकृत विकास। 87 पुलों/पुलियों, लगभग 140 कि.मी. लंबी डब्ल्यूबीएम सड़कों का निर्माण किया गया, 22 गांवों का विद्युतीकरण किया गया। 37 खुले कुओं, 350 हैंड पंपों और 10 वाटर टैंकों का निर्माण किया गया। बेल्लारी में आश्रय स्कीम के माध्यम से बेघर लोगों के लिए शेल्टर्स का निर्माण। 9 आश्रम भवनों का निर्माण किया गया। 107 गांवों में स्वच्छता में सुधार करने और 74 गांवों का सौर विद्युतीकरण करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के साथ भागीदारी की गई।

शिक्षा: 41 नए विद्यालयों का निर्माण किया गया, 14 विद्यालयों के भवनों का विस्तार और 21 विद्यालयों का नवीकरण किया गया। नि:शुल्क आवास मुहैया करने के लिए छात्रावास। प्रत्येक वर्ष लगभग 11000 स्कूल वर्दियों वितरित की जाती हैं। दोणिमलै के आस-पास लगभग 10000 छात्रों को मध्याह्न भोजन। छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में लगभग 11000 छात्रों के लिए छात्रवृत्ति स्कीम। बैलाडिला में युवाओं के लिए दक्षता विकास।

आरआईएनएल के सीएसआर कार्य विकास गति के बनाए रखने और सामुदायिक विकास को इसमें शामिल करने पर केंद्रित होते हैं। कंपनी ने परिसरीय विकास शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जनकल्याण, खेल कूद एवं सांस्कृतिक पुनरूत्थान के क्षेत्र में 2011-12 के दौरान सीएसआर के जरिए अपने योगदान को सुदृढ़ किया है। ऐसे कार्य उन अनेकों राज्यों में जहां आरआईएनएल के खानों, बिक्री आदि में हित हैं, किए हैं। इनमें निम्न महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

- शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए अवसंरचना सहित विद्यालय का भवन (अरूणोदय स्पेशल स्कूल)।

- गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों की सेवा के लिए लॉयंस केंसर अस्पताल को 1.15 करोड़ रूपए की लागत से "संजीवन मोबाइल क्लीनिक" जो एक अद्वितीय तथा उन्नत मोबाइल केंसर यूनिट है।

- आदिवासियों को "कृत्रिम अंग"।

- "जलधारा" के तीसरे चरण के जरिए आदिवासी क्षेत्रों में पेय जल की एक नई स्कीम आरंभ की गई थी।

- उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हैंड पम्प और सोलर स्ट्रीट लाइट्स स्थापित करना, सोलर लालटेनों का वितरण करना।

- कई विद्यालय भवनों का निर्माण और स्कूल फर्नीचर, खेल उपकरण, पुस्तकालय में पुस्तकें, जूतों, स्कूल बैगों, प्लेटों और शीशों आदि का प्रावधान।

- बेरोजगार युवाओं के लिए हल्के मोटर वाहन ड्राइविंग, पोशाक बनाने, कढ़ाई कार्य, फेब्रिक पेंटिंग, ब्यूटीशियन कोर्स, कागज की प्लेटें बनाने, फिनाइल, डिटर्जेंट पाउडर बनाने और इलेक्ट्रिशियन कोर्स आदि जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण/आय सृजन कार्यक्रम आयोजित करना।

- विभिन्न चिकित्सा शिविर, व्यसन छुड़ाने संबंधी कार्यक्रम आयोजित करना और बाल प्रतिरक्षण, एड्स जागरूकता अभियान चलाना।

- मैसर्स शंकर फाउंडेशन के माध्यम से 5000 से अधिक निर्धन व्यक्तियों के लाभ के लिए नि:शुल्क मोतियाबिंद के आपरेशन करना।

- उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में आई. टी. आई. का शिलान्यास करना।

सामाजिक तौर से जागरूक कार्पोरेट के रूप केआईओसीएल ने प्रारंभसे ही अपनी परियोजना स्थलोंके और इनके आस-पास सामुदायिक विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान किया है। केआईओसीएल का दृष्टिकोण सामाजिक विकास में, विशेष तथा समाज के सर्वाधिक कमजोर वर्गों को ध्यान में रखते हुए विकास सुनिश्चित करना है। इन सामाजिक विकास कार्यों से सड़को, मकान, स्कूलों, अस्पतालों का निर्माण और आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में रह रहे हजारों लोगों को लाभान्वित करते हुए संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराई है। चालू वित्त वर्ष 2011-12 में कंपनी ने सीएसआर पर 230 लाख टन की राशि निर्धारित की है कंपनी ने सीएसआर कार्यों पर दिसंबर, 2011 तक लगभग 72.67 लाख रूपए खर्च किए हैं।

(vi) <u>इस्पात का ग्रामीण वितरण नेटवर्क</u>

- अपने उत्पादों तक पहुँच को व्यापक बनाने के उद्देश्य से, सेल देश के सभी जिलों को कवर करने के लिए अपने डीलर नेटवर्क का व्यापक विस्तार करने की प्रक्रिया में है। 01 जनवरी, 2012 की स्थिति के अनुसार सेल के डीलरशिप नेटवर्क में 2666 डीलर हैं जो 630 से अधिक जिलों में फैले हुए हैं। सेल की डीलरशिप नीति के अनुसार, डीलरों के लिए आम आदमी के लिए आवश्यक टीएमटी बार्स, जीपी/जीसी शीटों और अन्य वस्तुओं का स्टाक रखना और छोटे/खुदरा उपभोक्ताओं को सेल द्वारा निर्धारित मूल्यों पर उन्हें बेचना अपेक्षित है। विभिन्न जिलों/ब्लॉकों में डीलरों की नियुक्ति से प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर उपभोग स्थलों के निकट व्यापक खपत वाली स्टील की वस्तुएं उपलब्ध करने में मदद मिली है क्योंकि सेल को डीलरों के परिसरों से सेल के नजदीकी गोदाम से ढुलाई की लागत समाप्त हो जाती है। इसके फलस्वरूप, सेल का माल ग्रामीण और दूरवर्ती स्थानों पर उसी मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है जिस मूल्य पर सेल के सबसे नजदीकी गोदाम पर उपलब्ध कराया जाता है। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछले वर्गों को तरजीहः सेल की डीलरशिप नीति के अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों को तरजीह दी जाती है। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के डीलरों को प्रतिभूति जमा के भुगतान से छूट दी जाती है जबकि सामान्य श्रेणी के डीलर सम्मत मासिक उठान के 500/- रूपए प्रति टन की दर से प्रतिभूति जमा करेंगे। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित आवेदको को सेल का डीलर नियुक्त करने में तरजीह दी जा रही है बशर्ते कि वे उनके लिए यथानिर्धारित पात्रता के मानदंड/शर्तें पूरी करते हैं।

सेल ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अपने व्यवसाय का दायरा बढ़ाने के लिए अगस्त, 2011 में एक नई ग्रामीण डीलरशिप स्कीम आरंभ की है। ग्रामीण डीलरशिप स्कीम का मुख्य उद्देश्य

ब्लॉक, तहसील तथा तालुका स्तर पर छोटे ग्रामीण उपभोक्ताओं की इस्पात की मांग को पूरा करना है।

आरआईएनएल ने आम आदमी के लाभ के लिए 2011 में अपेक्षाकृत एक सरल ग्रामीण डीलरशिप स्कीम आरंभ की है। इस स्कीम के अधीन ब्लॉक और पंचायत स्तर पर उद्यमियों को डीलर नियुक्त किया जाता है। एक वर्ष से कम अवधि में 217 ग्रामीण डीलर नियुक्त किए गए हैं।

(vii) <u>ग्रामीण भारत में इस्पात की मांग के आकलन के लिए अध्ययन</u>

भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता आगामी वर्षों में कई गुणा बढ़ जाएगी। 200 कि.ग्राम के विश्व औसत की तुलना में भारत की वर्तमान कम प्रतिव्यक्ति 56 कि.ग्राम इस्पात की खपत से यह सुदृढ़ तर्क है कि घरेलू इस्पात उद्योग में काफी संभावना है। इस्पात मंत्रालय की अनुदान मांगों (2007-08) संबंधी कोयला और इस्पात संसदीय स्थाई समिति (पी एस सी) अपनी 25वी रिपोर्ट में नोट किया था कि इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात उद्योग हेतु अपेक्षित आधारभूत संरचना सृजित करना और इस्पात की प्रतिव्यक्ति खपत में वृद्धि करना आवश्यक है। समिति ने अवलोकन किया कि खपत के वांछित स्तर को प्राप्त करने में सबसे बड़ी बाधा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक भेद-भाव को दूर करना है। इसलिए समिति ने इच्छा व्यक्त की कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की मांग का आकलन करने के लिए सर्वे किया जाए।

संसदीय स्थाई समिति की सिफारिशों के अनुसरण में इस्पात मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात की मांग की आकलन करने के लिए संयुक्त संयंत्र समिति के जरिए सर्वेक्षण किया है। संयुक्त संयंत्र समिति ने इस सर्वेक्षण की फाइनल रिपोर्ट जुलाई, 2011 में प्रस्तुत की है। इस सर्वेक्षण में ग्रामीण क्षेत्रों में फिनिश्ड इस्पात की औसत प्रति व्यक्ति खपत ग्रामीण भारत में इस्पात की खपत की प्रवृत्तियों और भावी अनुमानों के संबंध में निष्कर्ष दिए गए हैं।

इस सर्वेक्षण में तीन वर्षों अर्थात 2006-07, 2007-08 और 2008-09 के आंकड़ों का विश्लेषण करने के प्रयोजन के लिए आंकड़ों का एकत्र किया गया और 2011-12, 2016-17 और 2019-20 की अवधियों के लिए ग्रामीण इस्पात मांग का मूल्यांकन किया गया। 2007 से 2009 तक की अवधि के दौरान ग्रामीण भारत में फिनिश्ड इस्पात की औसत प्रति व्यक्ति खपत 9.78 कि .ग्रा. आंकी गई है जिसके इस्पात उत्पादों के बढ़ते प्रभाव के आधार पर 2020 में बढ़कर लगभग 12 कि.ग्रा. हो जाने का अनुमान है। मुख्य रूप से अधिकांश परिवार स्तर पर

निर्माण कार्यों द्वारा और साथ ही व्यावसायिक उपयोग, फर्नीचर और वाहनों जैसी वस्तुओं द्वारा यह वृद्धि बढ़ाई जा सकती है। यह भी आशा है कि घरेलू वस्तुओं की मांग कुछ वर्षों बाद कम हो जाएगी। इसका मुख्य कारण कुछेक वस्तुओं के संबंध में इस्पात की बजाय प्लास्टिक का उपयोग बढ़ रहा है।

इस सर्वेक्षण में ग्रामीण भारत में इस्पात की खपत में वृद्धि करने के लिए भी सिफारिशें की गई हैं, जैसे आवासीय संरचना की किस्म में बदलाव, विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए इस्पात के डिजाइनों का उपयोग, समुदाय संरचनाओं में निवेश, लघु और मध्यम आकार के इस्पात उत्पादों का विनिर्माण, इस्पात के लाभ बताना, इस्पात की कलात्मकता में वृद्धि करना, इस्पात के संभार-तंत्र और आपूर्ति श्रंखला में सुधार करना और इस्पात के गुणवत्ता संबंधी पहलुओं का समाधान करना।

इस्पात मंत्रालय ने सर्वेक्षण में की गई सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए और उस पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है।

(viii) लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास कार्यों को प्रोत्साहन

इस्पात की खपत को आर्थिक विकास के एक सूचक के तौर पर लिया जाता है। वैश्विक इस्पात मानचित्र में भारत इस्पात की क्षमता वृद्धि, नई स्टेट ऑफ आर्ट स्टील मिल्स की स्थापना उद्यमियों द्वारा विश्व स्तर के क्षमता का अधिग्रहण, पुराने संयंत्रों का उन्नयन और सतत आधुनिकीकरण करके एक केन्द्रीय स्थान रखता है। लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) मुख्यतया इस्पात संयंत्रों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किया जाता है। वर्ष में लगभग 125 करोड़ रूपए का लोहा और इस्पात और गौण कंपनियों द्वारा आर एंड डी कार्यों में निवेश किया जाता है जो मुश्किल से इस्पात कंपनियों के सकल कारोबार का 0.15% से 0.25% है। घरेलू कच्ची सामग्री के उपयोग को बढ़ाने, तकनीकी आर्थिक प्राचलों में सुधार करने, ऊर्जा खपत और सीओ2 उत्सर्जन में कमी करने और नए इस्पात उत्पादन का विकास करने की आवश्यकता है। मंत्रालय के आर एंड डी के प्रोत्साहनवर्धक प्रयासों में प्रमुखतया निम्नलिखित तीन क्षेत्र शामिल होंगे:-

(क) नई प्रौद्योगिकियों, विशेष तौर से जो हमारे घरेलू संसाधनों से संबंधित हैं, को तेजी से अपनाने/अंगीकार करने के लिए पहल करना।

(ख) उपस्कर डिजाइन तैयार करने में घरेलू क्षमता का विकास करना और, लौह अयस्क चूर्ण और अकोककर कोयल का उपयोग करने वाली अभिनव प्रौद्योगिकी इस्तेमाल करना और

(ग) इंडक्शन भट्टी रूट, कच्चा माल सज्जीकरण आदि के जरिए उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना

आर एंड डी पर और अधिक बल देने के लिए इस्पात मंत्रालय निम्न दो योजनाओं के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करके सरकारी और निजी दोनों इस्पात क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को प्रोत्साहित कर रही है।

(i) इस्पात विकास निधि (एस डी एफ)

अधिकार प्राप्त समिति (ई सी) ने 544.00 करोड़ रूपए जिसमें एस डी एफ की राशि 264.00 करोड़. रूपए है, की लागत वाली 68 अनुसंधान परियोजनाओं का अनुमोदन किया है। इनमें से 35 परियोजनाएं पूरी कर ली गई हैं।

(ii) आर एंड डी के लिए सरकारी बजटीय सहायता (जीबीएस)

परियोजना अनुमोदन एवं निगरानी समिति (पीएएमसी) ने क्रमश: दिनांक 11.2.2010 और 23.11.2010 को आयोजित अपनी पहली और दूसरी बैठक में कुल मिलाकर 143.87 करोड़ रूपए की 8 परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया है। इस कुल लागत में से सरकार 96.23 ????? रूपए का वित्त पोषण करेगी। परियोजनाएं प्रगति पर हैं और इनकी अवधि 2 से 3 वर्ष है। इस स्कीम के तहत आर एंड डी परियोजनाओं का मुख्य जोर भारत में उपलब्ध स्लाइम और निम्न ग्रेड के कोयला (कोकिंग और नॉन कोकिंग) समेत निम्न ग्रेड के लौह अयस्क का समुपयोजन किए जाने पर है ताकि भारतीय इस्पात उद्योग में दीर्घकालीन विकास हो सके।

(ix) <u>चुनिंदा इस्पात मदों के संबंध में मेंडेटरी क्वॉलिटी कंट्रोल ऑर्डर</u>

उपभोक्ता मामले विभाग ने इस्पात मंत्रालय के साथ परामर्श करके 17 ऐसे स्टील उत्पादों को अभिज्ञात किया है जिनका उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य/सुरक्षा पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ रहा है और जो अवसंरचना के विकास के लिए भी संवेदनशील है। वर्तमान में आईएसआई के विनिर्देशनों (शेष 10 इस्पात मदों को लागू करने के लिए भी विचार-विमर्श चल रहे हैं) के आधार पर क्वॉलिटी कंट्रोल आर्डर के तहत इस्पात के 7 उत्पादों को शामिल किया गया है वे हैं प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट हेतु स्टील वॉयर/स्ट्रैंड्स, इपोक्सी कोटेड बार हेतु विनिर्देशन, और गल्वेनाइज्ड स्टील शीट हेतु विनिर्देशन इत्यादि।

(X) <u>अवसंरचनात्मक अडचनों को दूर करना</u>

इस्पात क्षेत्र को रेलवे संबंधी सुविधाएं देने में महत्वूपर्ण अड़चनों की पहचान करने के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया गया है जिसमें इस्पात उद्योग, इस्पात मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू) के जरिए 11वीं योजना में इस्पात क्षमता के प्रस्तावित विस्तार हेतु अवसंरचनात्मक सुविधाओं की पर्याप्तता पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में इस्पात क्षमता में प्रस्तावित विस्तार, विशेष तौर पर उड़ीसा, झारखंड तथा छत्तीसगढ़ के संदर्भ में, को पूरा करने के लिए परिवहन (रेलवे, सड़क तथा पत्तन), जल संसाधन तथा विद्युत संबंधी अवसंरचनात्मक आवश्यकता पर केंद्रित है।

(Xi) <u>क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) के अंतर्गत की गई पहल</u>

सीडीएम दीर्घकाल तक चलने वाली तथा पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के क्योटो प्रोटाकॉल के तहत की गई फ्लैग्जिबल व्यवस्थाओं में से एक है। केंद्रीय सरकार ने नेशनल सीडीएम अथॉरिटी (एनसीडीएमए) का गठन किया है जो उपयुक्त परियोजनओं को मेजबान देश का अनुमोदन (एचसीए) प्रदान करती है। अब तक लगभग 158 लोहा और इस्पात परियोजनाओं को एचसीए प्रदान किया गया है। इन परियोजनाओं से ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) में 105 मिलियन टन कार्बनडाईऑक्साइड (सीओ 2) के बराबर कमी होगी जिससे (वर्ष 2012 तक) 105 मिलियन टन सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन का सृजन होगा। जिसका महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में व्यापार किया जा सकता है। जो इस समय 15-25 यूरो प्रति सी ई आर यूनिट के बीच है। इस प्रकार कंपनियों के साथ-साथ देश को भी काफी लाभ होगा।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, आरआईएनएल ने हाल में कई क्लीन डेवलपमेंट मेकेनिज्म परियोजनाएं आरंभ की हैं:

1. कोक ओवन बैटरी में #4 में कोक की कूलिंग से विद्युत का उत्पादन।
2. सिंटर मशीन #3 में सर्कुलर कूलर से वेस्ट हीट रिकवरी।
3. सिंटर मशीन-3 में ऊर्जा दक्ष भट्टी की स्थापना।
4. एसएमएस-2 में #4 और 5 कंवर्टर से एलडी गैस की रिकवरी।
5. बॉयलर #6) में बीएफ गैस का उपयोग करके भाप का उत्पादन।

आरआईएनएल देश में ऊर्जा की निम्नतम खपत करने वाले संयंत्र में से एक है (लगभग 6 जी. सीएएल/टी/सीएस)। इस समय यह वेस्ट हीट/ऊर्जा/दबाव के उपयोग से लगभग 155 मेगावाट क्षमता का सृजन कर रहा है और 2 वर्ष के अंदर क्षमता के 323 मेगावाट तक पहुँच जाने की संभावना है। यह सीडीएम के प्रति आरआईएनएल की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

दो परियोजनाओं, नामत: ब्लास्ट फर्नेस-3 के स्टोव्स से वेस्ट हीट रिकवरी, ब्लास्ट फर्नेस-3 की टॉप प्रेशर रिकवरी टरबाइन पर वेस्ट प्रेशर का उपयोग करके विद्युत उत्पादन को नेशनल सीडीएम प्राधिकरण द्वारा होस्ट कंट्री की स्वीकृति दी गई है। इन परियोजनाओं का वैधीकरण किया जा रहा है।

सिंटर मशीन 1 और 2 में सिंटर स्ट्रेट लाइन कूलर पर 20.6 मेगावाट वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम की स्थापना करने के लिए आरआईएनएल ने सबसे पहले इस्पात मंत्रालय और वित्त मंत्रालय तथा जापान के न्यू इनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टैक्नोलॉजी डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन (एनईडीओ) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सिविल और संरचना निर्माण-कार्य किए जा रहे हैं। आपूर्ति के जापानी स्कोप के अधीन सभी उपकरण वीएसपी स्थल पर प्राप्त हो गए हैं। उपकरण का संस्थापन शीघ्र शुरू किया जाएगा।

(xii) वित्तीय उपाय

घरेलू इस्पात उद्योग को सहायता प्रदान करने के लिए पिछले एक वर्ष के दौरान सरकार द्वारा निमनलिखित उपाय किए गए हैं:-

- सभी इस्पात मदों पर 5 प्रतिशत का आयात सीमा शुल्क,
- सभी इस्पात मदों पर 10 प्रतिशत का आबकारी शुल्क (सैनवेट)
- पैलेट को छोडकर सभी प्रकार के लौह अयस्क चूरे पर 30 प्रतिशत का निर्यात शुल्क।

(xiii) जेंडर बजटिंग

स्त्री सशक्तिकरण हेतु वित्त मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेशानुसार मंत्रालय में एक जेंडर बजट सेल स्थापित किया गया है जिसका उद्देश्य मंत्रालय में जेंडर बजट की अवधारणा को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाना है।

4. पर्यावरण प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण

सेल के इस्पात संयंत्रों ने निर्धारित मानदंडों का अनुपालन करने और अपने पर्यावरणीय कार्यनिष्पादन में और अधिक सुधार करने के लिए कई उपाय किए हैं। पिछले कुछ वर्षों में, पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस और प्रतिबद्ध प्रयास किए गए हैं जो सतत विकास के लिए एक प्रमुख मानदंड है।

इन प्रयासों के फलस्वरूप महत्वपूर्ण पर्यावरणीय कार्य निष्पादन इंडीकेटर्स में सुधार हुआ है। सेल के संयंत्रों की चिमनियों से पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) उत्सर्जन भार, जो 2006-07 में 2.3 कि.ग्रा./टीसीएस (कच्चे इस्पात का टन) था, घट कर 2010-11 में 1.11 कि;ग्रा./टीसीएस हो गया है, जो कि पिछले 5 वर्षों के दौरान 52 प्रतिशत की कमी का द्योतक है। सेल के संयंत्रों से विशिष्ट बहि:स्राव का निकास 2010-11 में कम होकर 2.49 मी^{3}/टीएफसी (टन फिनिश्ड स्टील) हो गया है जो कि पिछले 5 वर्षों के दौरान लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि द्योतक है। विशिष्ट ऊर्जा खपत, जो 2001-02 में 7.74 जीसीएल/टीसीएस थी, कम होकर 2010-11 में 6.81 जीसीएएल/टीसीएस हो गई है। प्रत्येक वर्ष सेल के यूनिट व्यापक पौध रोपण कार्यक्रम चलाते हैं, ऐसी स्कीमों के आरंभ होने के समय से अब तक कुल 176 लाख से अधिक पादपकों का रोपण किया गया है।

वेस्ट विशेषतया ऐसी सोलिड वेस्ट्स जिनके सृजन को रोका नहीं जा सकता उन्हें उपयोगी मूल्यवर्धित उत्तोत्पादों में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। दूसरे शब्दों में प्रौद्योगिकी विकास और डिजाइन चरण से ही "सस्टेनेबल डेवलपमेंट" को लागू किया जाना है। भविष्य में यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसी प्रौद्योगिकियां, जो "सस्टेनेबल" नहीं हैं, को न तो मौजूदा संयंत्रों के विस्तार और न ही नई क्षमताओं की स्थापना करने में अपनाया जाना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए उद्यमी और सरकार दोनों स्तरों पर उचित हस्तक्षेप द्वारा प्रथम किए जाने की आवश्यकता है।

5. सुरक्षा उपाय

सुरक्षा कार्यनिष्पादन में सुधार एक सतत प्रक्रिया है और सेल के प्रबंधन ने कार्य स्थलों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।

भारत में लौह तथा इस्पात उद्योगों में समग्र सुरक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए निम्न उपचारात्मक उपायों को अपनाने की जरूरत है:

(i) कानूनी व्यवस्था को सख्त करना ताकि फैक्टरी निरीक्षण सुरक्षा अधिकारियों तथा लीगल फ्रेमवर्क की व्यवस्था को तदनुसार सशक्त बनाया जाना है। प्रौद्योगिकियों/कार्य पर्यावरण में परिवर्तनों को ध्यान में रखने के लिए कनूनी प्रावधानों में उन्नयन किया जाना चाहिए ताकि जहां तक संभव हो कमियों को दूर किया जा सके। सुरक्षा नीति के उल्लंघन की कोई भी घटना दंड से मुक्त न हो।

(ii) आईएलओ के दिशानिर्देशों तथा ओएचएसएएस 18001 के अनुरूप सथी संयंत्रों में ओएलएस प्रबंधन प्रणाली को अपनाया जाना चाहिए।

(iii) भारत में कुछ इस्पात संयंत्रों में अनेक पुरानी प्रौद्योगिकियां नामत: ट्वीन हर्थ फर्नेस, इनगोट मेकिंग आदि सभी भी उपयोग किया जा रहा है। ये प्रणालियां वहां कार्य करने वाले कर्मचारियों के लिए खतरनाक हैं और ऐसे संयंत्रों में सुरक्षा संबंधी सुधार करने के लिए इन्हें तत्काल हटाए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा नए प्रौद्योगिकीय विकास से सुरक्षित वातावरण स्थापित करने में सहायता मिलेगी।

(iv) निरंतर जोखिमों/खतरों का बेहतर मूल्यांकन करने के लिए इन सभी संयंत्रों में फायर मॉडलिंग और जोखिम संबंधी विश्लेषण किए जो की आवश्यकता है।

पहचान किए गए संवेदनशील क्षेत्रों में दुर्घटनाओं को होने से रोकने के लिए सेल के संयंत्रों/यूनिटों द्वारा किए गए कुछ ठोस उपाय निम्नलिखित हैं:-

- सुरक्षित परिचालन और अनुरक्षण कार्यविधियां तैयार करना और उनका पालन करना।

- ठेकेदार के कामगारों सहित सभी स्तर के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना।

- जांच सूची के अनुसार, अनुसूची के अनुसार निरीक्षण करना और सुरक्षा मानकों में पाए गए विचलन को समाप्त करना।

- ठेकेदार के कार्मिकों सहित सभी संबंधितों द्वारा कार्य विशिष्ट पर्सनल प्रोटेक्टिव उपकरण का उपयोग लागू करना।

- संवेदनशील कार्यों, जिनमें मल्टी एजेंसियां लाई गैस लाइन कार्य, बिजली बंद करने के कार्य कर रहे व्यक्ति, सीमित स्थान पर कार्य करने वाले व्यक्ति आदि अंतर्ग्रस्त हैं, के लिए वर्क परमिट/प्रोटोकोल प्रणाली का पालन करना।

- आपात संयंत्र के अनुसार आवधिक मॉक ड्रिल करना।

- भूमिगत तहखानों और तार वाली गैलरियों सहित सभी अग्नि प्रवण क्षेत्रों का कार्यक्रम के अनुसार निरीक्षण किया जाता है और मार्ग-निर्देशों के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर विसंगतियों, यदि कोई हो, को दूर करने के लिए कार्रवाई की जाती है।

- सुरक्षा प्रबंधन (ओएचएसएएस-18001 का कार्यान्वयन, आंतरिक और बाह्य सुरक्षा ऑडिट आदि) की सुव्यवस्थित संकल्पना पर बल देना।

- समान प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए जांच समितियों की सिफारिशोंका कार्यान्वयन।

6. आंकड़ों के संग्रहण और जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए संस्थागत ढ़ांचा

इस्पात उद्योग के नियंत्रणमुक्त होने से आंकड़ों का संग्रहण विशेष रूप से क्षमता और उत्पादन से संबंधित सूचना संग्रहित करना अब काफी जटिल हो गया है। सभी शेयरधारकों, नीति निर्माताओं, फर्मों, वित्तीय संस्थानों और उपभोक्ताओं द्वारा संसूचित निर्णय लेने की सुविधा हेतु एक विश्वसनीय और प्रभावी आंकड़ा आधार तैयार करने को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कानूनी प्रावधान/संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है। विद्यमान संस्था नामतः संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) तथा आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू) इस कार्य को कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, विद्यमान संस्थाओं नामतः संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) तथा आर्थिक अनुसंधान इकाई (ईआरयू), इंस्टिट्यूट फॉर स्टील डवलपमेंट एंड ग्रोथ (आईएनएसडीएजी), नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सैकेण्ड्री स्टील टैक्नोलॉजी (एनआईएसएसटी) तथा बीजू पटनायक नेशनल स्टील इंस्टिट्यूट (बीपीएनएसआई) को सार्वभौमिकीकरण की बदली हुई वास्तविकताओं के अनुरूप रिओरियेंटिड करने की आवश्यकता है।

7. नीतिगत पहलों से निष्कर्ष बजट की संगतता

11वीं योजना (2007-12) के दौरान इस्पात मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में चालू योजनाओं/परियोजनाओं जैसे क्षमता विस्तार, प्रौद्योगिकीय उन्नयन, लौह अयस्क तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण/विकास, अनुसंधान एवं विकास योजनाओं, नए स्लैब कास्टर की स्थापना, कोक ओवन बैटरी का पुनर्निर्माण, ए एम आर योजनाओं आदि से संयंत्रों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, गुणवत्ता तथा उत्पाद-मिश्र में सुधार होगा और उत्पादन की लागत में कमी होगी। अवधारणा पर बल देने सहित निष्कर्ष बजट की अवधारणा, रूपांकन, निष्कर्षोन्मुखी योजनाओं/कार्यक्रमों का कार्यक्रम और सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम तेैयार करने की अपेक्षा, क्षमताओं का मूल्यांकन तथा प्रभावी सुपुर्दगी प्रणाली से वास्तविक परिसम्पत्तियों और जनशक्ति के बेहतर उपयोग की संभावना है, परियोजना प्रबंधन और कार्यान्वयन में सुधार होने, तथा प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने की आशा है। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाओं/कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन से भारतीय इस्पात उद्योग के न केवल लागत, गुणवत्ता और उत्पाद मिश्र की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने अपितु दक्षता और उत्पादकता के अन्तर्राष्ट्रीय बेन्चमार्कों जो राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 में परिकल्पित उद्देश्य एवं लक्ष्य हैं, में भी योगदान देगी।

अध्याय IV

पिछले निष्पादन की समीक्षा-निष्कर्ष बजट 2011-12

इस्पात मंत्रालय ने निष्कर्ष बजट, 2011-12 में 49 योजना स्कीमों/कार्यक्रमों के संबंध में सूचना दी है। 11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित शामिल किया गया है। इस योजना को कार्यान्वयन के लिए औपचारिक रूप से दिनांक 23.1.2009 को अनुमोदित किया गया था। दिसंबर, 2011 तक आठ (8) आर एंड डी परियोजना प्रस्तावों का अनुमोदन कर दिया गया है। परियोजना की अवधि 2 वर्ष से 3 वर्ष है।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। योजना के स्वरूप पर निर्भर करते हुए सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनागत योजनाएं उनकी वार्षिक योजना अथवा पंचवर्षीय योजनाओं अथवा दोनों की घटक होती हैं। प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई योजनाएं हैं। अधिकांश योजनाएं कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और प्रचालनों से संबंधित हैं। इसलिए यह महसूस किया गया है कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी योजनाओं को शामिल करना न तो व्यवहारिक होगा और न ही निष्कर्ष बजट के उद्देश्य के अनुरूप होगा। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख योजना और गैर-योजनागत योजनाओं को ही शामिल किया जाए। इस मानदंड के आधार पर 40 योजनागत योजनाओं (सेल की 13 योजनाओं, आरआईएनएल की 19, केआईओसीएल की 2, एनएमडीसी की 3, मॉयल की 2 और इस्पात मंत्रालय की 1 योजनाओं) को निष्कर्ष बजट 2011-12 में शामिल किया गया था। 50.00 करोड़ रूपए से अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली इन 40 योजनाओं के संबंध में निष्कर्ष बजट, 2011-12 में दर्शाए गए प्रक्षेपित निष्कर्षों की तुलना में संयंत्र-वार वास्तविक उपलब्धियां (31 दिसंबर, 2011 तक) निम्नलिखित तालिका में दी गई हैं। यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश प्रमुख योजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं अत: इन योजनाओं की उपलब्धियों का अपेक्षाकृत अधिक सार्थक और वास्तविक मूल्यांकन इन योजनाओं के पूरा किए जाने के बाद ही संभव है।

निष्कर्ष बजट 2011-12 में अनुमानित प्रक्षेपित उत्पादन की तुलना में वास्तविक उपलब्धियाँ

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	50.00 करोड़ रूपए से अधिक की अनुमानित/मंजूर लागत की योजनाएं											
1.	स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल)											
(क)	भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)											
(i)	ऑक्सीजन संयंत्र-॥ में 700 टीपीडी एयर सेपरेशन यूनिट (एएसयू)	ऑक्सीजन, नाइट्रोजन व आर्गन की मांग में हुई बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन संयंत्र-॥ में नया एएसयू स्थापित किया जा रहा है।	258.18	60.00	60.00	700 टन ऑक्सीजन प्रतिदिन	जुलाई 09	जनवरी 12	45.49	178.90	--	मै0 क्राइयोजेन के साथ ठेका समाप्त, निविदा पुन: दी गई। मै0 एयर लिक्विड के साथ नया ठेका हस्ताक्षरित
(ii)	सीओबी-6 का पुनर्निर्माण	उत्पादन में सुधार करना तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानकों को प्राप्त करना।	191.20	30.00	25.00	--	जनवरी 10	जून 2011 में पूर्ण	19.06	144.78	--	पूर्ण हो गया है।
(iii)	बीएसपी का विस्तार	आधुनिक प्रौद्योगिकियों के जरिए तप्त धातु एवं क्रूड इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करना। भारतीय रेलवे की आवश्यकता को पूरा करने के लिए निम्न उत्पादन तथा ऊर्जा गहन इकाईयों को समाप्त करना, परिसज्जित इस्पात उत्पादन तथा विस्तार को बढ़ाकर सेमिज को घटाना, उच्चतर लोचता एवं लाभप्रदत्तता के लिए उत्पाद मिश्र में मूल्यवर्धन करना।	18847.00	5730.00	3285.00	तप्त धातु की क्षमता 4.82 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	मार्च 13	जून 13	1690.95	4139.18	--	एसएमएस-III (जून 2013) को छोड़कर मार्च, 2013 तक पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। एसएमएस-III पैकेज प्रभावित हुआ क्योंकि सिविल कार्य हेतु प्रारम्भिक संविदा पार्टी द्वारा धीमी प्रगति के कारण समाप्त करना पड़ा और पार्टी का जोखिम एवं लागत के आधार पर पुन: निविदा जारी की गई। इससे एसएमएस-III के अधीन सभी सहायक पैकेजों यथा बीओएफ, सीसीपी, अवसंरचना पैकेज आदि की प्रगति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ख)	राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी)											
(i)	ब्लास्ट फर्नेस (बीएफ) -4 में कोल डस्ट इंजेकशन सिस्टम	कोक दर में कमी तथा फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकी आवश्यकता	70.71	11.00	5.00	1:1 अनुपात के आधार पर कोक का पुल्वेराईज्ड कोल में प्रतिस्थापना। 120 किग्रा/ टीएचएम की दर से ब्लास्ट फर्नेस में कोल इंजेक्शन दर ।	अक्टूबर 08	मार्च 12	2.29	54.99	--	मै0 सिनो स्टील, चीन द्वारा डिजायन और इंजीनियरी में प्रारंभिक विलम्ब। मै0 सिनो स्टील द्वारा सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य तथा उपस्करों की सप्लाई में विलम्ब। वीजा नीति में परिवर्तन के कारण चीन के विशेषज्ञों के आगमन में विलंब हुआ। सिनो स्टील और सब एजेंसियों के मध्य वाणिज्यिक विवाद
(ii)	आरएसपी का विस्तार	आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु और क्रूड स्टील के उत्पादन में वृद्धि करना, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना, अधिक मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन करना और ऊर्जा खपत तथा पर्यावरण में सुधार करना तथा उत्पादन की लागत में कमी लाना।	12922.00	2619.00	3270.00	तप्त धातु की क्षमता 2.12 एमटीपीए से बढ़ाकर 4.5 एमटीपीए करना	मार्च 13	मार्च 13	1853.04	5883.4	--	--

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ग)	बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल)											
(i)	सिंटर संयंत्र में ईएसपी सहित बैटरी साईक्लोन्स का प्रतिस्थापन।	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदण्डों के अनुसार आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर की सांविधिक जरूरत को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रीसीपीटेटर्स द्वारा बैटरी साईक्लोन का प्रतिस्थापन।	80.60	15.00	3.00	आऊटलेट डस्ट के उत्सर्जन स्तर में 150 एम3/एनएम3 पर नियंत्रण करने के लिए 900,000 एम3/घंटा क्षमता के 6 ईएसपी।	अगस्त 10	सिंटर मशीन की बंद होने की उपलब्धता पर निर्भर करता है।	2.23	37.91	17.6.2010 को सिन्टर बैण्ड -3 के साथ ई.एस.पी-6 को सफलता पूर्वक शुरू करना	5 ईएसपी में से अभी तक 1 का उत्थापन हो चुका है। बीएसएल के लिए सिंटर की उपलब्धता महत्वपूर्ण है जो शटडाउन करने में कठिनाई उत्पन्न कर रही है।
(ii)	नए टर्बो ब्लोवर न. 8 की स्थापना	बीएफ-2 की कोल्ड ब्लास्ट (सीबी) की बढ़ी हुई जरूरत को पूरा करना।	125.92	15.00	50.10	सी बी में 4000 एनएम3/मिनट का ब्लोवर डिस्चार्ज वोल्यूम और ब्लोवर एंड में 3.9 किग्रा/सीएम3 का डिस्चार्ज प्रैशर।	अगस्त 09	जनवरी 12	26.78	75.3		(दिसम्बर 2011 में टर्बाईन प्रचालित की गई और ब्लोअर के साथ टर्बाईन का परीक्षण दिसम्बर 2011 में किया गया)
(iii)	सीओबी-1 व 2 का पुनर्निर्माण।	कोक के उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	500.90	90.00	110.00	उत्पादन में सुधार व पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण मानदंडों को प्राप्त करना।	अप्रैल 10	सीओबी 1 पूर्ण है सीओबी-2 जनवरी 2012	72.28	340.91	जून 2011 में सीओबी-1 से कोक पुशिंग शुरू हो गई। अक्तूबर 2011 में सीओबी-2 की बैटरी हीटिंग शुरू हो गई थी।	मै0 मेकॉन द्वारा धीमी गति से संसाधन जुटाना।
(iv)	बीएसएल का विस्तार	अतिरिक्त कोल्ड रोलिंग की क्षमता के साथ मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए हॉट रोल्ड क्वायल्स की उच्च मात्रा का रूपांतरण करना और ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी की स्थापना के जरिए तप्त धातु उत्पादन में वृद्धि करना।	6951.00	1309.00	1220.00	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स और तप्त धातु का उत्पादन 4.7 एमटीपीए से 5.77 बढ़ाना।	दिसम्बर 11	मार्च 12	431.96	2305.64	दिसम्बर 2011 में नई सीआरएम की पीएलटीसीएम में मैनुअल स्ट्रीप थ्रेडिंग हो गई है।	अवसंरचना ठेकेदार मै0 एरा इन्फ्रा द्वारा विलंब के कारण उपस्कर उत्थापन में विलंब हुआ। मै0 एसवीएआई एवं मै0 एमबीई के बीच समन्वय की समस्या के कारण पीएलटीसीएम के काय्र में अतिरिक्त विलम्ब हुआ।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
(घ)	इस्को स्टील प्लांट											
(i)	आईएसपी का विस्तार	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात का उत्पादन करने के लिए नई सुविधाएं स्थापित करना।	17960.59	2069.00	2140.00	2.7 एमटीपीए तप्त धातु, 2.5 एमटीपीए अपरिष्कृत इस्पात और 2.37 एमटीपीए विक्रेय इस्पात	दिसम्बर 10	मार्च 13	1798.86	12417.12	--	कठिन एवं अप्रत्याशित मृदा परिस्थितियों, सिविल एवं अवसंरचनात्मक कार्य में वृद्धि, बिल्डिंग अवसंरचनात्मक कार्य का धीमा क्रियान्वयन और झोराबुरी क्षेत्र में स्थानीय लोगों द्वारा कार्य में व्यवधान के कारण विलंब हुआ।
(ङ)	रॉ मैटेरियल डिविजन (आरएमडी)											
(i)	बोलानी आयरन ओर माइन की लोडिंग क्षमता में वृद्धि करना	लोडिंग क्षमता बढ़ाने के लिए और रेलवे लाइन में संशोधन करने के लिए, तथा फुल रैक लोडिंग के लिए ओवरहैड इलेक्ट्रिकल वर्क तथा सिग्नलिंग तथा दूरसंचार।	124.88	15.00	35.00	--	दिसम्बर 09	मार्च 12	6.07	86.23	जून, 2011 में मै0 टैक्कप्रो लिमिटेड से संबंधित परियोजना कार्य पर अतिक्रमण हटाया गया और परियोजना गतिविधियां शुरू की गई।	मै0 टैक्कप्रो लिमिटेड द्वारा कार्य की धीमी प्रगति, रेलवे द्वारा संशोधित आरेखन में विलम्ब और स्थानीय व्यक्तियों द्वारा भूमि के अतिक्रमण से स्थल की प्रगति प्रभावित हुई। लाईम-6 को मार्च, 2012 में पूरा करने की योजना है।
(ii)	मेघाहातापुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	125.78	40.00	30.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.50 एमटीपीए करना	जून 12	मार्च 13	8.38	15.68	--	मै0 टेक्कप्रो लिमिटेड द्वारा ड्राईंग प्रस्तुत करने में विलंब तथा लोडिंग सिस्टम के उन्नयन के क्रियान्वयन में विलंब को पूरा करने का निर्धारित कार्यक्रम प्रभावित हुआ है।
(च)	सामान्य											
(i)	जगदीशपुर की सेल इकाई का पुनर्जीवन	क्षेत्र में परिसज्जित और मूल्यवर्धित उत्पादों की मांग को पूरा करना।	105.42	40.00	40.00	150,000 टन/वार्षिक टीएमटी बार, 10000 टन/वार्षिक क्रैश बेरियर्स, 13000 टन/वार्षिक कोरूगेटिश शीट्स।	अक्तूबर 11	कार्य बंद है।	22.56	49.56	--	स्थानीय अड़चनों के कारण कार्य बंद है।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)											
(i)	कोक ओवन बैटरी (सीओबी) सं. 4, चरण-I	कोक की जरूरतों एवं शेष गैस को पूरा करने के लिए अन्य तीन कोक ओवन बैटरियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत के दौरान भी तप्त धातु व द्रव इस्पात के उत्पादन को इस स्तर पर बनाए रखने हेतु एक प्रतिस्थापन बैटरी की आवश्यकता होगी ।	380.46	20.00	10.00	0.75 एमटी कोक का उत्पादन करना	-	-	2.27	369.06	बैटरी-4 की कमीशनिंग हो रही है और प्रचालानाधीन है।	बैटरी चालू कर दी गई है। भुगतान निष्पादन गारंटी, अंतिम स्वीकृति और दावों के निपटान से संबंधित हैं।
(ii)	एयर सैपरेशन प्लांट (ए एस यू - 4)	कंबाइंड ब्लोइंग प्रोसेस हेतु ऑक्सीजन की कमी होने पर अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना । उत्पादित ऑक्सीजन बीएफ में प्रयुक्त की जाती है ।	170.00	27.00	30.00	एसएमएस में द्रव इस्पात और बीएफ में तप्तधातु का उत्पादन बढाने में सहायता करना ।	-	-	26.84	121.70	एएसयू-4: इकाई की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है तथा यह अक्टूबर, 2010 में प्रचालित हो चुकी है और स्थिरीकरण के अधीन है ।.	--
(iii)	कोक ओवन बैटरी (सीओबी) सं0 4-चरण-II	स्वंतत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 का प्रचालन करना। गैस का पूरा उपयोग तथा अतिरिक्त उपोत्पाद सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उपोत्पाद के बेहतर औचित्यकरण में वृद्धि और कोयल संभाल में शेष सुविधाएं।	355.30	112.00	50.00	स्वंतत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 का प्रचालन करना। उपोत्पाद की रिकवरी में वद्धि	-	-	35.90	134.82	कोल साइड: परामर्श दाता की नियुक्ति कर दी गई है सभी पैकेजों के आर्डर दे दिये गये है । साइट पर गतिविधियां विकासमान है। उतोत्पाद साइड: परामर्श दाता की नियुक्ति कर दी गई है सभी पैकेजों के आर्डर दे दिये गये है और संविदा सूची के अनुसार विकास हो रहा है।	संविदात्मक समयावधि के संदर्भ में अतिरिक्त समय की संभावना नहीं है। तथापि, बोलीदाताओं की कमजोर प्रतिक्रिया के चलते परामर्शदाता को अंतिम रूप देने में विलंब के कारण मूल समयावधि के संदर्भ में विलंब रहा।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iV)	द्रव इस्पात का 6.3 एमटीपीए तक विस्तार।	संयंत्र की क्षमता में वृद्धि।	8692.00	1600.00	1400.00	द्रव इस्पात के उत्पादन को बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए क्षमता करना ।	28-10-2005 / फरवरी '11 से चरणों में 36/48 माह	चरण-1 के लिए 2011-12 चरण-2 के लिए 2012-13	893.57	9050.38	चरण-1 पूरा हो गया है और बीओएफ और बीएफ को छोड़कर प्रचालन शुरू हो गया है और जिसके लिए शीघ्र ही उत्पादन शुरू होगा। चरण-2 अंतिम चरण में है।	अनुमोदित लागत 12291 करोड़ रूपये है। वृद्धि के कारण बढ़ी हुई लागत में आर्डर किए गए मूल्य के संदर्भ में कमी होने की संभावना है क्योंकि मजदूरी, सीमेंट, इस्पात आदि में वृद्धि को छोड़कर अधिकांश संविदाएं स्थायी मूल्य के आधार पर किए गए हैं। तथापि, परियोजना के पूरा होने पर वास्तविक वृद्धि का पता चलेगा। अनुषंगी पैकेजों के अंतर्वर्ती विलंब का निवल प्रभाव शून्य होने वाला है तथा ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मैल्टिंग शॉप, मिल्स आदि जैसे प्रमुख पैकेजों की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न आदानों को समय पर उपलब्ध करा दिया गया है अथवा करा दिया जाएगा।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(V)	बीएफ-1 और बीएफ-2 के लिए पुल्वेराईज्ड कोल इंजेक्शन सिस्टम	कम महंगे पुल्वेराईज्ड कोल की तुलना में महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम।	133.00	21.00	20.00	तप्त धातु का वर्धित उत्पादन। तप्त धातु की उत्पादन की लागत में कमी करना।	अकतूबर 2007	मई 12	7.06	82.33	कमीशनिंग के अधीन है।	मै0 सीईआरआई नामक चीनी प्रतिष्ठान द्वारा पैकेज में विलंब किया गया है। चीन से उपस्कर साईट पर प्राप्त हो गए हैं और उत्थापन कार्य प्रगति पर है एवं मामले पर कार्रवाई चल रही है।
(Vi)	लौह अयस्क खान तथा कोककर कोयला खानों का अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	600.00	10.00	10.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोककर कोयला/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और खानों के अधिग्रहण के लिए परिव्यय शामिल हैं।	जारी	जारी	--	--	हाजीगाक (अफगानिस्तान) लौह अयस्क खानें - भारत में चयनित 27 आवेदन पत्र प्रस्तुत किए गए हैं।	लौह अयस्क खानों के आबंटन के लिए राज्य सरकारों के साथ कार्रवाई की जा रही है तथा विदेशों में लौह अयस्क खानें अधिग्रहित करने की सभांवनाओं का पता लगाया जा रहा है। आरआईएनएल को दो कोककर कोयला खानें आबंटित की गई हैं जो व्यवहार्य नही है । आईसीवीएल के जरिए आस्ट्रेलिया में कोल परिसंपत्तियों के लिए कार्रवाई चल रही है।
(Vii)	लौह अयस्क भ्ंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	177.00	100.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	अक्तूबर 09	मई 12	85.37	165.56	प्रमुख पैकेजों के लिए आर्डर दे दिये गये है । इंजियरिंग पूरी होने की अंतिम अवस्था में है । निर्माण कार्य शुरू हो गये है तथा इनके मई 2012 के अंत तक पूरा होने की योजना है।	निरस्तीकरण तथा प्रमुख पैकेजों हेतु पुनः निविदा जारी करने के कारण परियोजना का कार्यक्रम पुनः निर्धारित किया गया । संयंत्र के परिचालन पर लौह अयस्क भंडारण परियोजना में वृद्धि, यद्यपि इसमें विलम्ब हुआ, से कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योकि केवल स्टाक को बढ़ाने के लिए इसकी आवश्यकता है ।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
(viii)	अनुषंगी सुविधाओं सहित 330 टीपीएच (छठा) बॉयलर	स्ट्रीम की आवश्यकता को पूरा करना।	350.00	54.00	30.00	विस्तार इकाईयों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रोसेस स्टीम बढेंगे और विद्युत के उत्पादन में मदद मिलेगी ।	दिसम्बर 10	अप्रैल 12	21.49	230.10	बायलर-6 का हाइड्रोलिक टेस्ट पूरा हो गया है और मुख्य स्ट्रीम पाइपिंग का उत्थापन कार्य प्रगति पर है। तथापि मै0 भेल द्वारा विलंब हुआ है और कमिशनिंग के लिए उनके साथ कार्रवाई की जा रही है।	मंत्रालय सहित उच्चतम स्तर पर निगरानी के बावजूद भेल द्वारा स्थल पर मुख्यतया आपूर्ति तथा कमजोर उत्थापन गतिविधियों के कारण विलंब हुआ। तथापि, हाल ही में कार्य की गति में सुधार हुआ है लेकिन परियोजना अभी भी निर्धारित समय सीमा से पीछे चल रही है।
(ix)	67.5 मेगावाट का टीजी-5 पावर इवेक्यूएशन सिस्टम	अतिरिक्त विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करना।	344.00	71.00	30.00	विस्तार इकाइयों की विद्युत आवश्यकता का आंशिक रूप से उत्पादन करना।	दिसम्बर 10	अगस्त 12	20.12	236.27	प्रमुख सिविल एवं स्ट्रक्चरल कार्य पूरे हो गए हैं। उपस्करों की आपूर्ति शुरू हो गई है। मै0 भेल द्वारा विलंब हुआ है और अब मई 2012 तक इकाई की कमिशनिंग की आशा है।	--
(x)	एपी ट्रांसको के 220 केवी सिस्टम को सुदृढ़ करना।	400 एमवीए की विद्युत की ट्रांसमिशन के लिए एपी पॉवर ग्रिड को सुदृढ़ करना।	86.00	30.00	50.00	विस्तार होने पर आरआईएनएल के लिए 400 केवीए की संविदागत मांग प्राप्त करने में सक्षम होगा।	सितम्बर 12	सितम्बर 12	32.16	63.03	--	--
(xi)	400 एमवीए पावर प्राप्त करने के लिए 220 केवीए के पॉवर सिस्टम का संवर्धन।	विस्तार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने में सक्षम बनने हेतु सब-स्टेशनों जैसे वीएसपी के इंटरनेल सिस्टमों को सुदृढ़ करना।	58.10	0.00	15.00	वीएसपी में 400 एमवीए पॉवर प्राप्त करने हेतु संवर्धन।	जनवरी 11	सितम्बर 12	7.53	7.53	--	--

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xiii)	बीएफ-I कैटेगरी मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3850 घन मीटर करना।	1760.00	500.00	25.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाकर 0.5 मिलियन टन से 2 मिलियन टन तथा 2.5 मिलियन टन करना।	एलओआई की तिथि से 21 माह	मार्च 13	2.60	2.60	--	बेसिक इंजीनियरिंग पूरी हो गई है। विस्तृत इंजीनियरिंग में प्रगति चल रही है। उपस्करों (देशी/आयातित) की अधिप्राप्ति शुरू हो गई है।
(xiii)	सिंटर प्लांट उपत्पादकता में वृद्धि करना।	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	70.00	2.00	सिंटर का उत्पादन 5.5 एमटी से बढ़ाकर 6.8 एमटी करना।	मार्च 11 तक	बीएफ कैटगरी मरम्मत के अनुकूल करना	0.48	0.48	--	मुख्य पैकेज के लिए ईओआई जारी कर दी गई है और बोलीदाताओं के साथ शर्तों पर विचार विमर्श पूरा हो गया है। निविदा जारी करने के लिए प्रारूप विशिष्टियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
(xiv)	एसएमएस कंवर्टर की मरम्त	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। इससे यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	180.00	35.00	2.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए टैक्नोलॉजिकल आवश्यकता।	एक कनवर्टर - मार्च, 2011 अन्य दो - मार्च 2012	बीएफ कैटगरी मरम्मत के अनुकूल करना	0.00	0.00	--	शीघ्र ही निविदा कीमत खोली जाएगी।
(XV)	सिंटर मशीन 1 और 2 के सिंटर स्ट्रेटलाइन कूलर संबंधी 20.6 मेगावाट की वेस्ट हीट रिकवरी परियोजना	ग्रीन प्लान ऐड के तहत न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नालॉजी आर्गेनाईजेशन (एनईडीओ) के प्रौद्योगिकिय सहयोग के तहत सिंटर मशीन 1 और 2 के वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम आन स्ट्रेट लाइन कूलर के जरिए 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	150.00	80.00	25.00	सिंटर मशीनों की वेस्ट हीट से और कोई फोसिल ईंधन जलाए बगैर 20.6 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	25.03.12	मार्च 12/जून 12	5.81	6.30	भारतीय घटकों के सभी पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं। स्थल पर जापान से उपस्कर की प्राप्ति हो चुकी है। सिविल और स्ट्रक्चरल का कार्य प्रगति पर है। शीघ्र ही उपस्कर उत्थापन का कार्य शुरू होगा।	मामले पर अनुवर्ती कार्रवाई जारी है। जापान में सुनामी के कारण कुछ प्रभाव पड़ा है जिसका मार्च, 2012 में कमीशनिंग शुरू होनी है लेकिन जून, 2012 तक नियमित प्रचालन होगा।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
(xvi)	वाटर भंडारण सुविधाओं में वृद्धि	विस्तार की जल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 16 एम क्यू एम क्षमता के अतिरिक्त भंडारण जलाशय का निर्माण	220.00	10.00	-	-	16 क्यूएम द्वारा जल भंडारण क्षमता को बढ़ाना	-	-	-	-	सर्वेक्षण तथा मृदा जांच का कार्य पूरा हो गया है। ग्रिन बेल्ट की सूटिंग के लिए वन मंत्रालय से मंजूर प्राप्त करने के बाद आगामी कार्य किये जाएगें ।
(xvii)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	974.76	100.00	2.00	इस्पात का उत्पादन बढ़ाकर 0.97 एमटी करना।	समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 30 माह (अनुमानित: सितम्बर 2012)	समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 30 माह (अनुमानित : सितम्बर 2012)	0.00	0.00	संविदा हस्ताक्षरित होने की तारीख से 30 माह ।	कनवर्टर 3 और कास्टर की परामर्शदात्री सेवा के लिए मै0 मेकान को आर्डर दे दिए गए हैं। तीसरा कनवर्टर: बोली कीमत खोली जानी है। चौथा कास्टर: 9 फरवरी, 2012 को अंतिम तिथि के रूप में एनआईटी जारी कर दी गई है।
(xviii)	एएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना	जारी	125.00	125.00	उपस्करों की अच्छे रखरखाव को बनाये रखना तथा संयंत्र की कार्यशील जीवन के संदर्भ में उत्पादन / उत्पादकता के वर्तमान स्तर को बनाए रखना	जारी	--	96.25	--	--	--
(xix)	आर एंड डी स्कीमें	उत्पादकता में वृद्धि करना / लागत में कमी करना / नए उत्पादों का विकास करना	जारी	14.00	14.00	जॉच अध्ययन, असफल विश्लेषण के जरीये प्रचालन गतिविधियों हेतु प्रौद्योगिकी समाधानों के साथ-साथ परेशानी उत्पन्न करने वाली वर्तमान प्रौद्योगिकी का विकास और लागत में कमी करने / उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रक्रिया मानदण्डों का आलोचनात्मक गहन परीक्षण	जारी	--	11.40	--	--	--

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
3.	केआईओसीएल लिमिटेड											
(i)	मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग का विकास	मैग्नेटाईट लौह अयस्क सांद्रण देश में उपलब्ध नहीं होगा और पैलेट संयंत्र के प्रचालन के लिए कच्चे माल के रूप में बेल्लारी/हॉस्पेट के उच्च ग्रेड के हैमेटाईट लौह अयस्क का प्रयोग करना दीर्घकाल के लिए एक वैकल्पिक स्रोत माना जाता है। अधिकांश कच्चे माल की ढुलाई रेल द्वारा की जानी है इसलिए मंगलौर में एक स्थायी रेलवे साइडिंग विकसित करने का प्रस्ताव है।	130.00	10.00	4.53	मंगलौर में प्रति वर्ष 4 एमटी लौह अयस्क की प्राप्ति	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।		--	--	--	मैसर्स केआरएल ने संशोधित डीपीआर प्रस्तुत कर दी है । सुरक्षा कारणों के लिए डायमण्ड क्रासिंग से बचने के लिए केआरएल ने पूर्व प्रस्तावित रूट को पुर्न रेखाकिंत किया है जिससे केआईएडीबी भूमि की स्वेपिंग और निजी भूमि की खरीद आवश्यक हो गई है कम्पनी उक्त भूमि को निजी पार्टियों से अधिग्रहण करने की सम्भावना का पता लगा रही है । 2.945 एकड़ निजी भूमि की पहले ही अधिप्राप्ति कर ली गई है और शेष भूमि की अधिप्राप्ति प्रक्रियाधीन है।
(ii)	रेल द्वारा लौह अयस्क की प्राप्ति के लिए भारी माल संभाल की सुविधाओं का निर्माण	चूंकि अधिकांश कच्चे माल का परिवहन रेल के जरिए किया जाता है। केआईओसीएल को अपने पैलेट प्लांट तथा ब्लास्ट फर्नेस यूनिट के लिए लौह अयस्क का प्रेषण प्राप्त करने के लिए भारी माल संभाल सुविधाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव है।	173.00	5.00	0.00	पैलेटों के उत्पादन के लिए प्रति वर्ष 4 एमटी लौह अयस्क की आपूर्ति	आवश्यक सांविधिक मंजूरियों सहित नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा।		--	--	--	

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर	दिसंबर 11 तक संचित		
4.	एनएमडीसी लिमिटेड											
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	100.00	50.00	7 एमटीपीए की क्षमता	अक्तूबर 09	मार्च 12	39.80	313.84	सभी पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं और कार्य अंतिम चरण में है।	क्षमता 3 एमटीपीए से बढ़कर 7 एमटीपीए हो गई है और दिनांक 16.5.08 को अनुमोदित पूंजी परिव्यय की राशि 607.17 करोड़ रूपये है। नक्सली गतिविधियों और माओवादियों द्वारा निरंतर बंद के आह्वानों से स्थल की प्रगति प्रभावित हुई है। कार्य के घंटे केवल दिन की अवधि के लिए निर्धारित किए गए हैं।
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	898.55	80.00	60.00	7 एमटीपीए की क्षमता	मार्च 13	मार्च 13	30.95	56.70	सभी मुख्य पैकेज आबंटित कर दिए गए हैं। सड़क सेवा सुविधाएं आदि जैसे 3 सहायक पैकेजों के लिए आर्डरों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।	बेल्लारी और पड़ौसी जिलों में खनन प्रतिबंध के चलते रेत और स्टोन ब्लास्ट की कमी और अनुपलब्धता प्रति दिन की प्रगति को प्रभावित कर रही है।
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के लिए डाईवर्सीफाई करना	572.00	100.00	40.00	1.2 एमटीपीए की क्षमता	अप्रैल 13	अप्रैल	26.98	31.93	सभी प्रमुख पैकेजों के लिए आर्डर दे दिए गए हैं और कार्य प्रगति पर है	बेल्लारी और पड़ौसी जिलों में खनन प्रतिबंध के चलते रेत और स्टोन ब्लास्ट की कमी और अनुपलब्धता प्रति दिन की प्रगति को प्रभावित कर रही है।
5.	मॉयल लिमिटेड											
(i)	फैरो मैंगनीज/सिलिका मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	सेल के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में इस परियोजना को भिलाई में स्थापित किया जाएगा।	391.00	25.00	30.00	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना 31000 एमटी फैरो मैंगनीज तथा 75000 एमटी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	जून 2012 तक परियोजनाओं को पूरा करना निश्चित किया गया है।	परियोजना के जनवरी 2014 तक पूरे होने की आशा है।	2.00	4.10	--	परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहित जा चुकी है तथा उपस्कर प्राप्ति के लिए निविदा प्रक्रियाधीन है ।
(ii)	फैरो मैंगनीज/सिलिका मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	सेल के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में इस परियोजना को भिलाई में स्थापित किया जाएगा।	217.00	10.00	10.00	सेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह परियोजना 20000 एमटी फैरो मैंगनीज तथा 37500 एमटी सिलिको मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	जून 2012 तक परियोजनाओं को पूरा करना निश्चित किया गया है।	परियोजना के सितम्बर 2013 तक पूरे होने की आशा है।	0.00	0.10	--	परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहित जा चुकी है तथा उपस्कर प्राप्ति के लिए निविदा प्रक्रियाधीन है ।

(करोड़ रूपये)

सं	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2011-12		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित परिणाम	प्रक्षेपित समय-सीमा		वास्तविक व्यय		प्रक्षेपित उत्पादन (कॉलम 7) के संदर्भ में उपलब्धियां	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल - दिसंबर 11 के लिए	दिसंबर 11 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
ख.	इस्पात मंत्रालय की योजना											
(i)	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी में सुधार करने के लिए योजना।	लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिकेशन और मिश्रण। प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना।	118.00	39.00	29.00	गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। भारतीय कच्ची सामग्रियों नामतः निम्न ग्रेड लौह अयस्क, गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूप का विकास करना। नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाईन में परिवर्तन (रिफ्रैक्ट्री) प्रेरण भट्टी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस इस्पात का उत्पादन करना। हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन। भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाईम्स का बैनीफिशिएशन। चूरे की बदलती डिग्री के साथ भारतीय गोथेटिक/हेमेटाइटिक अयस्क के लिए पायलेट स्केल पैलेटाइजेशन टेक्नोलॉजी का विकास। प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाईरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले कोयले से निम्न राखांश वाले कोयले (10 प्रतिशत राखांश कोकिंग/गैर कोकिंग) का उत्पादन।	11वीं योजना 2007-12 के दौरान	इसके 11वीं योजना (2007-12) से 12वीं योजना (2012-17) में चले जाने की संभावना है।	9.51	40.69	परियोजनाएं प्रगति पर हैं।	व्यय वित्त समिति ने 3 प्रमुख क्षेत्र अभिज्ञात किए हैं जिनके तहत इस योजना को बढ़ावा दिया जाएगा। विशेषज्ञों के एक पैनल के परामर्श से परियोजना अनुमोदन एवं प्रबोधन समिति (पीएएमसी) के विचार हेतु 9 अनुसंधान एवं विकास प्रस्ताव छांटे गए हैं। पीएएमसी ने 8 आर एण्ड डी परियोजनाओं का अनुमोदन कर दिया है । परियोजना की कुल लागत 143.87 करोड़ रूपये है जिसमें से पूंजीगत व्यय पर अधिकतम 50 प्रतिशत अनुदान की स्थिति को देखते हुए पूर्व में अनुमानित 111.11 करोड़ रूपये में से सरकारी अनुदान घटा कर 96.23 करोड़ रूपये कर दिया गया है क्योंकि ऐसा ईएफसी द्वारा निर्धारित किया गया है।

अध्याय - V

वित्तीय समीक्षा

वर्ष 2012-13 की मांग संख्या 92 को बजट सत्र के दौरान इस्पात मंत्रालय की ओर से ससंद में प्रस्तुत किया जाएगा । इस मांग में इस्पात मंत्रालय के लिए गैर योजना व्यय और इनके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी उपक्रमों के योजना व्यय शामिल हैं।

1. वर्ष 2012-13 में निधि की कुल आवश्यकता

1.1 बजट अनुमान 2012-13 में मांग संख्या 92 में शामिल निधि की कुल आवश्यकता को निम्न तालिका में सक्षिप्त रूप से दिया गया है :-

(करोड़ रूपए)

2012-2013 के लिए मांग संख्या 92	**बजट अनुमान 2012-13**		
	योजना	गैर-योजना	योग
राजस्व खंड	46.00	75.89	*121.89*
पूंजी खंड	0.00	0.00	*0.00*
कुल (सकल)	46.00	75.89#	*121.89*

गारंटी शुल्क को मांफ करने से संबंधित लेखा समायोजनों के लिए 6.60 करोड़ रूपए का प्रावधान शामिल है।

2. वास्तविक व्यय: वर्ष 2009-10 से 2011-12 (दिसम्बर, 2011 तक)

2.1 संबंधित वर्षों के बजट अनुमान और संशोधित अनुमान की तुलना में पूर्व तीन वर्षो के दौरान मंत्रालय के अनुदान के अन्तर्गत वास्तविक योजना और गैर योजना व्यय (सकल) का सार नीचे दिया गया है :-

(करोड़ रूपए)

वर्ष	बजट अनुमान			संशोधित अनुमान			वास्तविक खर्च		
	गैर-योजना	योजना	योग		गैर-योजना	योजना	योग		गैर-योजना
2011-12	70.76	40.00	110.76	204.94	30.00	234.94	58.47	9.51	67.98#
2010-11	78.92	36.00	114.92	80.24	30.00	110.24	67.77	27.05	94.82
2009-10	89.01	34.00	123.01	811.19	16.01	827.20	803.90(1)	7.14	811.04

दिसंबर, 2011 तक के व्यय

(1) इसमें शामिल हैं (i) एचएससीएल और मेकॉन के संबंध में गारंटी शुल्क माफ किए जाने हेतु 7.65 करोड़ रूपए का लेखा समायोजन (ii) बर्ड ग्रुप की कंपनियों की अनुमोदित वित्तीय पुनर्संरचना के अनुसार इन कंपनियों के संबंध में ऋण (8.06 करोड़ रूपए) को बट्टे खाते डालने और ब्याज (720.63 करोड़ रूपए) को माफ करने के लिए 728.69 करोड़.. रूपए का लेखा समायोजन।

3. गैर योजना व्यय

3.1 वर्ष 2011-12 (बजट अनुमान और संशोधित अनुमान) में सचिवालय, विशेष, पीएओ (इस्पात) विकास आयुक्त, लोहा एवं इस्पात (डी सी आई एंड एस) कोलकाता समेत इस मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों का गैर योजना प्रावधान तथा वर्ष 2012-13 (बजट अनुमान) में निधि की आवश्यकताओं का ब्यौरा निम्न तालिका में दिया गया है :-

(करोड़ रूपए)

सं.	मुख्य शीर्ष एवं व्यय की मदें	बजट अनुमान 2011-12	संशोधित अनुमान 2011-12	बजट अनुमान 2011-12 की तुलना में संशोधित अनुमान में % बढ़ोतरी	बजट अनुमान 2012-13	बजट अनुमान 2011-12 की तुलना में % बढ़ोतरी
I.	मुख्य शीर्ष - 3451					
1.	सचिवालय - आर्थिक सेवाएं	20.37	17.54	*-13.89%*	20.00	*-1.82%*
II.	मुख्य शीर्ष - 2852					
2.	विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात, कोलकाता	0.52	0.56	*7.69%*	0.61	*17.31%*
3.	प्रतिष्ठित धातुकर्मियों को पुरस्कार	0.14	0.14	*0.00%*	0.14	*0.00%*
4.	ब्याज इमदाद:					
(i)	वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान हेतु हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि. को इमदाद	46.90	46.90	*0.00%*	46.90	*0.00%*
(ii)	वीआरएस के कार्यान्वसन के लिए के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान हेतु मेकॉन लि. को इमदाद	2.83	2.71	*-4.24%*	1.64	*-42.05%*
5.	गारंटी शुल्क माफ करना (गैर-नकद संव्यवहार)					
(i)	एचएससीएल - नकद साख (सी सी) सीमा, बैंक गारंटी (बीजी) और वीआरएस ऋणों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।	6.10	6.10	*0.00%*	6.10	*0.00%*
(ii)	मेकॉन लिमिटेड - वीआरएस ऋणों/बॉंडों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।	0.85	0.85	*0.00%*	0.50	*-41.18%*
	धटाएं- निवल प्राप्तियां [5(i) से (ii)]#	*-6.95*	*-6.95*	-	*-6.60*	*-5.04%*
6.	अनुदान सहायता					
(i)	बिसरा स्टोन लाईम कंपनी लिमिटेड, बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज के अंतर्गत एक कंपनी को अनुदान	-	*137.09*	-	-	-
	योग: गैर-योजना व्यय (प्राप्तियों का निवल)	**70.76**	**204.94**	**189.63%**	**69.29**	**-2.08%**
	योग: गैर-योजना व्यय (सकल)	**77.71**	**211.89**	**172.67%**	**75.89**	**-2.34%**

वित्त मंत्रालय की सलाह के अनुसार जिन मामलों में नकद लेन-देन नहीं हुआ है उनमें प्रावधान निवल होंगे।

3.2 संशोधित अनुमान 2011-12 में मंत्रालय के गैर योजना प्रावधान बजट अनुमान 2011-12 के गैर योजना से अधिक है क्योंकि पुनर्संरचना से उत्पन्न होने वाली आयकर देयताओं के भुगतान हेतु बिसरा स्टोन लाईम कंपनी लिमिटेड के लिए अनुदान सहायता का अतिरिक्त प्रावधान करना पड़ा है जिसकी आंशिक पूर्ति दूसरे अनुपूरक अनुदान मांगों और पुनर्विनियोजन से किया जाएगा।

3.3 बजट अनुमान 2011-12 में 77.71 करोड़ रू0 के गैर योजना प्रावधान की तुलना में 2012-13 का बजट अनुमान प्रावधान 75.89 करोड़ रू0 है।

4. **योजना व्यय**

4.1 बजट अनुमान 2012-13 में निधि की कुल योजना आवश्यकता 46.00 करोड़ रूपये है जो निम्न के लिए है:-

(i) 44.00 करोड़ रूपए मंत्रालय द्वारा 11वीं योजना (2007-12) के दोरान क्रियान्वित की जा रही लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन स्कीम के लिए प्रस्तावित किए गए हैं।
(ii) निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं अयस्क फाइंस के बेनिफिशिएशन और एग्लोमरेशन की प्रोत्साहन स्कीम के लिए 1.00 करोड़ रूपए।
(iii) गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा कार्य कुशलता सुधारने की स्कीम के लिए 1.00 करोड़ रूपए।

4.2 बजट अनुमान 2011-12 में 40 करोड़ रू0 की कुल योजना बजटीय सहायता को संशोधित अनुमान 2011-12 में कम करके 30.00 करोड़ रू0 कर दिया था । बजट अनुमान 2012-13 में 46 करोड़ रू0 की कुल योजना बजटीय सहायता का प्रावधान किया गया है। 2011-12 से 2012-13 तक योजना प्रावधान का ब्यौरा निम्न तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	संगठन/उपक्रम का नाम	योजना	योजना बजटीय सहायता (बजट अनुमान) 2011-12	योजना बजटीय सहायता (संशोधित अनुमान) 2011-12	योजना बजटीय सहायता (बजट अनुमान) 2012-13	बजट अनुमान 2011-12 की तुलना में बजट अनुमान 2012-13 में % बढ़ोतरी
1.	एचएससीएल	बड़े पैमाने पर मरम्मत कार्य निर्माण उपस्कर एवं मशीनों की अधिप्राप्ति के लिए योजना ऋण	1.00*	1.00*	0.00	*0.00%*
2.	इस्पात मंत्रालय					
(i)		लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन स्कीम हेतु अनुदान सहायता	39.00	29.00	44.00	*12.82%*
(ii)		निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं अयस्क फाइंस के बेनिफिशिएशन और एग्लोमरेशन की प्रोत्साहन स्कीम	-	-	1.00#	
(iii)		गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा कार्य कुशलता सुधारने की स्कीम	-	-	1.00#	
	योग		**40.00**	**30.00**	**46.00**	**15.00%**

*सरकार के विचाराधीन एचएससीएल की पुनर्संरचना के लिए सांकेतिक प्रावधान

5. आर एंड डी स्कीम का सार

5.1 11वीं योजना 2007-12 के लिए इस्पात उद्योग के कार्यदल की सिफारिशों के आधार पर 11वीं पंचवर्षीय योजना में 118 करोड़ रू0 के परिव्यय के साथ "लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी के प्रोत्साहन हेतु योजना" नामक एक नई योजना को शामिल किया गया था । इस योजना का उद्देश्य भारतीय लौह अयस्क चूर्ण और अकोककर कोयले का उपयोग करने वाली प्रेरक/पाथ ब्रेकिंग टेक्नालॉजी को विकसित करने में आर एंड डी कार्यों को प्रोत्साहित करना और इनमें तेजी लाना, इंडक्शन फर्नेस रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना और लौह अयस्क, कोयला आदि जैसी कच्ची सामग्री या सज्जीकरण और सम्मिश्रण (जैसे पैलेराइजेशन) करना है । इस योजना को वित्तीय वर्ष 2009-10 से (दिनांक 01.04.2009 से) कार्यान्वित करने के लिए दिनांक 23.01.2009 को अनुमोदन प्रदान किया गया था।

5.2. स्कीम के तहत निधि आबंटन और जारी की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

अवधि	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक	अभियुक्तियां
2009-10	26.00	13.00	4.14	यह धनराशि अनुदान सहायता की प्रथम किस्त के रूप में जारी की गई थी।
2010-11	35.00	29.00	27.05	-
2011-12	39.00	29.00	9.51	दिसंबर, 2011 तक 9.51 करोड़ रूपए जारी किए गए
2012-13	46.00			प्रस्तावित 46.00 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता में से दोनों नई स्कीमों में प्रत्येक के लिए 1.00 करोड़ रूपए का सांकेतिक प्रावधान

6. वर्ष 2012-13 (बजट अनुमान) के वार्षिक योजना परिव्यय

6.1 इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वार्षिक योजना वर्ष 2012-13 प्रस्तावों और योजना आयोग के साथ हुए विचार-विमर्श के आधार पर तथा 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) को समग्र रूप से ध्यान में रखते हुए योजना आयोग ने इस्पात मंत्रालय के लिए वर्ष 2012-13 (बजट अनुमान) हेतु निम्नलिखित परिव्यय को अनुमोदन प्रदान किया है:-

(करोड़ रूपए)

		वास्तविक 2010-11	***बजट अनुमान* 2011-12**	***संशोधित अनुमान*** 2011-12	***बजट अनुमान*** 2012-13
क)	सकल बजटीय सहायता	27.05 0.00	40.00 0.00	30.00 0.00	46.00 0.00
ख)	आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधन (आई एंड ईबीआर)	15067.54	21062.71	16827.13	21756.00
	योग	***15094.59***	***21102.71***	***16857.13***	***21802.00***

6.2 वार्षिक योजना 2011-12 (बजट अनुमान एवं संशोधित अनुमान) और वार्षिक योजना 2012-13 (बजट अनुमान) हेतु योजना परिव्यय का पीएसयू-वार ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	पीएसयूज/ संगठन का नाम	बजट अनुमान 2011-12			संशोधित अनुमान 2011-12			बजट अनुमान 2012-13		
		आईईबीआर	बीएस	कुल	आईईबीआर	बीएस	कुल	आईईबीआर	बीएस	कुल
	क. पीएसयूज की स्कीमें									
1	सेल	14337.00	0.00	14337.00	12630.00	0.00	12630.00	14500.00	0.00	14500.00
2	आरआईएनएल	3046.00	0.00	3046.00	1964.50	0.00	1964.50	1942.00	0.00	1942.00
3	एचएससीएल	0.00	1.00@	1.00	0.00	1.00@	1.00	0.00	0.00	0.00
4	मेकॉन	2.00	0.00	2.00	2.00	0.00	2.00	5.00	0.00	5.00
5	एमएसटीसी	15.00	0.00	15.00	5.00	0.00	5.00	25.00	0.00	25.00
6	एफएसएनएल	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00
7	एनएमडीसी लि.	3309.00	0.00	3309.00	2020.00	0.00	2020.00	4655.00	0.00	4655.00
8	केआईओसीएल लि.	98.00	0.00	98.00	75.00	0.00	75.00	409.00	0.00	409.00
9	मॉयल लिमिटेड	107.71	0.00	107.71	114.88	0.00	114.88	208.00	0.00	208.00
10	बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनी	136.00	0.00	136.00	3.75	0.00	3.75	--	--	--
11	लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा देने की योजना	0.00	39.00	39.00	0.00	29.00	29.00	0.00	44.00	44.00
12	निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं अयस्क फाइंस के बेनिफिशिएशन और एग्लोमरेशन की प्रोत्साहन स्कीम	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.00#	1.00
	गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा कार्य कुशलता सुधारने की स्कीम	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.00#	1.00
	योग-क	***21062.71***	***40.00***	***21102.71***	***16827.13***	***30.00***	***16857.13***	***21756.00***	***46.00***	***21802.00***
	ख. केंद्र द्वारा प्रायोजित परियोजनाएं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग - ख	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***	***0.00***
	सकल योग-क + ख	***21062.71***	***40.00***	***21102.71***	***16827.13***	***30.00***	***16857.13***	***21756.00***	***46.00***	***21802.00***

@ सरकार के विचाराधीन एचएससीएल की पुनर्संरचना हेतु सांकेतिक प्रावधान

* मैसर्स बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज की पुनर्संरचना के पश्चात मैसर्स बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बीएसएलसी) और मैसर्स उड़ीसा मिनिरल डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी) अब आरआईएनएल की सहायक कंपनियां बन गई हैं तथा इनके संबंधित आंकड़े आरआईएनएल के साथ जोड़े गए हैं।

नोट: इस्पात मंत्रालय को सिक्किम समेत पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अपने बजट में से 10 प्रतिशत निर्धारित करने से छूट प्रदान की गई है।

6.3 बजट अनुमान 2012-13 के लिए इस्पात मंत्रालय का योजना परिव्यय 21802.00 करोड़ रूपए है जिसका वित्त पोषण 46 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता और 21756.00 करोड़ रूपए के आईईबीआर से किया जाएगा। 46 करोड़ रूपए की बजटीय सहायता में से दोनों नई स्कीमों यथा निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं अयस्क फाइंस के बेनिफिशिएशन और एग्लोमरेशन की प्रोत्साहन स्कीम तथा गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा कार्य कुशलता सुधारने की स्कीम में प्रत्येक के लिए 1.00 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है तथा 44.00 करोड़ रूपए पर्यावरण के अनुकूल गुणवत्तापरक इस्पात के किफायती उत्पादन हेतु अभिनव/पाथ ब्रेकिंग और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन देने की स्कीम के लिए रखे गए हैं।

पीएसयू की विभिन्न स्कीमों के लिए वर्ष 2012-13 के बजट अनुमान में पीएसयू-वार परिव्यय का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे दिया गया है:

6.4 वार्षिक योजना 2012-13 (बजट अनुमान) में 21756.00 करोड़ रूपए के कुल आई एंड ईबीआर परिव्यय में से 14500.00 करोड़ रूपए की धनराशि का प्रावधान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के लिए किया गया है जिसकी पूर्ति इसके आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय स्रोतों (आई एंड ईबीआर) से की जाएगी। सेल की विभिन्न स्कीमों के लिए उपलब्ध करवाये गये परिव्यय का विस्तृत ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(i) भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए 4717.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। कुल परिव्यय का अधिकांश भाग (4465.00 करोड़ रूपए) संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए है। शेष परिव्यय एचएजीसी की स्थापना, प्लेट मिल में पीवीआर, हॉट मेटल, डिसल्फराइजेशन यूनिट, स्लैब कास्टर, आरएच डिगेसर, माइनिंग रेलवे ट्रैक - रावघाट जैसी स्कीमों तथा अन्य चल रही योजनाओं एवं नई योजनाओं के लिए है।

(ii) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के लिए 1215.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें से संयंत्र के विस्तार के लिए 1100.00 करोड़ रूपए निर्धारित किए गए हैं। इस परिव्यय में शामिल अन्य स्कीमों में बीएफ में बेल-लेस टॉप चार्जिंग सिस्टम की स्थापना, कांगड़ा में स्टील प्रोसेसिंग यूनिट और अन्य छोटी स्कीमें शामिल हैं।

(iii) राउरकेला इस्पात संयंत्र के लिए 3400.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। परिव्यय में शामिल प्रमुख परियोजना में आरएसपी का विस्तार (3200.00 करोड़ रूपए) है। अन्य परियोजनाओं में सीओबी 4 का पुनर्निर्माण, 700 टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र की स्थापना, जगदीशपुर स्टील परियोजना तथा अन्य चल रही एवं नई स्कीमें शामिल हैं।

(iv) बोकारो इस्पात संयंत्र के लिए 1980.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें बोकारो इस्पात संयंत्र के विस्तार (1540.00 करोड़ रूपए) का खर्च और शेष धनराशि के रूप में कोक ओवन बैटरी 1 और 2 का पुनर्निर्माण, टर्बो ब्लोअर स्टेशन में टीबी की स्थापना, बीएफ-2 का उन्नयन, बेतिया में स्टील प्रोसेसिंग यूनिट तथा चल रही एवं अन्य नई योजनाओं के व्यय शामिल हैं।

(v) इस्को स्टील प्लांट के लिए 2615.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है? इसका अधिकांश भाग आईएसपी विस्तार (2550.00 करोड़ रूपए), सीओबी - 10 का पुनर्निर्माण के लिए हैं और शेष राशि चल रही अन्य योजनाओं तथा नई योजनाओं के लिए है।

(vi) मिश्र इस्पात संयंत्र के लिए 20.00 करोड़ रू0 का परिव्यय पूरी हो चुकी योजनाओं तथा चल रही योजनाओं के लिए है।

(vii) सेलम इस्पात संयंत्र के लिए 75.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। परिव्यय का अधिकांश हिस्सा एसएसपी के विस्तार (67 करोड़ रूपए) के लिए है। शेष राशि कम लागत की विविध योजनाओं के लिए है।

(viii) शेष 478.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान विश्वैश्वरया आयरन एंड स्टील लि0 (5 करोड़ रू0), सेल की केन्द्रीय इकाईयों (103 करोड़ रू0), कच्चा माल प्रभाग (340 करोड़ रूपए), चंद्रपुर फैरो अलॉय प्लांट (30 करोड़ रूपए) तथा विभिन्न चल रही एवं नई स्कीमों/परियोजनाओं और अनुसंधान कार्य के लिए किया गया है।

6.5 वर्ष 2012-13 में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के लिए 1942.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। इस परिव्यय में से अधिकांश हिस्सा, जिसकी धनराशि 800.00 करोड़ रू0 है, को राष्ट्रीय इस्पात निगम लि0 की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए निर्धारित किया गया है। शेष परिव्यय एएमआर योजनाओं, कोक ओवन बैटरी सं0 4 (चरण-1 तथा चरण-2), एयर सैपरेशन प्लांट, लौह अयस्क भंडारण की सुविधा, विद्युत प्रणाली का सशक्तीकरण एवं विस्तार बीएफ-1 कैटगिरी मरम्मत, पुल्वराइज्ड कोल इंजेक्शन, सिंटर प्लांट की उत्पादकता में विस्तार, लौह अयस्क खानों एवं कोकिंग कोल खानों का अधिग्रहण, 67.5 मेगावाट की टीजी-5 पावर इवेक्यूऐशन सिस्टम, आदि के लिए है। समस्त परिव्यय की पूर्ति कंपनी के आई एंड ईबीआर से की जाएगी।

6.6 हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के लिए कोई योजना परिव्यय प्रस्तावित नहीं किया गया है। इस पीएसयू की पुनर्संरचना सरकार के विचाराधीन है।

6.7 एनएमडीसी लिमिटेड के लिए 4655.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है इस परिव्यय में से 3513.00 करोड़ रूपए का प्रमुख हिस्सा छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन के इस्पात संयंत्र हेतु रखा गया है। शेष परिव्यय का प्रावधान बेलाडिला निक्षेप-11 बी, कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना, दौणिमलै में पैलेटाइजेशन संयंत्र, एएमआर/टाउनशिप, बीएचजे बेनिफिशिएशन प्लांट अनुसंधान एवं विकास योजनाओं और विदेशों में मिनिरल संपत्तियों के अधिग्रहण आदि जैसी स्कीमों/परियोजनाओं के लिए किया गया है।

6.8 केआईओसीएल लिमिटेड के लिए 409.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें से 70.00 करोड़ रूपए मंगलौर में स्थाई रेलवे साइडिंग के विकास के लिए, 73.00 करोड़ रूपए रेल द्वारा लौह अयस्क प्राप्त करने हेतु बल्क मैटेरियल हैंडलिंग फैसिलिटी के निर्माण के लिए और 150.00 करोड़ रूपए कोक ओवन प्लांट के लिए है। शेष परिव्यय विभिन्न चल रही/ एएमआर योजनाओं और आर एंड डी/व्यवहार्यता अध्ययन कार्यो के लिए है। परिव्यय की पूर्ति कंपनी के आई एंड ईबीआर से की जाएगी।

6.9 **मॉयल लिमिटेड** के लिए 208.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान फैरो मैंगनीज/सिलिको मैंगनीज संयंत्र (50.00 करोड़ रूपए) के लिए सेल के साथ संयुक्त उद्यम में निवेश करने, फैरो मैंगनीज प्लांट हेतु आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम (20.00 करोड़ रूपए) स्थापित करने, चिकला एवं उक्वा खान में वर्टिकल शाफ्ट की सिंकिंग, एएमआर योजनाओं, टाउनशिप, अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययन आदि के लिए किया गया है। समस्त परिव्यय की पूर्ति कंपनी के आई एंड ईबीआर से की जाएगी।

6.10 भारत सरकार ने बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज के पुनर्संरचना प्रस्ताव को दिनांक 10.9.2009 को अनुमोदन प्रदान कर दिया है। पुनर्संरचना के पश्चात बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बीएसएलसी), उड़ीसा मिनिरल डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी) और इस्टर्न इन्वेटमेंट लिमिटेड (ईआईएल), अब आरआईएनएल की सहायक कंपनियां बन गई हैं। अतएव कोई पृथक योजना परिव्यय प्रस्तावित नहीं किया गया है।

6.11 मेकॉन लिमिटेड हेतु 5.00 करोड़ रूपए परिव्यय का प्रावधान विभिन्न स्थानों में कार्यालय/गेस्ट हाउस के विस्तार, परिवर्तन और विस्तार के लिए किया गया है। इसकी पूर्ति कंपनी के आई एंड ईबीआर से की जाएगी।

6.12 एमएसटीसी लिमिटेड हेतु 25.00 करोड़ रूपए के परिव्यय का प्रावधान श्रेडिंग प्लांट और खनन विकास प्रचालन कार्य के लिए किया गया है। इसकी पूर्ति कंपनी के आई एंड ईबीआर से की जाएगी।

6.13 फैरो स्क्रैप लिमिटेड के लिए 12.00 करोड़ रूपए के परिव्यय का एएमआर स्कीमों के लिए किया गया है। इसकी पूर्ति कंपनी के आई एंड ईबीआर से की जाएगी।

46.00 करोड़ रूपए के कुल प्रावधान में से 44.00 करोड़ रूपए पर्यावरण के अनुकूल गुणवत्तापरक इस्पात के किफायती उत्पादन हेतु अभिनव/पाथ ब्रेकिंग और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन देने की स्कीम के लिए रखे गए हैं।

दो नई स्कीमों यथा निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं अयस्क फाइंस के बेनिफिशिएशन और एग्लोमरेशन की प्रोत्साहन स्कीम तथा गौण इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा कार्य कुशलता सुधारने की स्कीम में प्रत्येक के लिए 1.00 करोड़ रूपए का सांकेतिक प्रावधान किया गया है।

7. 11वीं पंचवर्षीय योजना 2007-2012 परिव्यय (अनुमोदित) और वास्तविक खर्च, निर्धारित लक्ष्य

7.1 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12), के लिए योजना आयोग ने 45,607.08 करोड़ रूपए का कुल परिव्यय (अर्थात 45,390.08 करोड़ रूपए के आईआरईबीआर और 217.00 करोड़ रूपए की सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) अनुमोदित किया है। 2007-08 से 2011-12 (दिसंबर, 2011 तक) के दौरान 11वीं योजना के परिव्यय (अनुमोदित) और संचयी व्यय के ब्यौरे नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	पीएसयू का नाम	11वीं योजना (अनुमोदित) के लिए परिव्यय (2007-08 से 2011-12)			वास्तविक व्यय (2007-08 से 2011-12) (दिसंबर, 2011 तक)		
		आईईबीआर	जीबीएस	योग	आईईबीआर	जीबीएस	योग
क.	**पीएसयू**						
1	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	27409.00	0.00	27409.00	36615.00	0.00	36615.00
2	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	9569.18	0.00	9569.18	10624.24	0.00	10624.24
3	स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड*	25.00	0.00	25.00	4.36	0.00	4.36
4	हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	0.00	35.00	35.00	0.00	3.00	3.00
5	मेकॉन लिमिटेड	9.00	63.00	72.00	8.57	63.00	71.57
6	भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड*	0.00	0.00	0.00	3.33	7.00	10.33
7	एमएसटीसी लिमिटेड	30.00	0.00	30.00	15.97	0.00	15.97
8	फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	60.00	0.00	60.00	48.47	0.00	48.47
9	एनएमडीसी लिमिटेड	7147.00	0.00	7147.00	2375.33	0.00	2375.33
10	केआईओसीएल लिमिटेड	650.00	0.00	650.00	117.99	0.00	117.99
11	मॉयल लिमिटेड	342.90	0.00	342.90	233.10	0.00	233.10
12	बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज	148.00	1.00	149.00	98.32	0.00	98.32
ख.	**नई स्कीम**						
1	लौह एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी के उन्नयन के लिए स्कीम	0.00	118.00	118.00	0.00	40.70	40.70
2	एसएमई के लिए टीयूएफएस	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3	जनशक्ति विकास के संस्थान के लिए स्कीम	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
योग (क+ख)		**45390.08**	**217.00**	**45607.08**	**50144.68**	**113.70**	**50258.38**

* बीआरएल और सिल का क्रमश: सेल और एनएमडीसी लिमिटेड के साथ विलय कर दिया गया है ।

11वीं योजना (2007-08 से 2011-12) का दिसम्बर 2011 तक का सार

7.2 11वीं योजना के दौरान (दिसंबर, 2011 तक) योजना आयोग द्वारा अनुमोदित कुल परिव्यय और कुल व्यय नीचे दी गई तालिका में वर्ष-वार दर्शाया गया है:-

(करोड़ रूपए)

वर्ष	बजट अनुमान			संशोधित अनुमान			वास्तविक व्यय		
	आईईबीआर	जीबीएस	कुल	आईईबीआर	जीबीएस	कुल	आईईबीआर	जीबीएस	कुल
2007-08	6137.70	66.00	6203.70	4259.81	66.00	4325.81	3761.03	70.00	3831.03
2008-09	9509.00	34.00	9543.00	8065.82	26.00	8091.82	*8529.33*	0.00	*8529.33*
2009-10	13722.66	34.00	13756.66	13236.45	16.01	13252.46	13315.68	7.14	13322.82
2010-11	17163.82	36.00	17199.82	16129.25	30.00	16159.29	15067.54	27.05	15094.59
2011-12 (दिसंबर'12 तक)	21062.71	40.00	21102.71	16827.13	30.00	16857.13	9471.10	9.51	9480.61
योग	**67595.89**	**210.00**	**67805.89**	**58518.46**	**168.01**	**58686.51**	**50144.68**	**113.70**	**50258.38**

8. 11वीं पंचवर्षीय योजना में सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) परिव्यय का वर्ष-वार विश्लेषण

8.1 11वी पंचवर्षीय योजना (2007-12) के लिए अनुमोदित 217.00 करोड़ रूपए की सकल बजटीय सहायता तथा वर्ष 2007-08, 2008-09, 2009-10, 2010-11 और 2011-12 (दिसंबर; 11 तक) के दौरान हुए वास्तविक खर्च का पीएसयू/स्कीम-वार ब्यौरे नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	योजना का नाम	11वीं योजना (2007-12) के लिए आबंटित योजना बजटीय सहायता	2007-08		2008-09		2009-10		2010-11		2011-2		वास्तविक (दिसंबर, 11तक)
			अनुमोदित	वास्तविक	अनुमोदित	वास्तविक	अनुमोदित	वास्तविक	अनुमोदित	वास्त विक	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	
क.	सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनाएं												
1.	एचएससीएल-बड़े पैमाने पर मरम्मत कार्य तथा निर्माण उपस्कर व मशीनों की अधिप्राप्ति	35.00	1.00	0.00	6.50	0.00	7.00	3.00	1.00	0.00	1.00	1.00	0.00
2.	मेकॉन-अधिमान्य शेयर पूंजी हेतु निधि निर्माण	63.00*	63.00*	63.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3.	बईग्रुप-एएमआर स्कीमें	1.00	0.00	0.00	1.00	0.00	1.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4.	भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड-एएमआर स्कीमें	0.00	1.00	7.00	8.00	0.00	0.00	0.0	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ख.	मंत्रालय की योजना												
1.	लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के प्रोत्साहन की स्कीम	118.00	1.00	0.00	18.50	0.00	26.00	4.14	35.00	27.05	39.00	29.00	9.51
	योग	**217.00**	**66.00**	**70.00**	**34.00**	**0.00**	**34.00**	**7.14**	**36.00**	**27.05**	**40.00**	**30.00**	**9.51**

* मेकॉन के लिए पुनर्संरचना के तहत प्रदान की गई

8.2 वर्ष 2007-08 के दौरान बजट अनुमान में किए गए 66.00 करोड़ रूपए के आबंटन की तुलना में 70.00 करोड़ रूपए खर्च किए गए थे जिसके निम्न कारण हैं।

(i) मेकॉन लिमिटेड में अधिमान्य शेयर पूंजी हेतु निधि बनाने के लिए 63.00 करोड़ रूपए खर्च किए गए थे।
(ii) इसके अतिरिक्त बीआरएल की एएमआर स्कीमों के लिए भी 7.00 करोड़ रूपए खर्च किए गए जिसका अनुमोदन वित्त मंत्रालय द्वारा आरई चरण में किया गया था।
(iii) यद्यपि वर्ष 2007-08 में एचएससीएल हेतु 1.00 करोड़ रूपए का सांकेतिक प्रावधान किया गया था फिर भी यह राशि कंपनी को जारी नहीं की जा सकी क्योंकि इस प्रावधान को कंपनी की प्रस्तावित पुनर्संरचना स्कीम जो कि सरकार के विचाराधीन थी, से लिंक किया गया था।
(iv) आर एंड डी स्कीम हेतु किए गए 1.00 करोड़ रूपए के सांकेतिक प्रावधान को भी जारी नहीं किया जा सका।

8.3 वर्ष 2008-09 के दौरान निम्नलिखित कारणों से कोई व्यय नहीं किया गया था।

(i) 6.50 करोड़ रूपए का योजना ऋण एचएससीसल को जारी नहीं किया जा सका क्योंकि कंपनी ऋण/ब्याज की अदायगी में डिफाल्टर थी। कंपनी का पुनर्संरचना प्रस्ताव विचाराधीन होने के कारण वित्त मंत्रालय विशेष छूट देने में सहमत नहीं था।
(ii) चूंकि बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज (सरकारी प्रबंधन वाली कंपनी) की पुनर्संरचना का प्रस्ताव मंत्रालय में विचाराधीन था इसलिए 1.00 करोड़ रूपए का योजना ऋण इस्तेमाल/जारी नहीं हो सका और इसे सरेंडर कर दिया गया था।
(iii) बीआरएल की एएमआर स्कीम के लिए 8.00 करोड़ रूपए का बजटीय प्रावधान जारी नहीं किया गया था। क्योंकि सरकार द्वारा इसकी वित्तीय पुनर्संरचना और सेल के साथ इसके विलय को दिनांक 24.4.2008 को अनुमोदन दिया गया था।
(iv) 'लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के प्रोत्साहन की स्कीम ' के लिए 18.50 करोड़ रूपए के बजटीय प्रावधान को इस्तेमाल नहीं किया जा सका क्योंकि 2008-09 के दौरान स्कीम का क्रियान्वयन नहीं हुआ और वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम को वित्तीय वर्ष 2009-10 (1.4.2009 से) से शुरू करने के लिए इस मंत्रालय को सलाह प्रदान की थी।

8.4 वर्ष 2009-10 के दौरान बजट अनुमान में 34.00 करोड़ रूपए के आबंटन की तुलना में 7.14 करोड़ रूपए खर्च किए गए थे, क्योंकि:

(i) एचएससीएल के लिए 7.00 करोड़ रूपए योजना ऋण का आबंटन आरई चरण में घटाकर 3.00 करोड़ रूपए कर दिया गया था और विशेष व्यवस्था के रूप में इसे जारी नहीं किया गया था क्योंकि एचएससीएल द्वारा की गई ऋण संबंधी चूक का वित्त मंत्रालय नें अनुमोदन नहीं किया था।

(ii) आर एंड डी की चार परियोजनाएं अनुमोदित की गई थीं और इन परियोजनाओं के लिए अनुदान सहायता की प्रथम किस्त के रूप में 4.1350 करोड़ रूपए की धनराशि जारी की गई थी।

8.5 वर्ष 2010-11 के दौरान 36.00 करोड़ रूपए के बजट अनुमान की तुलना में 27.05 करोड़ रूपए खर्च किया गया था।

(i) आर एंड डी स्कीम के तहत 27.05 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई थी।

(ii) एचएससीएल के लिए रखी गई 1.00 करोड़ रूपए धनराशि खर्च नहीं की गई थी क्योंकि इसकी पुनर्संरचना वर्ष के दौरान अनुमोदित नहीं की गई थी।

8.6 वर्ष 2011-12 के दौरान वित्त मंत्रालय ने 40.00 करोड़ रूपए के बी ई योजना प्रावधान को आर एंड डी स्कीम के तहत खर्चों की धीमी गति को ध्यान में रखते हुए इसे आरई चरण में घटाकर 30.00 करोड़ रूपए कर दिया है।

(i) आर एंड डी की आठ परियोजनाएं अभी तक अनुमोदित की गई हैं। दिसंबर 2011 तक 9.51 करोड़ रूपए की धनराशि आर एंड डी स्कीम के तहत जारी की गई है।

9. **11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) के वर्ष 2010-11 और 1011-12 (दिसंबर, 2011 तक) के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय**

9.1 वर्ष 2010-11 के दौरान योजना परिव्यय की तुलना में व्यय

(करोड़ रूपए)

	पीएसयू/ संगठन का नाम	बजट अनुमान 2010-11			संशोधित अनुमान 2010-11			वास्तविक व्यय		
		आईईबी आर	जीबीएस	कुल	आईईबी आर	जीबीएस	कुल	आईईबी आर	जीबीएस	कुल
क.	पीएसयूज की स्कीमें									
1	सेल	12254.00	0.00	12254.00	12254.00	0.00	12254.00	11280.00	0.00	11280.00
2	आरआईएनएल	4049.00	0.00	4049.00	2895.00	0.00	2895.00	2901.99	0.00	2901.99
3	सिल	0.00	1.00	1.00	0.00	1.00	1.00	0.00	0.00	0.00
4	एचएससीएल	2.00	0.00	2.00	2.27	0.00	2.27	1.79	0.00	1.79
5	मेकॉन लि.	5.00	0.00	5.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6	बीआरएल	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00	10.58	0.00	10.58
7	एमएसटीसी लि.	611.00	0.00	611.00	720.00	0.00	720.00	700.29	0.00	700.29
8	एफएसएनएल	75.00	0.00	75.00	85.00	0.00	85.00	60.83	0.00	60.83
9	एनएमडीसी लि.	115.82	0.00	115.82	83.98	0.00	83.98	37.20	0.00	37.20
10	केआईओसीएल लि.	40.00	0.00	40.00	77.00	0.00	77.00	74.86	0.00	74.86
11	मॉयल लि. योग-क	40.00 17163.82	0.00 1.00	40.00 17164.82	77.00 16129.25	0.00 1.00	77.00 16130.25	74.86 15067.54	0.00 0.00	74.86 15067.26
ख.	इस्पात मंत्रालय की योजनाएं									
	1. लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा देने की योजना	0.00	35.00	35.00	0.00	29.00	29.00	0.00	27.05	27.05
	योग - ख	0.00	35.00	35.00	0.00	29.00	29.00	0.00	27.05	27.05
	सकल योग-क + ख	17163.82	36.00	17199.82	16129.25	30.00	16159.29	15067.54	27.05	15094.59

9.2 दिसबर, 2011 तक योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय

वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान योजना आयोग ने 21102.71 करोड़ रूपए (आईईबीआर के रूप में 21062.71 करोड़ रूपए और जीबीएस के रूप में 40 करोड़ रूपए) का परिव्यय अनुमोदित किया है। वर्ष 2011-12 (बजट अनुमान) के लिए अनुमोदित परिव्यय और दिसंबर, 2011 तक के वास्तविक व्यय के स्रोत-वार ब्यौरे नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	पीएसयू का नाम	2011-12 (बजट अनुमान)			2011-12 वाव्तविक व्यय (दिसंबर, 2011 तक)		
		आईईबी आर	बीएस	कुल	आईईबी आर	बीएस	कुल
1	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	14337.00	0.00	14337.00	7315.00	0.00	7315.00
2	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	3046.00	0.00	3046.00	1248.85	0.00	1248.85
3	हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	0.00	1.00@	0.00	0.00	0.00	0.00
4	मेकॉन लिमिटेड	2.00	0.00	2.00	2.05	0.00	2.05
5	एमएसटीसी लिमिटेड	15.00	0.00	15.00	1.47	0.00	1.47
6	फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	12.00	0.00	12.00	3.49	0.00	3.49
7	नेशनल मिनिरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड	3309.00	0.00	3309.00	826.16	0.00	826.16
8	कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड	98.00	0.00	98.00	41.06	0.00	41.06
9	मैगनीज ओर इंडिया लिमिटेड	107.71	0.00	107.71	28.74	0.00	28.74
10	बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज	136.00	0.00	136.00	4.28	0.00	4.28
11	लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन स्कीम	0.00	39.00	39.00	0.00	9.51	9.51
	योग	**21062.71**	**40.00**	**21101.71**	**9471.10**	**9.51**	**9480.61**

@ एचएससीएल की पुनर्संरचना हेतु सांकेतिक प्रावधान सरकार के विचाराधीन है।

10. बकाया समुपयोजन प्रमाणपत्रों की स्थिति

31.12.2011 की स्थितिनुसार कोई समुपयोजन प्रमाण पत्र लंबित नहीं है।

अध्याय-VI

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों का कार्य निष्पादन

1. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)

1.1 सेल की प्राधिकृत पूंजी 5000.00 करोड़ रू0 है। 31 मार्च, 2011 की स्थिति के अनुसार प्रदत्त पूंजी 4130.40 करोड़ रू0 है जिसमें से 3544.69 करोड़ रू0 (85.82 प्रतिशत) भारत सरकार के पास है तथा शेष वित्तीय संस्थानों, जी डी आर धारकों, बैंकों, कर्मचारियों आदि के पास है।

1.2 वास्तविक निष्पादन

(हजार टन में)

सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	तप्त धातु	14442	14505	14888	14468	14468	10519	14361
(ii)	अपरिष्कृत इस्पात	13411	13506	13761	13812	13812	9961	13605
(iii)	विक्रेय इस्पात	12494	12632	12887	12600	12600	9107	12750
(iv)	कच्चा लोहा	267	323	261	84	84	58	342

1.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	53718	45565	50697	46036	46036	39340	51680
(ii)	प्रचालन लागत	42776	33694	41542	40560	40560	34756	45679
(iii)	सकल मार्जिन	10942	11871	9155	5476	5476	4584	6000
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	9403	10132	7194	2180	2180	2850	3302
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	6175	6754	4905	1473	1473	1966	2230
(vi)	प्रस्तावित लाभांश *	1074	1363	991	826	826	496	826
	जिसमें से							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	922	1170	851	709	709	425	709

* लाभांश कर को छोड़कर

1.4 सेल ने वर्ष 2011-12 के दौरान 35564 करोड़ रूपए की टर्नओवर सूचित की है जो कि वर्ष 2010-11 **(33905** करोड़ रूपए**)** में 5 प्रतिशत की वृद्धि है।

1.5 सेल ने वर्ष 2011-12 के दौरान कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) और कर-पश्चात लाभ (पीएटी) क्रमश: 2850 करोड़ रूपए और 1996 रूपए अर्जित किया है।

1.6 गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में वर्तमान 9 महिनों में लाभ में गिरावट मुख्यत: कम उत्पादन; विक्रेय इस्पात की बिक्री मात्रा; आयातित कोयले, स्वदेशी कोयला, बीएफ कोक, डोलोमाइट, अलॉय और बॉयलर कोयला जैसे आदान सामग्री की कीमतों के विपरीत प्रभाव; विद्युत की खरीद और लौह अयस्क की रॉयल्टी में वृद्धि के कारण हुई है। इसके अतिरिक्त, वेतन एवं मजदूरी में वृद्धि, विदेशी विनिमय में विपरीत परिवर्तन, और ब्याज एवं मूल्य ह्रास में वृद्धि हुई है। तथापि, लाभ प्रदता में विपरीत प्रभाव को विक्रेय इस्पात की बिक्री में अधिक प्राप्ति और आवधिक जमा राशियों पर अर्जित ब्याज से कुछ हद तक कम किया गया है।

2. <u>राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)</u>

2.1 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार कंपनी की पूंजीगत संरचना में 4889.85 करोड़ रू0 साम्या पूंजी तथा 2937.47 करोड़ रू0 की 7 प्रतिशत गैर संचयी शोधनीय तरजीही शेयर पूंजी शामिल है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

2.2 <u>वास्तविक निष्पादन</u>

(हजार टन)

क्र. सं.	मद	**2008-09***	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान @
(i)	तप्त धातु	3546	3900	3830	4350	3900	2848	4185
(ii)	अपरिष्कृत इस्पात	2963	3205	3235	3673	3187	2297	3513
(iii)	विक्रेय इस्पात	2701	3167	3077	3467	3036	2199	3300
(iv)	कच्चा लोहा	322	408	318	368	454	361	370

*अप्रत्याशित वैश्विक मंदी के कारण वर्ष 2008-09 की दूसरी छ:माही में उत्पादन में कटौती करने का सहारा लिया गया।

2.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान @
(i)	आय	12303.61	11392.16	12042.55	13763.22	13666.99	10192.21	14821.74
(ii)	प्रचालन लागत	9948.10	9789.79	10630.40	12962.84	12657.26	9207.60	14420.74
(iii)	सकल मार्जिन	2355.51	1602.37	1412.15	800.38	1009.73	984.61	401.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	2026.59	1247.65	981.66	29.21	541.27	587.59	-313.47
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	1335.57	796.67	658.49	89.88	374.01	401.27	-302.86
(vi)	प्रदत्त लाभांश *	--	339.18	285.29	--	271.47	271.47	--

@ डीपीई को प्रस्तुत एमओयू 2011-12 के अनुसार, जिसे एटीएफ सदस्यों के साथ विचार-विमर्श के पश्चात अंतिम रूप दिया जाएगा।

2.4 लौह अयस्क और कोकिंग कोल की कीमतों में लगातार वृद्धि होने तथा इसके अतिरिक्त वर्ष 2008-09 के समझौते की आगे ले जाई गई मात्रा की उच्च लागत होने के कारण वर्ष 2009-10, 2010-11 और 2011-12 की लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित हुई है। यद्यपि वर्तमान वर्ष के दौरान वित्तीय निष्पादन बजट प्रावधान से बेतहर है फिर भी बजट अनुमानों में की गई परिकल्पना के अनुसार विस्तार यूनिटों के आरंभ न होने के कारण उत्पादन में गिरावट आएगी। चूंकि अधिकतर विस्तार यूनिटें वर्ष 2012-13 के दौरान चालू किए जाने हेतु निर्धारित हैं, इसलिए सेमीफिनिश्ड उत्पादों की अधिक मात्राओं में अधिक उत्पादन से मूल्यह्रास की लागत अधिक होगी। क्योंकि इसके लिए स्तरीकरण समय की आवश्यकता होगी। जिससे वर्ष की समग्र लाभप्रदता प्रभावित होगी। कोयला और लौह अयस्क जैसे मुख्य कच्ची सामग्रियों की लागत अधिक होने और अमेरिकी डालर की तुलना में रूपए का मूल्य कम होने के कारण भी कंपनी की लाभप्रदता प्रभावित हो रही है।

2.5 बर्डग्रुप ऑफ कंपनीज के संबंध में की गई पुनर्संरचना के अनुसार ईआईएल की होल्डिंग कंपनी आरआईएनएल बन गई है। ओएमडीसी और बीएसएलसी की होल्डिंग कंपनी ईआईएल बन गई है। इस प्रकार बर्डग्रुप के अंतर्गत प्रचालनाधीन सभी 3 कंपनियां नामतः ईआईएल, ओएमडीसी और बीएसएलसी अब आरआईएनएल की सहायक कंपनियां हैं और ये सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बन गए हैं।

(क) <u>उड़ीसा मिनिरल्स डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी)</u>

ओएमडीसी, इस्टर्न इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड ईआईएल की एक सहायक कंपनी है। इसके अतिरिक्त ईआईएल, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) की एक सहायक कंपनी है। कंपनी को वर्ष 1918 में निगमित किया गया था और यह मार्च, 2010 में एक पीएसयू बन गई थी। ओएमडीसी लौह अयस्क और मैगनीज आयस्क के खनन और विपणन कार्य में लगा हुआ है। ओएमडीसी उड़ीसा राज्य में लौह अयस्क के 6 खनन पट्टों का प्रचालन कर रहा है। कंपनी की खानें उड़ीसा के क्योंझर जिले में बारबिल ठकुरानी के आस-पास अस्थित हैं। इन सभी 6 खानों का प्रचालन कार्य पर्यावरण एवं वन स्वीकृति न मिलने के कारण बंद है। दिनांक 31.3.2011 को कंपनी की प्रदत्त पूंजी 0.60 करोड़ रूपए और निवल मूल्य 799.52 करोड़ रूपए थे।

<u>वास्तविक निष्पादन</u>

(लाख एमटी में**)**

सं.	मद	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
1.	उत्पादन							
	i) लौह अयस्क	16.60	5.64	0.70	12.00	8.00	-	10.00
	ii) मैंगनीज अयस्क	0.32	0.17	0.13	0.20	0.18	-	0.20
	iii) स्पंज आयरन	0.03	0.08	0.02	-	-	-	-
2.	प्रेषण							
	i) लौह अयस्क	17.34	6.43	2.22	12.00	8.00	-	10.00
	ii) मैंगनीज अयस्क	0.26	0.19	0.07	0.20	0.78	-	0.20
	iii) स्पंज आयरन	0.02	0.06	0.04	-	-	0.01	-

<u>वित्तीय निष्पादन</u>

(करोड़ रूपए)

सं.	**मद**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	348.68	166.53	99.16	308.70	290.00	49.17	372.00
(ii)	प्रचालन लागत	59.39	51.72	64.30	203.61	110.00	32.70	82.00
(iii)	सकल मार्जिन	289.29	114.81	34.86	105.09	180.00	16.47	290.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	286.24	112.26	13.35	87.59	163.00	7.56	268.00
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	181.81	74.44	7.72	58.51	108.00	5.86	181.00
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	27.30	11.16	1.16	-	-	-	-
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	3.88	-	-	-	-	-	-

(ख) बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड (बीएसएलसी)

बीएसएलसी को वर्ष 1910 में निगमित किया गया था इसकी खानें उड़ीसा राज्य के सुन्दरगढ़ जिले में वीरमित्रपुर में अवस्थित हैं। बीएसएलसी 19.3.2010 को एक पीएसयू बन गई है और वह इस्टर्न इन्वेंटमेंट लिमिटेड (ईआईएल) की एक सहायक कंपनी है। इस्टर्न इन्वेंटमेंट लिमिटेड (ईआईएल) दिनांक 05.01.2011 को आरआईएनएल की सहायक कंपनी बन गई है। इस प्रकार बीएसएलसी आरआईएनएल की सहायक इकाई बन गई है। कंपनी की प्रधिकृत और पूर्वदत्त पूंजी क्रमश: 87.50 करोड़ रूपए और 87.29 करोड़ रूपए है।

वास्तविक निष्पादन

(लाख रूपए एमटी में**)**

क्र. सं.	**मद**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
1.	उत्पादन							
(i)	लाइमस्टोन	2.06	2.09	1.25	0.60	0.22	0.22	1.00
(ii)	डोलोमाइट	8.64	9.56	8.60	7.58	4.92	4.92	6.00
2.	प्रेषण							
(i)	लाइमस्टोन	2.02	2.44	2.02	0.96	0.45	0.45	1.00
(ii)	डोलोमाइट	7.95	9.26	8.44	7.70	4.90	4.90	6.00

वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	**मद**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	50.85	682.73	58.89	58.00	29.59	29.61	45.00
(ii)	प्रचालन लागत	45.43	621.42	63.82	67.50	42.75	34.96	54.50
(iii)	सकल मार्जिन	5.43	-	-4.93	-9.50	-13.16	-5.35	-9.50
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	-91.35	620.63	-5.45	-10.00	-13.66	-5.73	-10.00
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	-91.38	-	-5.45	-10.00	-13.66	-5.73	-10.00
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	-	-	-	-	-	-	-
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	-	-	-	-	-	-	-

बीएसएलसी विगत कई वर्षों से हानि अर्जित कर रही है। कंपनी का कार्य निष्पादन स्टील निर्माण की प्रौद्योगिकी में परिर्वतन होने, औद्योगिक संबंधों की समस्या होने और मांग की अत्यधिक कमी के कारण प्रभावित हुआ है जिसके कारण अत्यधिक नकद हानि हुई है।

3. <u>हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल)</u>

3.1 31 मार्च, 2011 की स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत और प्रदत्त शेयर पूंजी क्रमश: 150 करोड़ रू0 तथा 117.10 करोड़ रू0 है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

3.2 वास्तविक निष्पादन

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	**मद**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान (योजना)	संशोधित अनुमान (एमओयू)	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	*आर्डरबुकिंग*	871.00	1036.00	1826.00	--	1800.00	1652.64	--

3.3 <u>वित्तीय निष्पादन</u>

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	मद	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान (योजना)	संशोधित अनुमान (एमओयू)	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	721.26	800.35	996.30	550.00	1200.00	786.89	1250.00
(ii)	प्रचालन लागत	656.63	731.26	925.09	495.50	1120.00	745.77	1175.00
(iii)	सकल मार्जिन	64.63	69.09	71.21	54.50	80.00	41.12	75.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	-6.88	-54.59	-38.09	-98.70	-26.00	-37.29	-35.00
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	-6.88	-54.59	-38.09	-98.70	-26.00	-37.29	-35.00
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

कंपनी द्वारा वर्ष 2010-11 के दौरान 71.21 करोड़ रूपए का प्रचालन लाभ अर्जित करने से उसके वित्तीय परिणाम में सुधार हो रहा है। कंपनी व्यापारिक प्रचालन की समग्र कार्यकुशलता में सुधार लाने के विभिन्न प्रयास कर रही है। वर्तमान में एचएससीएल की पुनर्संरचना का एक प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

4. <u>मेकॉन लिमिटेड</u>

4.1 कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 104.00 करोड़ रू0 है जिसमें से 103.14 करोड़ रू0 प्रदत्त पूंजी है। सभी शेयर भारत सरकार के पास हैं।

4.2 <u>वास्तविक निष्पादन</u>

चूंकि मेकॉन एक परामर्शी संगठन है, इसलिए कंपनी का वास्तविक निष्पादन देना संभव नहीं है।

4.3 <u>वित्तीय निष्पादन</u>

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	मद	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	आय	614.66	668.86	689.42	515.50	602.00	422.21	811.00
(ii)	प्रचालन लागत	528.46	533.35	539.94	466.65	488.31	345.67	611.82
(iii)	सकल मार्जिन	86.20	135.51	149.48	48.85	113.69	76.54	199.18
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	74.76	124.69	140.93	42.50	106.33	70.38	192.20
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	65.88	82.62	93.68	39.50	71.01	47.55	129.84
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	3.15	3.15	3.15	3.15	2.52	2.33	27.86
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	3.15	3.15	3.15	3.15	2.52	2.33	27.86

5. **<u>एमएसटीसी लिमिटेड</u>**

5.1 31.3.2011 की स्थिति के अनुसार एम एस टी सी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 5.00 करोड़ रू0 और प्रदत्त पूंजी 2.20 करोड़ रू0 है जिसमें से लगभग 89.85 प्रतिशत भारत के राष्ट्रपति के

पास है तथा शेष 10.15 प्रतिशत स्टील फर्नेस एसोसिएशन आफ इंडिया तथा आयरन एंड स्टील स्क्रैप एसोसिएशन आफ इंडिया के सदस्यों और अन्यों के पास हैं।

5.2 <u>वास्तविक निष्पादन</u>

चूंकि एम एस टी सी एक विनिर्माण उपक्रम नहीं है इसलिए मार्केटिंग और सेलिंग एजेंसी के अंतर्गत कारोबार की मात्रा की दृष्टि से इसका निष्पादन नीचे दिया गया है:

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	**मद**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	विपणन	8881	6385	5933	5000	2000	3312.07	2900
(ii)	एजेंसी	11121	6354	8168	7000	6600	10604.41	9500

5.3 <u>वित्तीय निष्पादन</u>

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	**मद**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	7082.09	4381.18	1947.31	2751.60	2109.00	1462.03	1243.90
(ii)	प्रचालन लागत	6950.00	4243.51	1796.61	2651.20	2046.00	1305.11	1148.90
(iii)	सकल मार्जिन	132.09	137.67	150.70	100.40	63.00	103.52	95.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	129.53	135.99	149.40	97.90	60.00	100.16	91.00
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	85.05	86.10	99.16	65.00	39.60	67.67	60.06
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	17.05	17.23	2.20	-	-	-	-
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	15.34	15.48	1.98	-	-	-	-

6. <u>फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल)</u>

एफएसएनएल की प्रदत्त पूंजी 2.00 करोड़ रूपए है। समस्त प्रदत्त पूंजी एमएसटीसी लिमिटेड के पास है।

6.1 दिनांक 31.3.2010 को कंपनी का निवल मूल्य 136.67 करोड़ रूपए था।

6.2 <u>वास्तविक निष्पादन</u>

क्र. सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-2			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	स्क्रैप की रिकवरी (लाख एमटी)	22.63	23.71	26.45	28.50	24.94	16.06	27.69
(ii)	उत्पादन का बाजार मूल्य (करोड़ रूपए)	995.82	1043.40	1163.94	1254.00	1097.58	706.64	1218.47

6.3 <u>वित्तीय निष्पादन</u>

(करोड़ रूपए)

No	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-2			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	आय	137.30	158.61	168.53	177.71	175.15	112.95	193.15
(ii)	प्रचालन लागत	120.47	137.42	155.07	156.77	160.45	110.50	174.40
(iii)	सकल मार्जिन	16.83	21.19	13.46	20.94	14.70	2.45	18.75
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	4.31	5.76	1.78	5.44	1.45	-8.09	3.25
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	2.23	4.18	1.20	3.63	0.97	-8.09	2.20
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	0.52	1.01	0.46	0.00	0.00	0.00	0.00
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	0.45	0.86	0.40	0.00	0.00	0.00	0.00

धारक कंपनी होने के नाते लाभांश का भुगतान मैसर्स एमएसटीसी लिमिटेड को किया गया

7. <u>**एनएमडीसी लिमिटेड**</u>

7.1 वर्ष **2008-09** के दौरान **2:1** अनुपात में बोनस शेयर देने के पश्चात **31.3.2011** की स्थिति के अनुसार **400.00** करोड़ रू0 की प्राधिकृत शेयरपूंजी की तुलना में अभिदत्त एवं प्रदत्त पूंजी **396.47** करोड़ रू0 है। एनएमडीसी के **98.38** प्रतिशत शेयर भारत सरकार के पास हैं। वर्ष

2009-10 में भारत सरकार ने एनएमडीसी के 33.22 करोड़ रूपए मूल्य के शेयरों का विनिवेश किया है जिसके फलस्वरूप कंपनी में शेयरधारिता कम होकर अब लगभग 90 प्रतिशत है। एनएमडीसी एक ऋण मुक्त कंपनी है।

7.2 वास्तविक निष्पादन

क्र. सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	उत्पादन							
	i) लौह अयस्क (लाख एमटी)	285.15	238.03	251.55	240.00	275.00	202.82	265.00
	ii) डायमंड्स (कैरेट्स)	-	16529.21	10865.93	40000	15000	12301	23500
	स्पंज आयरन (एमटी)	-	-	38962	40000	39411	28259	42500
(II)	बिक्री							
	i) लौह अयस्क (लाख एमटी)	264.72	240.85	263.15	253.00	280.00	208.45	265.00
	ii) डायमंड्स (कैरेट्स)	-	7335.34	18421.22	40000	15000	5393.00	23500
	स्पंज आयरन (एमटी)	-	-	39775	40000	39411	26445	42500

7.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक (अनंतिम)	बजट अनुमान
(i)	आय	8575.46	7098.90	12687.81	11030.00	13461.00	10000.54	12723.00
(ii)	प्रचालन लागत	1850.21	1814.96	2835.66	2756.00	3046.00	1673.10	3098.00
(iii)	सकल मार्जिन	6725.25	5283.94	9852.15	8274.00	10415.00	8327.44	9625.00
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	77.02	76.62	124.98	149.00	138.00	99.33	175.00
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	6648.23	5207.32	9727.17	8125.00	10277.00	8228.11	9450.00
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	4372.38	3447.26	6499.22	5426.00	6943.00	5558.50	6384.00
(vii)	जिसमें से :	876.20	693.82	1308.35	-	-	-	-
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश							
		862.04	649.39	1177.58	-	-	-	-

*वर्ष के लिए बैलेंस शीट के आंकड़े

7.4 वर्ष 2010-11 की 7098.90 करोड़ रूपए कुल आय 78.73 प्रतिशत बढ़कर 12687.81 करोड़ रूपए हो गई हैं। वर्ष 2010-11 के 5207.32 करोड़ रूपए के कर-पूर्व लाभ 86.80 प्रतिशत बढ़कर 9727.17 करोड़ रूपए हो गए हैं। वर्ष 2010-11 के 3447.26 करोड़ रूपए के कर-पश्चात

लाभ 88.53 प्रतिशत बढ़कर 6499.22 करोड़ रूपए हो गए हैं। लौह अयस्क के उत्पादन और बिक्री की मात्राओं में वर्ष 2009-10 की तुलना में क्रमश: 6 प्रतिशत और 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष के दौरान मैसर्स एसआईआईएल का एनएमडीसी के साथ विलय किया गया है और विलय के प्रथम वर्ष में कंपनी ने स्पंज आयरन का 38962 एमटी का उत्पादन और 39775 एमटी की बिक्री प्राप्त की है।

8. केआईओसीएल लिमिटेड

8.1 केआईओसीएल की प्राधिकृत पूंजी 675.00 करोड़ रूपए है। जारी एवं प्रदत्त पूंजी 634.51 करोड़ रूपए है जिसका लगभग 99 प्रतिशत (628.14 करोड़ रूपए) भारत सरकार के पास है।

8.2 वास्तविक निष्पादन

(मिलियन टन)

क्र. सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	पैलेट	1.316	1.273	2.124	3.000	2.000	1.297	2.500
(ii)	कच्चा लोहा (अनुषंगी समेत)	0.118	0.062	-	-	-	-	-

नोट: माननीय उच्चतम न्यायालय के निणर्य के मद्देनजर खनन कार्य को 31.12.2005 से रोक दिया गया है।

8.3 वित्तीय निष्पादन

(करोड़ रूपए)

सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
(i)	आय	1422.15	912.59	1784.85	2554.00	2580.80	1226.15	2581.72
(ii)	प्रचालन लागत	1354.48	1047.23	1622.24	2445.54	2420.74	1149.62	2407.22
(iii)	सकल मार्जिन	67.67	-134.64	162.61	108.46	160.06	76.53	174.50
(iv)	कर पूर्व लाभ (हानि)	24.18	-194.95	99.95	74.84	120.41	47.23	140.30
(v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	22.01	-177.27	76.27	49.99	80.41	31.54	93.69
(vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	6.34	-	15.86	-	-	-	18.74
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	6.28	-	15.70	-	-	-	18.55

8.4 वैश्विक बाजार मंदी के कारण पैलेट्स की कीमतें उत्पादन लागत से कम हो गई है। इस प्रकार केआईओसीएल कम मात्रा में पैलेट की बिक्री कर रही थी। संयंत्र अनुरक्षण के लिए जनवरी, 2009 से उत्पादन कार्यकलाप रोक लिए गए थे जो कि जुलाई, 2009 में पुन: आरंभ कर लिए गए थे।

8.5 विश्व स्तर पर बाजार में मंदी आने के कारण वर्ष 2009-10 में पैलेट की कीमतों में कमी हुई है। इसलिए केआईओसीएल को हानि का सामना करना पड़ा है। तथापि, 2010-11 में कंपनी के कार्यनिष्पादन में पर्याप्त सुधार हुआ है। कंपनी ने वर्ष 2010-11 के लिए 15.70 करोड़ रूपए लाभांश का भुगतान किया है।

9. <u>मॉयल लिमिटेड</u>

9.1 31 दिसम्बर, 2011 की स्थिति के अनुसार कंपनी की प्राधिकृत पूंजी 250.00 करोड़ रूपए है तथा कंपनी की निर्गमित एवं चुकता पूंजी 168.00 करोड़ रूपए है। भारत सरकार तथा महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश की राज्य सरकारें कंपनी के शेयर धारक हैं जिसमें भारत सरकार के 71.57% प्रतिशत शेयर हैं।

9.2 <u>वास्तविक निष्पादन</u>

(उत्पादन एमटी में**)**

No.		**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**			**2012-13**
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
	उत्पादन							
(i)	मैंगनीज ओर	1175318	1093363	1150742	1100000	1150000	755363	1200000
(ii)	इलैक्ट्रोलाइट मैंगनीज डाईआक्साइड	1240	1150	805	1000	800	484	1000
(iii)	फैरो मैंगनीज	10120	9555	9081	10000	7800	6510	10000

9.3 <u>वित्तीय निष्पादन</u>

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12			2012-13
		(वास्तविक)	(वास्तविक)	(वास्तविक)	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक (दिसंबर, 2011) तक	बजट अनुमान
i)	आय	1407.99	1101.37	1290.80	1164.51	1080.97	833.40	1098.16
ii)	प्रचालन लागत	435.66	383.47	427.77	493.33	536.99	358.76	597.73
iii)	सकल मार्जिन	1031.42	732.09	912.66	715.10	547.76	471.12	537.46
v)	कर पूर्व लाभ (हानि)	1006.76	706.79	880.15	450.69	514.80	445.06	501.49
v)	कर पश्चात लाभ (हानि)	663.79	466.35	588.06	450.69	339.82	297.23	334.91
vi)	लाभांश का भुगतान/प्रस्तावित	133.00	94.08	117.60				
	जिसमें से :							
	भारत सरकार को प्रस्तावित लाभांश	108.49	76.74	84.17				

वर्ष 2010-11 के लिए निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में मॉयल के वास्तविक और वित्तीय निष्पादन में अभी तक कोई कमी नहीं हुई है। इलैक्ट्रोलिटिक मैगनीज डाईआक्साईड के उत्पादन को छोड़कर दोनों दृष्टियों से कंपनी का निष्पादन लक्ष्यों से अधिक हुआ है।

****